Ranchi ● Sunday, 10 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 319 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

आयकर छापे का चौथा दिन

देश में किसी सिंगल ऑपरेशन में बरामद हुई अब तक की सबसे बड़ी रकम

एनिमल की सफलता पर रश्मिका...

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर चौथे दिन भी छापेमारी, लोहरदगा आवास में रेड खत्म

बैग्स लेकर निकली टीम, सांसद के ठिकानों से 300 करोड़ रुपये मिले, नोट गिनने में लगेंगे और 2 दिन

झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के 10 ठिकानों पर 6 दिसंबर से आईटी कर रही छापेमारी

रांची में पिछले तीन दिनों से जांच कर रही आयकर विभाग के अधिकारी ब्रेड और केले खाकर भर रहे पेट

शनिवार को नोट गिनने के लिए 40 बड़ी और छोटी मशीनें लगाई गई, नोटों की गिनती अभी जारी है

लोहरदगा से आईटी की टीम चार गाड़ियों में महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरे कई बैग लेकर वापस गई

बैग में क्या है, इसकी जानकारी नहीं दी गई, अनुमान है कि इन बैग में नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं

शराब बनाने वाली कंपनी बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय में नोटों से भरी 30 अलमारियां मिली थी शनिवार को रांची से मिले तीन बैग

नोट गिनने वाली चार मशीनें हो चुकी खराब, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं

CRIME REPORTER RANCHI :
झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज साहू और उनके करीबियों के ठिकानों से 300 करोड़ से ज्यादा का कैश मिल चुका है। इन ठिकानों में झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के 10 ठिकाने शामिल हैं, जहां आयकर विभाग जांच कर रही है। इनकम टैक्स के अफसरों के मुताबिक, ये किसी सिंगल ऑपरेशन में बरामद हुई अब तक की सबसे बड़ी रकम है। टैक्स चोरी के मामले में धीरज के घर, ऑफिस और फैक्ट्री पर बुधवार 6 दिसंबर को छापेमारी शुरू की गई थी। इधर, रांची में पिछले 3 दिन से जांच कर रहे अधिकारी ब्रेड और केले खाकर पेट भर रहे हैं। जांच अधिकारियों को इस घर से तीन बैग मिले हैं। साथ ही ओडिशा की गाड़ियां भी मौजूद हैं। आयकर विभाग को अब तक ओडिशा के टिटलागढ़, बोलांगीर और संबलपुर स्थित ठिकानों से 300 करोड़ कैश मिल चुका है। शनिवार 8 दिसंबर से नोट गिनने के लिए 40 बड़ी और छोटी मशीनें लगाई गई हैं। नोटों की गिनती अभी जारी है। आयकर विभाग के महानिदेशक संजय बहादुर ने मीडिया को बताया कि कैश इतना ज्यादा है कि इसकी गिनती में अभी दो दिन और लगेंगे। इसके बाद ही आधिकारिक रूप से इस पर जानकारी दी जा सकेगी। उधर, धीरज साहू के लोहरदगा स्थित आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी खत्म हो गयी है। बताया गया है कि ओडिशा के आयकर विभाग के अधिकारियों की टीम चार गाड़ियों में कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरे कई बैग लेकर वापस गई है। उस बैग में क्या है, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। हालांकि, अनुमान है कि इन बैग में नकदी और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं।

लंबे वक्त से अलमारी में रखे नोटों में आ गई थी नमी

लंबे समय से अलमारी में रखे होने के कारण नोटों में नमी आ गई, जिसकी वजह से नोट एक दूसरे से चिपक गए हैं। नोट गिनने के दौरान अब तक चार मशीनें खराब हो चुकी हैं, इस कारण गिनती में देर हो रही है। अब भुवनेश्वर से बड़ी मशीनें मंगाई गई हैं। 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे के बाद 6 बड़ी मशीनों से नोटों की गिनती शुरू हुई, जो अब तक जारी है। आयकर की छापेमारी को देखते हुए बौध जिला स्थित बौद्ध डिस्टलरी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारियों ने 500-500 के नोटों को फाड़कर फेंकना शुरू कर दिया। आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान जब कंपनी के चारदीवारी के आसपास देखा तो पाया कि पांच-पांच सौ के नोट फाड़कर फेंके हुए है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने नोटों को जब्त कर लिया। फटे हुए नोट चारदीवारी के अलावा बॉटलिंग प्लांट के बॉयलर के नजदीक मिले। बलदेव साहू संस एंड ग्रुप की ओडिशा में 250 से अधिक शराब की दुकानें है। आयकर की छापेमारी के बाद बोलांगीर जिले की 42 दुकानों के कर्मचारी दुकानें बंद कर भाग गए हैं। उन्हें गिरफ्तारी और पूछताछ का डर है। आयकर विभाग के महानिदेशक संजय बहादुर नोटों की जब्ती और गिनती सहित पूरे अभियान पर नजर रख रहे हैं। इस

ईडी भी कर सकती है पूछताछ

आईटी की 40 सदस्यों की टीम बुधवार सुबह से ही ओडिशा के बौध, बोलांगीर, रायगढ़ा व संबलपुर, झारखंड के रांची व लोहरदगा और कोलकाता में छापेमारी की। आईटी ने कंपनी के कई खातों को फ्रीज कर दिया है। इस मामले में आयकर विभाग के अधिकारी कंपनी के प्रबंधन स्तर से आय के स्रोतों और इतनी बड़ी मात्रा में नकदी जमा करने के संदर्भ में पूछताछ कर सकते हैं। इस मामले में ईडी भी सक्रिय हो सकती है।

बाबूलाल मरांडी ने मुकदमा दर्ज कर अरेस्ट की मांग की

कांग्रेस से राज्यसभा के सदस्य धीरज साहू के विभिन्न ठिकानों से 300 करोड़ से ज्यादा नकदी की बरामदगी पर शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची में पत्रकार वार्ता कर कांग्रेस-झामुमो पर कड़ा प्रहार किया। साथ ही यह धनराशि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का बताते हुए धीरज साहू पर मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। प्रदेश के सभी जिलों में भी भाजपा के विधायकों ने पत्रकार वार्ता कर प्रदेश अध्यक्ष की मांगों को दोहराया तथा कांग्रेस झामुमो के भ्रष्टाचार में लिप्त होने के इतिहास को उजागर किया। रविवार को सभी जिला मुख्यालयों में पार्टी के द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया गया है।

कांग्रेस ने भी उठाये सवाल

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू 300 करोड़ कैश बरामदगी मामले में चौतरफा घिरते जा रहे हैं। विपक्ष हमलावर है तो वहीं कांग्रेस ने भी अपने नेता पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सांसद धीरज साहू के बिजनेस से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। सिर्फ. वही बता सकते हैं, और उन्हें यह स्पष्ट करना भी चाहिए, कि कैसे आयकर अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर उनके ठिकानों से इतनी बड़ी मात्रा में कैश बरामद किया जा रहा है।

भाजपा के पेट में दर्द क्यों

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि आईटी विभाग का यह रुटीन वर्क है। इससे पहले किसी उद्योगपति के यहां छापेमारी नहीं हुई है क्या? पैसा कहां से आया? किसका पैसा है? आईटी द्वारा यह सब पता लगा लिया जाएगा। भाजपा वालों के पेट में क्यों दर्द हो रहा है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने इससे आगे कहा कि भाजपा के दफ्तर पूरी स्क्रिप्ट लिखी जाती है, फिर कार्रवाई केंद्रीय एजेंसियों से कराई जाती है।

पूरी खबर पेज 3 पर

SHARE

सेंसेक्स	:	69,825.60
निफ्टी	:	20,969.40

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

25 छात्राओं के हाथों पर डाला खौलता तेल

KONDAGAON : छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में स्कूल के टॉयलेट के बाहर गंदगी मिलने पर 8वीं की 25 छात्राओं के हाथ गर्म तेल से जला दिए गए। इसके चलते बच्चों के हाथों पर फफोले पड़ गए। आरोप है कि टीचरों ने बच्चों को एक-दूसरे के हाथ पर गर्म तेल डालने के लिए मजबूर किया। जांच के बाद हेडमास्टर जोहरी मरकाम समेत तीन शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया। वहीं, एक सफाईकर्मी को बर्खास्त किया गया है। मामला माकड़ी ब्लॉक के ग्राम केरावाही स्थित पूर्व माध्यमिक स्कूल का है। बताया रहा है कि शुक्रवार 8 दिसंबर को लंच टाइम में टीचर बाहर गए थे। जब लौटे तो देखा कि टॉयलेट के बाहर किसी ने शौच कर दिया। उन्होंने इस बारे में छात्राओं से पूछा तो वे डर गईं। आरोप है कि इसके बाद बच्चों के हाथों पर गर्म तेल डालने का आदेश दे दिया गया।

गोगामेड़ी हत्याकांड में पहली गिरफ्तारी

KONDAGAON : राजस्थान पुलिस ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के सिलसिले में हरियाणा के एक युवक को गिरफ्तार किया है। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि गोगामेड़ी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं में शामिल आरोपी रामवीर जाट को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। यह हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के सुरेती पिलानियां गांव का रहने वाला है। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मंगलवार को शूटर नितिन फौजी एवं रोहित राठौड़ ने अंधाधुंध गोलीबारी कर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार नितिन फौजी के लिए जयपुर में पूरी व्यवस्था रामवीर ने की थी। उन्होंने बताया कि ये दोनों दोस्त हैं।

जमानत का ईडी ने किया विरोध, कोर्ट को दी अहम जानकारी

प्रेम प्रकाश ने जेल में रहकर ईडी के गवाह को दिलवाए थे 10 लाख रुपये

CRIME REPORTER RANCHI :
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट में प्रेम प्रकाश की जमानत याचिका का विरोध किया। याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने विरोध करते हुए कई अहम जानकारियां कोर्ट को दी हैं। कोर्ट को बताया कि प्रेम प्रकाश ने ईडी के गवाह को बयान से मुकरने के लिए सत्ता शीर्ष पर बैठे एक व्यक्ति के जरिये 10 लाख रुपये दिलवाये। इसके बाद ही ईडी का गवाह विजय हांसदा न सिर्फ रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के विशेष कोर्ट के समक्ष अपने बयान से मुकर गया, बल्कि ईडी के अफसरों पर भी झूठा केस किया। ईडी ने अपने हलफनामे में शीर्ष अदालत को यह भी बताया है कि वर्ष 2017 में एक विभागीय सचिव ने प्रेम प्रकाश को बॉडीगार्ड उपलब्ध कराने के लिए तत्कालीन डीजीपी को पत्र लिखा था। वहीं ईडी ने कोर्ट के समक्ष एक तस्वीर भी पेश की है, जिसमें स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है कि प्रेम प्रकाश को जेल के एक अलग वार्ड में रखा गया है। जहां उसकी खिदमत के लिए 3 अन्य बंदी लगाए गए हैं। पिछले दिनों ईडी ने जब जेल में छापेमारी की थी, तो उस दौरान प्रेम प्रकाश के वार्ड नंबर 11 का जो सीसीटीवी फुटेज मिला उसमें यह दिखाई दे रहा है कि प्रेम प्रकाश घंटों जेल के बाहर के लोगों से न सिर्फ मुलाकात करता है, बल्कि खुलेआम जेल में मोबाइल का भी इस्तेमाल करता है। होली से ठीक एक दिन पहले प्रेम प्रकाश से मिलने एक महिला जेल पहुंची थी। महिला ने काफी देर तक प्रेम प्रकाश से मुलाकात की। ईडी ने कोर्ट से कहा है कि प्रेम प्रकाश को मोबाइल और दूसरी सुविधाओं के साथ शराब भी पहुंचायी जाती थी। क्योंकि शराब जेल में प्रतिबंधित है, इसलिए टेट्रा पैक में प्रेम को शराब पहुंचायी जाती थी।

- पैसे लेने के बाद कोर्ट में अपने बयान से मुकर गया विजय हांसदा, एजेंसी पर भी किया झूठा केस
- प्रेम से मिलने पहुंची थी महिला, टेट्रा पैक में प्रेम के लिए आती थी शराब

गाजा के आईसीयू में चार नवजातों की मौत

TEL AVIV : गाजा के अल-नासेर अस्पताल में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर मौजूद 4 नवजातों की मौत हो गई। इनके शव अब बेड पर सड़ रहे हैं। गाजा के अल-नासेर अस्पताल में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखे करीब 4 नवजातों के सड़े हुए शव मिले हैं। अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के ग्राउंड ऑपरेशन के चलते डॉक्टरों को अस्पताल खाली कर जाना पड़ा था। बच्चों को आईसीयू की जरूरत होने की वजह से वो उन्हें साथ नहीं ले जा सके। जैसे ही अस्पताल में फ्यूल खत्म हुआ तो आईसीयू में मशीनों ने काम करना बंद कर दिया। इससे बच्चों की मौत हो गई और उनके शरीर सड़ गए। बच्चों के बेड पर अब भी दूध की बोतल और डायपर पड़े हुए हैं। यूएई के एक मीडिया हाउस अल माशद के पत्रकार मोहम्मद बालूशा ने ये वीडियो शेयर किया। इसमें करीब 4 नवजातों के सड़े हुए शव नजर आए। कुछ के शवों में अब भी अस्पताल की मशीनों के तार जुड़े हुए हैं। उनके शरीर पर मक्खियां और कीड़े रेंगते नजर आए। बता दें कि सीजफायर से पहले अल-नासेर अस्पताल के पास इजराइली सेना और हमास के बीच मुठभेड़ तेज हो गई थी।

पीएम ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से की चर्चा, कहा-

जिनको कोई नहीं पूछता, उनको मोदी पूजता है, गरीब-किसान मेरे लिए VIP

AGENCY NEW DELHI :
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बात की। इसमें पीएम अलग-अलग राज्यों के लाभार्थियों से वर्चुअली जुड़े। लाभार्थियों से चर्चा के बाद पीएम ने लोगों को संबोधित भी किया। मोदी ने कहा- मेरा मकसद है कि जहां, जिस गांव में ये यात्रा पहुंचे, हर व्यक्ति उस गाड़ी तक पहुंचे। तभी हम विकसित भारत के संकल्प तक पहुंच पाएंगे। मेरे लिए गरीब, वंचित, जिनको कोई नहीं पूछता, उनको ना केवल मोदी पूछता है, बल्कि पूजता है। मेरे लिए देश का हर गरीब, हर किसान वीआईपी है। पीएम ने बिहार की एक लाभार्थी से बात करते हुए कहा- कि खुशी है कि आपको योजनाओं का फायदा मिला।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मोदी की चर्चा की 6 बड़ी बातें

- विकसित भारत संकल्प यात्रा ऐसे लोगों तक पहुंचने का बहुत बड़ा माध्यम बनी है, जिन तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचता था।
- 40 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायत तक पहुंच चुकी है। इतने कम समय में सवा करोड़ लोग मोदी की गारंटी वाली गाड़ी तक पहुंच चुके हैं।
- हमारे परिवार, गांव, देश को आगे बढ़ाना है, इस भाव के साथ लोग मोदी की गारंटी वाली गाड़ी के साथ जुड़ गए।
- मोदी की गारंटी वाली गाड़ी के साथ लोग सेल्फी ले रहे हैं। जहां-जहां ये गाड़ी पहुंच रही है, लोगों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है।
- लक्षद्वीप, अंडमान, कारगिल में दूर-दूर स्थित गांवों में लोग गारंटी वाली गाड़ी के लिए कार्यक्रम कर रहे हैं और बड़ी संख्या में जुट रहे हैं।
- मेरा मकसद है कि जहां, जिस गांव में ये गाड़ी पहुंचे, हर व्यक्ति उस गाड़ी तक पहुंचे। तभी हम विकसित भारत के संकल्प तक पहुंच पाएंगे।

हेमंत ने देवघरवासियों को ₹255 करोड़ की दी सौगात, 2025 तक झारखंड को ताकतवर बनाने का किया वादा

60 लाख 30 हजार लोगों को दे रहे पेंशन : सीएम

PHOTON NEWS DEOGHAR :
झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने देवघर की गौरीपुर पंचायत के खिजुरिया मैदान में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में कहा कि विभिन्न माध्यमों से जन सेवा ही उनका लक्ष्य है। राज्य सरकार 60 लाख 30 हजार लोगों को पेंशन दे रही है। आपके सहयोग से युवा झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदलेंगे। राज्य में पांच हजार स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया गया है। प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति में भी तिगुना इजाफा किया गया है। झारखंड को वर्ष 2025 तक एक ताकतवर राज्य बनाएंगे। राज्य की जनता को आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से सशक्त बना रहे हैं। बुजुर्गों को सम्मान के साथ सामाजिक सुरक्षा दे रहे हैं। आने वाली पीढ़ी का भी भविष्य संवार रहे हैं। हर खेत तक पानी पहुंचाएंगे। आपकी सरकार मजदूरों के साथ खड़ी है। पंचायतों में लग रहे शिविरों के सकारात्मक और सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। विभिन्न माध्यमों से जन सेवा करना ही राज्य सरकार का लक्ष्य है। उनकी समस्याओं का समाधान करना है और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ इसका लाभ भी प्रदान करना है। सीएम ने 255 करोड़ 54 लाख 1 हजार रुपए की 64 योजनाओं की आधारशिला रखी। 5721 लाभुकों के बीच 7 करोड़ 97 लाख 66 हजार रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया।

255 करोड़ 54 लाख रुपये की 64 योजनाओं की रखी आधारशिला

07 करोड़ 97 लाख 66 हजार रुपये की परिसंपत्तियों का किया वितरण

नौकरी के खुल गए हैं कई रास्ते

मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों को रोजगार देने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। सरकारी विभागों में खाली पड़े हजारों पद भरे जा चुके हैं। कई पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। निजी क्षेत्र में भी अब तक 50 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मेला के माध्यम से ऑफर लेटर दिया जा चुका है।

पिछड़ेपन का टैग हटाएंगे : हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड को 2025 तक ताकतवर राज्य बनाएंगे। पिछले दो दशकों से झारखंड पर पिछड़ेपन का जो टैग लगा था, उसे खत्म करेंगे। हम इस राज्य के लोगों को आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से इतना सशक्त बनाएंगे कि वे अपने दम पर अपना रास्ता तय कर सकें। जब यहां के लोग मजबूत होंगे तो निश्चित तौर पर राज्य भी मजबूत बनेगा। इसी सोच के साथ हम अपनी नीतियों और योजनाओं को न सिर्फ बना रहे हैं, बल्कि उसे धरातल पर पूरी शक्ति के साथ उतार रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि झारखंड एक युवा राज्य है। ऐसे में आपके सहयोग से झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदल सकते हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पंचायतों में लग रहे शिविरों के सकारात्मक और सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। विभिन्न माध्यमों से जन सेवा करना ही राज्य सरकार का लक्ष्य है। उनकी समस्याओं का समाधान करना है और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ इसका लाभ भी प्रदान करना है।

नक्सलियों तक विस्फोटक पहुंचाने वाला हुआ अरेस्ट

भाकपा माओवादियों के लिए वसूलता था लेवी

CRIME REPORTER GUMLA :
नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुमला पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। गुमला थाना के टोटो गांव निवासी परवेज आलम को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। परवेज आलम नक्सली समर्थक है। सक्रिय रूप से भाकपा माओवादी के लिए काम करता था। नक्सलियों तक विस्फोटक व जरूरत की सामग्री पहुंचाने के अलावा लेवी वसूलने का भी काम करता था। लेवी का पैसा वसूलने के बाद परवेज उन पैसों को नक्सली कमांडरों तक पहुंचाता था। शनिवार को गुमला के एसपी हरविंदर सिंह ने अपने कार्यालय परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परवेज आलम लगातार नक्सलियों के संपर्क में था। इसके साथ ही कुरूमगढ़ इलाके में नक्सली संगठन को फिर से मजबूत करने के लिए प्रयास कर रहा था। नक्सलियों तक

पुलिस गतिविधियों की देता था सूचना

परवेज आलम लगातार नक्सलियों के संपर्क में था। इसके साथ ही कुरूमगढ़ इलाके में नक्सलियों को फिर से पनपाने के लिए प्रयास कर रहा था। गुमला के एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली समर्थक नक्सलियों को विस्फोटक पदार्थ पहुंचाने, लेवी वसूलने, राशन पहुंचाने के अलावा पुलिस गतिविधियों की सूचना देने का काम करता था। गिरफ्तार समर्थक के खिलाफ कुरूमगढ़, गुमला और घाघरा में एक-एक मामले दर्ज हैं।

रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग से कम नहीं सोलंग घाटी और चमकीले पहाड़

घुमक्कड़ की पाती पहाड़ों को प्रकृति ने क्या खूब खूबसूरती बक्शी है और बात अगर घाटियों की हो तो फिर क्या कहना। मनाली से चौदह किमी उत्तर पश्चिम में कुल्लू घाटी के शीर्ष पर ऐसा ही खूबसूरत टूरिस्ट साइट स्थित है जिसे लोग सोलंग घाटी के नाम से जानते हैं। सोलंग घाटी जितनी अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती है उतनी ही मौसम के लिहाज से अच्छी है। इस जगह पर पहली बार मैं सितम्बर 2013 में गया था और पाया कि ब्यास कुंड और सोलंग गांव के बीच स्थित यह घाटी हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है और मनाली से रोहतांग दर्रे के रास्ते से गुजरने वाले सैलानियों की नजर बरबस अपनी तरफ खींचती है। इस जगह पर कोई भी पर्यटक रुके बिना नहीं रह सकता है। आप इस समय अगर किसी पहाड़ी यात्रा के बारे में सोच रहे हैं। एक खूबसूरत जगह घूमने के साथ साथ साहसिक पर्यटन का भी मजा लेना चाहते हैं तो सोलंग घाटी आपके लिए सबसे सही विकल्प है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

इस जगह पर पैराग्लाइडिंग, पैराशूटिंग, घुड़सवारी से लेकर ओपन जीपों की सवारी का आनन्द लिया जा सकता है। सर्दियों के दौरान जब घाटी बर्फ से ढकी होती है तो सबसे ज्यादा क्रेज इस जगह पर स्कीइंग के प्रति देखने को मिलता है। इस जगह की प्राकृतिक बनावट और हरे भरे मनमोहक दृश्य पर्यटकों को काफी पसंद आते हैं।

हमें भी एक ऐसी ही जगह की तलाश थी इसलिए बैकपैक कंधे पर डाला और बस निकल पड़े। आपको बता दूं कि सोलंग वैली का नाम यहां स्थित सोलंग गांव के नाम पर रखा गया है। यह गांव भी बहुत खूबसूरत है, इस जगह पर आना और स्थानीय लोगों से बातें करना बहुत ही अच्छा लगता है। इस जगह पर आकर बातों-बातों में ही मुझे पता चला था कि इस जगह को लोग सोलंग घाटी के साथ-साथ सोलंग नाला के नाम से भी जानते हैं।

इस जगह पर आपको प्राचीन पहाड़ी संस्कृति और परंपरा देखने को मिलेगी। इस जगह पर हिंदी, हिमाचली और पहाड़ी भाषाएं बोली जाती हैं। इस जगह पर एक स्कीइंग ग्राउंड भी स्थित है जहां पर आप आकर प्रशिक्षण ले सकते हैं। आपको बता दूं कि सोलंग वैली में कमर्शियल स्कीइंग ग्राउंड की स्थापना सन- 2011 में हुई थी। तब से लेकर अब तक सैकड़ों लोगों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

इस जगह की ग्लेशियर और बर्फ से ढकी पहाड़ियां बहुत प्रसिद्ध हैं। सर्दियों में यहां का तापमान 5 से -15 डिग्री सेल्सियस और गर्मियों में 4 से 26 डिग्री सेल्सियस होता है। जिसकी वजह से इस जगह पर विविधतापूर्ण गतिविधियाँ संचालित होती रहती हैं और पर्यटक सर्दी के साथ-साथ गर्मी में भी इस जगह पर आकर अपनी छुट्टियां व्यतीत करते हैं। हां, अगर आप इस जगह पर आते हैं तो मौसम को ध्यान में रखकर ही अपना सामान पैक करें।

इस जगह पर आप घूमने के साथ साथ बहुत सारी साहसिक गतिविधियां कर सकते हैं। यह घाटी आपको एक तरफ जहां पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग और ट्रेकिंग का विकल्प देती है वहीं दूसरी तरफ अपने यहां आने वाले सैलानियों को हिडिम्बा देवी, व्यास नदी, रोहतांग दर्रा, अटल टनल, मनु मंदिर, वन विहार नेशनल पार्क, रघुनाथ मंदिर और वशिस्ट कुंड जैसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों को देखने, समझने, जानने का अवसर देती है।

इस जगह पर आने के लिए आपको पहले मनाली आना पड़ता है। मनाली आने के बाद सोलंग घाटी में पहुंचने के लिए तरह तरह के साधन मिल जाते हैं। मनाली प्रसिद्ध पर्यटन स्थल होने के नाते देश भरके सभी शहरों से जुड़ा हुआ है। ठहरने के लिए आप चाहें तो मनाली में रुक जाएं, नहीं तो सोलंग वैली में भी अच्छे होटल और रिसोर्ट की कमी नहीं है। इस जगह पर अच्छे से घूमने के लिए एक सप्ताह का समय निकालिए, बैकपैक उठाइए और सोलंग घाटी की यात्रा पर निकल जाइए।

सोलंग घाटी, हिमाचल प्रदेश, भारत का एक आकर्षण है जो न केवल अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है बल्कि अपने यहाँ होने वाली साहसिक गतिविधियों के लिए भी मशहूर है। सोलंग घाटी में आपको आदिवासी गाँवों, हिमाचली संस्कृति और प्रकृति के बहुत ही मनोरम रूप देखने को मिलते हैं।

इस जगह पर होने वाली साहसिक गतिविधायां आपके यात्रा को और भी ज्यादा रोमांचक बना देती हैं। इस जगह पर आकर आत्मा को बहुत ही ज्यादा सकून मिलता है। ऐसा लगता है कि हम किसी और ही दुनिया में आ गए हैं। इस जगह पर आकर आप बफीर्ले शिखरों पर स्की कर सकते हैं, जिसमें स्थानीय गाइड और प्रशिक्षक आपकी मदद करते हैं और यह बहुत ही ज्यादा सुरक्षित होता है।

इस जगह पर आप पैराग्लाइडिंग आदि का भी भरपूर मजा ले सकते हैं। यह सोलांग घाटी में होने वाली एक बहुत ही लोकप्रिय गतिविधि है, जो आपको पूरी घाटी को ऊँचाई से देखने का अवसर देती है। इस जगह पर आकर आप बाइकिंग और घुड़सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। सोलंग घाटी की साहसिक गतिविधियां हमें नए अनुभव प्रदान करने के साथ साथ सुंदर प्राकृतिक वातावरण और स्थानीय संस्कृति को जानने का भी मौका देती हैं। हमने भी पैराग्लाइडिंग का भरपूर मजा लिया।

इस जगह पर आप जाना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको हिमाचल प्रदेश पहुंचना होगा। निकटतम एयरपोर्ट भंगड़ा और रेलवे स्टेशन चंडीगढ़ और शिमला हैं। सोलंग घाटी का निकटतम शहर मानाली है। आपको मानाली पहुंचने के बाद, वहां से सोलंग घाटी की ओर बढ़ने के लिए आप टैक्सी, ऑटोरिक्शा, या पर्यटन बस का उपयोग कर सकते हैं। जब आप मानाली पहुंच जाते हैं, तो अपनी यात्रा की योजना बनाएं और टैक्सी लेकर जहाँ भी जाना हो जा सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर आप पर्यटन विभाग से सहायता ले सकते हैं। वे आपको स्थानीय दर्शनीय स्थलों, होटलों, और आकर्षणों के बारे में अच्छी जानकारी प्रदान करते हैं। सोलंग घाटी आपको बर्फबारी और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है, इसलिए आपको यहां की शांति और सुंदरता का आनंद लेने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कविता

राघवेश त्रिपाठी
महराजगंज

1

रिश्तों में लीपापोती
पसंद नहीं है मुझे
अंदर कुछ, और बाहर कुछ
पसंद नहीं है मुझे

दिल में शिकायतों का भंवर
पर चेहरे पे मीठी मुसकान
ऐसे रिश्तों की बाजीगरी
पसंद नहीं है मुझे

वस्तुजगत की चीजों की
कोई परवाह नहीं
पर भावजगत की नीलामी
मंजूर नहीं मुझे

'स्टेट फॉरवर्ड' जो बोलते हैं
अच्छे लगते हैं
पीठ पीछे बात करने वाले
पसंद नहीं मुझे

पैसों की चालाकी तो
एक हद तक ठीक है
पर मूल्यों की मक्कारी
पसंद नहीं मुझे

ऐसे दुश्मन,जो सिर काट लें
बहादुर लगते हैं
पर हर बात में बात काटने वाले दोस्त
पसंद नहीं मुझे

किसी के दर्द को महसूस कर के
तो रो लेते हैं मगर
किसी को रुलाकर,कविता लिखना
पसंद नहीं मुझे ।।

2

तमाम चेहरों में
नजर आए तुम
पर अपना चेहरा लिए
कभी न आए तुम

कभी चिट्ठी
कभी फूलों की महक में
पाबंद तुम
घर की देहरी के भीतर
सुगंध बन नहीं आए तुम

तेरा गुस्सा, तेरी उदासियां
और ये जिंदगी की घुटन
बन गई गजल
पर गीत का वो पुरसुकून
राग बन नहीं आए तुम

अब किससे बयां करूं
अपना दर्द-ए-दिल 'राघव'
जब मेरी ज़िंदगी की
पटकथा में
नहीं आए तुम

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

व्यंग्य ■ बर्बरीक

कुदरत का निजाम

दिलीप कुमार

पाकिस्तान की एक रिपोर्टर कुदरत बलोच ने वहां के निवर्तमान कप्तान बाबर आजम से पूछा -

'अब आप कप्तान नहीं रहे, ये कैसा कुदरत का निजाम है?'

बाबर- 'देखें जी कुदरत ये निजाम नहीं आजम है।आप बलोच लोग जानबूझकर आजम को निजाम कहती हैं। बलोच लोग इंडिया से मिले हुए हैं और इसीलिये हमारे नाम को बिगाड़ते रहते हैं। माना पाकिस्तान के पंजाबी पाकिस्तानियों को इंडिया में वर्ल्ड कप का वीजा नहीं मिला मगर बलूचिस्तान वाले लोग तो इंडिया में काफी ज्यादा हैं तो उन्होंने हमें सपोर्ट क्यों नहीं किया, पहले कुदरत आप हमें ये बताएं?'

कुदरत- 'सुना है शुरू में आपकी टीम को इंडिया में मनपसंद गोश्त खाने को नहीं मिला। पाकिस्तान में कुछ लोग तो कहते हैं कि इसीलिये आप इतने मैच हार गए।'

बाबर- 'देखें जी , मनपसंद गोश्त की क्या बात कर रही हैं आप? वहां तो कोई गोश्त की बात ही न कर रहा था , जब हम इंडिया में थे तब काफी टाइम तो नवरात्र चल रहा था। तब वहां पर तो लोग दूध-फल ही खा रहे थे बहुत सारी दूसरी टीमों के प्लेयर भी। और इंडिया के प्लेयर तो यही शाकाहारी खा कर जीत भी रहे थे तो हमने सोचा कि हार का सिलसिला तो बदल नहीं पा रहे हैं तो अपने खाने का मेन्यू ही बदलकर देखते हैं। शायद इसी वजह से जीत नसीब हो जाये।'

कुदरत- ओह लोगों को कहते सुना है कि आपकी टीम को होटल का खाना पसंद नहीं आया इसलिये आप लोगों ने कोलकाता में बाहर से बिरयानी मंगवा कर खाई।'

बाबर- 'देखें जी, दुनिया-जहान के लोग पाकिस्तानी टीम के इंडिया में सिर्फ खाने की ही बातें कर रहे हैं। मानों हम जन्म के भुक्खड़ हों वहां सिर्फ खाना खाने ही गए हों। ऐसी बात नहीं है बस लोगों की आदत है कि पाकिस्तानियों के खाने को इश्यू बना देते हैं। जब भी कोई टीम मैच हारती हैं तो लोग सोशल मीडिया पर उस टीम को 'गुडलक नेक्स्ट टाइम' बोलते हैं पर हमारी टीम जब हारती है तो सोशल मीडिया पर लोग मीम शेयर करके हमको कहते हैं कि खूब खाई मुफ्त की बिरयानी। अब आगे न मिलेगी कभी। कहो पाकियों कितना आटा भेजूं? लाहोल विला। अब कोलकाता में बिरयानी की जो बात आपने पूछी? मुझे तो ये इंडिया के रा की गहरी साजिश लग रही है।'

कुदरत- 'आपके बिरयानी खाने में इंडिया की साजिश कैसे हो गई क्या उन्होंने बिरयानी में कोई ऐसी दवा मिला दी थी जिसे खाकर पाकिस्तानी टीम की परफॉर्मेंस कमजोर हो गई और वो अपने मैच हार गई।'

बाबर कुछ सोचते हुए बोला -

'देखें जी, दवा का तो पता नहीं मगर इंडिया की रा ने अगर बिरयानी पर कोई दुआ की होती, तो हमारे पास टीम में मौलवी मोहम्मद रिजवान हैं जो फूंक मारकर दुआ नजर उतार देते हैं। ये और बात है कि विकेटकीपिंग में उनकी दुआ और फूंक काम न करती और बल्लेबाज आउट न होते।

कुदरत'- 'आप पाकिस्तान की अजीम हस्तियों में से एक हैं। थोड़ा संजीदा गुफ्तगू कीजिये। आप अपने मुल्क के लोगों को कैसे समझाएंगे कि बिरयानी में इंडिया की रा ने साजिश कर दी और कर दी है तो उसके बारे में डिटेल से बताएं?'

बाबर- 'जी हमें इंडिया की रा की साजिश का शक था । उन्होंने इंडिया के प्लेयर्स को हल्की गेंदे और स्प्रिंग लगे बल्ले दिए, ये बात पाकिस्तान में अब बहुत से लोग कह ही रहे हैं। पर अब लगता है कि खाने में इंडिया में कोई साजिश नहीं हुई। इंडिया के लोग कहते थे खा लो दबा के क्या पता कल टीम में हो न हों। तो हम खा ही रहे थे दबा के। हुआ यूं कि बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों बहुत बुरी तरह अपने मैच हार रहे थे। दोनों की बहुत बेइज्जती हो रही थी। बेइज्जती जब साझी हो जाती तो दुख दर्द कम हो जाता। तो जब कोलकाता गए तो वहां बांग्लादेश के कैप्टन ने हमको 'माछेर झोल' खिलाने का दावत दिया और पूरी पाकिस्तानी टीम के लिये 'माछेर झोल' का ऑर्डर किया। जिस रेस्टोरेंट से शाकिब ने खाना मंगवाया था उसको जब पता लगा कि ये सारे खाने का आर्डर पाकिस्तानी टीम के लिये है तो उसने समझा कि शाकिब ने गलती से ऑर्डर कर दिया है माछेर झोल का। सभी की तरह उसने भी समझा होगा पाकिस्तानी टीम है तो बिरयानी ही खाएगी। उसने साजिशन बिरयानी भेज दी होगी। हमने हमेशा की तरह बिरयानी खा ली और हमेशा की तरह मैच भी हार गए तो ये हुई इंडिया में हमारे साथ साजिश।'

कुदरत- 'लेकिन उसने अगर बंगाली डिश की जगह बिरयानी भेज दी थी तो आपने क्यों खा ली। खाने से पहले देखते नहीं क्या आप लोग?'

बाबर ने कुदरत को आग्नेय नेत्रों से घूरते हुए तल्खी से कहा -

'देखें जी, बलूचिस्तान अभी पाकिस्तान से अलग नहीं हुआ है जो आप ऐसी गैर जिम्मेदाराना बातें कर रही हैं। पाकिस्तान टीम एक बहादुर कौम है हम खाने से पहले थाली में ये नहीं देखते कि उसमें क्या है। बस टूट पड़ते हैं उसी तरह हम शाट मारने से न तो सामने ये देखते हैं कि सामने कौन सा गेंदबाज है, बस टूट पड़ते हैं भले ही आउट हो जाएं। सो हमने बिरयानी खा ली और हम हार गए क्योंकि जब -जब हम बिरयानी खाते हैं, हम हारते ही रहे हैं'।

कुदरत ने मुस्कराते हुए पूछा -

'अच्छा ये बताएं कि आप लोग एक मैच में बार बार हमें क्यों याद कर रहे थे। जबकि आप लोग तो बलोचों से कोई वास्ता नहीं रखना चाहते थे। फिर हमें मदद को क्यों पुकारा?'

बाबर थोड़ा अकड़ते हुए'

'देखें कुदरत, हम पाकिस्तानी बलोचों की मदद न करते हैं और न ही उनसे मदद लेते हैं। फिर आपसे मदद का सवाल ही पैदा नहीं होता। आपका नाम कुदरत है लेकिन हम आपको नहीं बल्कि कुदरत यानी अल्लाह को याद कर रहे थे कि कुदरत के निजाम से कोई करिश्मा हो जाये और इंडिया में बारिश हो जाये ताकि हमें मैच में पॉइंट न गंवाना पड़े और दो पॉइंट तो हर्गिज भी गंवाने न पड़े। और मैच कैंसिल हो जाये तो कम से कम एक पॉइंट तो मिल जाये मगर इंडिया के रा ने यहां भी साजिश कर दी और पानी नहीं बरसने दिया जबकि आसमान में बादल थे। इटने ट्वीट और दुआ के बाद भी कुदरत का निजाम हमारे हक में नहीं रहा इसीलिए तब पूरा पाकिस्तान कुदरत के निजाम की बात कर रहा था।'

कुदरत ये बात सुनकर मंद-मंद मुस्कराई और उसने पूछा-

'एक बात बताइये कि वीरेंद्र सहवाग ने आपके आखिरी मैच खत्म होने से पहले ही 'बाय -बाय पाकिस्तान, पाकिस्तान से जिंदा भाग' क्यों कहा आप लोगों को? टूनार्मेंट और आपके कोटे के मैच होने के पहले ही आपको भगाने की बात करके ये तो बड़ी बेइज्जती कर दी सहवाग ने आपकी टीम की। और ये भी बताएं ये जिंदा भाग का क्या मतलब था कहीं आप लोगों को मारने वारने का प्लान तो नहीं था कोई ये कहकर कुदरत खिलखिला कर हंस पड़ी।

बाबर ने ठंडी सांस लेते हुए कहा -

'देखें जी , सहवाग तो है ही बहुत मारने वाला आदमी।पहले भी उसने मार -मार के पाकिस्तान के बालरों का भुर्ता बना दिया था। पहले खेलता था तो मैदान में मारता था। अब रिटायर हो गया तो ट्वीट और टीवी पर कमेंट कर के मारे डाल रहा है। जबसे सहवाग कमला पसन्द खाकर ट्वीट करने लगा है तब से तो हमारी और भी बहुत ज्यादा किरकिरी करने लगा है। ये भी इंडिया की साजिश है कि सहवाग रहता है तो इंडिया में है लेकिन उसे कहते हैं 'मुल्तान का सुल्तान।' हमें तो डर है कि ये कमला पसंद वाले मुल्तान में सहवाग के नाम पर अपनी एक फैक्ट्री न लगा दें। खैर जैसा कुदरत का निजाम, क्या कर सकते हैं । सहवाग, हरभजन, गौतम गंभीर सब तो हमारे जले पर अभी तक नमक छिड़क रहे हैं।'

कुदरत- 'आपको तो लोग किंग बुलाते थे फिर अचानक आपकी कप्तानी कैसे चली गई।'

बाबर- 'देखें जी, पहली बात तो जब पाक टीम जीत रही थी लोग मुझे किंग बुलाते थे अब वही लोग मुझे घण्टे का किंग बुलाने लगे हैं। रहा आपका दूसरा सवाल कप्तानी का? ये तो पाकिस्तान के क्रिकेट की रवायत रही कि हम हर वर्ल्ड कप के बाद अपना कप्तान बदल देते हैं। 1992 से यही रवायत है हमारे यहां। और ये कुदरत का नहीं बल्कि पीसीबी का निजाम है।'

कुदरत- 'जी वो अफगानिस्तान की पाकिस्तान की जीत पर राशिद खान के साथ इरफान पठान का डांस..'

बाबर ने रिपोर्टर की बात को बीच में काटते हुए कहा- 'कुदरत भाग, कुदरत भाग, अगर जान की सलामती चाहती है तो जिंदा भाग, बलोच लड़की, रा की एजेंट, कुदरत जिंदा भाग।'

बाबर की चीख पुकार सुनकर कुदरत बलोच लाहौर से बलूचिस्तान की तरफ बेहिसी से भागी ताकि जिंदा बच सके। वो जानती थी कि कल को किसी बलोच को कोई पाकिस्तानी पंजाबी कत्ल भी कर दे तो पाकिस्तान के लोग उसे कत्ल नहीं बल्कि कुदरत का निजाम कहेंगे।

BRIEF NEWS

ट्रैफिक के कारण किशोरगंज में मुख्यमंत्री के काफिले पर लगा ब्रेक

RANCHI : शहर के अति व्यस्ततम सड़क और संवेदनशील किशोरगंज चौक से ठीक पहले मुख्यमंत्री के काफिले को ब्रेक लगाना पड़ा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार शाम को देवघर से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लैंड करने के बाद मुख्यमंत्री आवास के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही उनका काफिला हरमू मुक्तिधाम से आगे बढ़ा सड़क जाम थी। ट्रैफिक बाधित रहने के कारण मुख्यमंत्री के काफिले को ब्रेक लगानी पड़ी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात अधिकारी दौड़ पड़े, जिसके बाद किशोरगंज ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात ट्रैफिक के जवान भी हरकत में आए और जाम हटवाया। इसके बाद काफिले को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

मुख्यमंत्री ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की दी बधाई

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को एक्स पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को जन्मदिवस की अनेक-अनेक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि परमात्मा आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं।

योजना आपके द्वार कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री 13 को जायेंगे जामताड़ा

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 13 दिसंबर को जामताड़ा जिले के नाला जायेंगे। मुख्यमंत्री नाला प्रखंड में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसकी तैयारी को लेकर डीसी शशि भूषण मेहरा ने कहा कि 13 दिसंबर को नाला प्रखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संभावित आगमन एवं आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में योजनाओं के उद्घाटन, शिलान्यास, परिसंपत्ति वितरण किया जाना है। इसके लिए सभी पदाधिकारी उद्घाटन, शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण से संबंधित सूची तैयार कर जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

11 वर्षीय नाबालिग से छेड़खानी मामले में तीन युवकों पर प्राथमिकी

RANCHI : जिले के रातू थाना क्षेत्र में 11वर्षीय नाबालिग से छेड़खानी के मामले तीन युवकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में लड़की के पिता के द्वारा रातू थाना में संतोष भुइयां, बिट्टू कुमार और डब्लू कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। दर्ज कराए गए मामले में कहा गया है कि मेरी बेटी घर के बगल में सामान लेने दुकान गई थी। सामान लेकर वापस आ रही थी, उसी दौरान बगल के तीनों लड़के ने मेरे बेटी से छेड़खानी की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पांचवे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल, कहा-

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार न्याय के सिद्धांत पर उतरें खरा

PHOTON NEWS RANCHI : दीक्षांत समारोह का जीवन में गहरा महत्व है। आज केवल डिग्री लेने का दिन नहीं, बल्कि एक नये अध्याय की शुरूआत का दिन है। हमारे खूबसूरत राज्य झारखंड के केंद्र में एनयूएसआरएल है, जो आशा की किरण है। यहां के छात्रों को देखकर बहुत खुशी हो रही है। यहां के छात्रों ने न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि राज्य का भी मान बढ़ाया है। इस आशय का उद्गार शनिवार को झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ के 5वें दीक्षांत समारोह में व्यक्त किया।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित राज्यपाल व अन्य। ● फोटोन न्यूज

धुर्वा स्थित ज्यूडिशियल एकेडमी में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में इस विश्वविद्यालय के छात्र महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने नेल्सन मंडेला का उदाहरण देते हुआ कहा कि शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है। आपकी शिक्षा बहुत आगे तक फैली हुई है। आपको न केवल अदालत कक्ष के लिए तैयार किया गया है, बल्कि जीवन के हर पहलू के लिए जहां न्याय के सिद्धांत हैं, वहां आप खरा उतरेंगे। एक उद्देश्य की भावना के साथ कानून का अभ्यास करें। समारोह में इंटीग्रेटीव एलएलएम के सत्र 2018-23 का 116 डिग्रियां, एलएलएम सत्र 2022-23 के लिए 38 डिग्रियां और पीएचडी के 157 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ के कुलपति प्रो। अशोक आर पाटील ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट पढ़ते हुए कहा कि नए केंद्रों की स्थापना की जाएगी। साथ ही इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, शैक्षणिक गतिविधि और अन्य गतिविधियों के बारे में बताया।

आगामी पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। अपनी रिपोर्ट में छात्र और संकाय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।

दीक्षांत समारोह में शामिल झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संजय मिश्रा ने गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों, अभिभावकों और का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्नातक छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व व्यक्त करते हुए उन्होंने माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की उन्नति के आनुपातिक होती है जनता के बीच शिक्षा और बुद्धि का प्रसार। उन्होंने कानून का शासन स्थापित करने में कानूनी शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। सामाजिक-आर्थिक न्याय को बढ़ावा देना और एक न्यायसंगत और प्रगतिशील समाज में योगदान देना है।

विकसित भारत के लिए मोदी की गारंटी की यात्रा : बाबूलाल

ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा में देशभर के लाभार्थियों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन संवाद किया। लाभार्थियों से बात कर उन्हें योजनाओं से मिले लाभ की जानकारी प्राप्त की। देश के सभी राज्यों के विभिन्न स्थानों से हजारों लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसमें महिला लाभार्थियों की संख्या ज्यादा थी।

प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा विकसित भारत के लिए मोदी की गारंटी की यात्रा है। यह गांव गरीब, किसान मजदूर महिला, युवा सभी के साथ भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री है, जिन्होंने एक एक योजनाओं के लिए जनता से सीधा संवाद स्थापित किया है।

उन्होंन कहा कि मोदी सरकार जो कहती है वह प्रमाणिकता के साथ करती है। मोदी की गारंटी की गाड़ी विकास की गारंटी लेकर आ रही। उन्होंने कहा कि झारखंड के भी गांव गांव,पंचायतों तक यात्रा जायेगी, जो अभी तक योजनाओं से वंचित है उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ेगी। चाहे शौचालय निर्माण हो, प्रधानमंत्री आवास हो, आयुष्मान कार्ड योजना हो, उज्जवला गैस योजना हो, जनधन खाता हो, किसान सम्मान निधि हो, सारी योजनाओं से जो वंचित हैं वे जुड़ेंगे।

राज्य में रेलवे कर्मियों के मतदाता पंजीकरण के लिए लगाए गए शिविर

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में मतदाता पुनरीक्षण को लेकर लगातार अभियान चलाये जा रहे हैं। शनिवार को झारखंड की सीमा के अंदर अवस्थित विभिन्न रेलवे स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों तथा रेलवे क्वार्टर्स में मतदाता पंजीकरण को लेकर विशेष शिविर लगाये गये। रेलवे के वैसे कर्मियों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने या अद्यतन करने के लिए संबंधित प्रपत्र मौके पर भरवाये गये जिनका नाम अब तक यहां की मतदाता सूची में दर्ज नहीं था।

शिविर में कर्मियों को जानकारी देते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि राज्य में लगभग एक लाख की संख्या में रेलवे कर्मचारी व उनके परिजन हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों के नाम झारखंड की मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं। इसलिए शनिवार और रविवार दोनों दिन विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के पहले दिन यानी शनिवार को लगभग हर शिविर में अच्छे खासे आवेदन प्रपत्र प्राप्त हुए। रविवार को और भी फॉर्म आने की उम्मीद है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पश्चिमी सिंहभुम के नोआमुंडी इलाके का औचक निरीक्षण कर वहां चल रही मतदाता पंजीकरण गतिविधियों की समीक्षा की तथा अधीनस्थों को जरूर निर्देश दिये। वहीं, राज्य भर में कई शैक्षणिक संस्थानों में भी रंगोली आदि जैसे कई जागरुकता परक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सुप्रियो ने धीरज साहू प्रकरण पर भाजपा पर जमकर किया पलटवार, बोले-

भाजपा के दफ्तर में लिखी जाती है स्क्रिप्ट बाद में केंद्रीय एजेंसियां करती हैं कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि आईटी विभाग का यह रुटीन वर्क है। इससे पहले किसी उद्योगपति के यहां छापेमारी नहीं हुई है क्या? पैसा कहां से आया? किसका पैसा है? आईटी द्वारा यह सब पता लगा लिया जाएगा। भाजपा वालों के पेट में क्यों दर्द हो रहा है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने सांसद धीरज साहू प्रकरण पर अपनी बातों का रखा और भाजपा पर जमकर पलटवार किया। सुप्रियो भट्टाचार्य ने इससे आगे कहा कि भाजपा के दफ्तर पूरी स्क्रिप्ट लिखी जाती है, फिर कार्रवाई केंद्रीय एजेंसियों से कराई जाती है।

मीडिया को जानकारी देते सुप्रियो भट्टाचार्य। ● फोटोन न्यूज

बाबूलाल सब जानते हैं : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा, आईटी रेड को लेकर कई प्रकार की बातें हो रही हैं। इस मामले में जब तक आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आ जाती, तबतक कुछ भी कहना जल्दबाजी है। मगर भाजपा वाले लगातार अनाप-सनाप बोल रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए सुप्रियो ने कहा कि किसका-किसका पैसा है, यह बाबूलाल मरांडी को पता है, ऐसा लगता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संवैधानिक दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। संसद सत्र चल रहा है। लेकिर वो अखबारों में प्रकाशित खबर को पोस्ट करते और भाजपा के सारे नेता डमरू लेकर शुरू हो जाते हैं। राजनीति रंग देने के लिए प्रकरण पर जबरदस्ती बयानबाजी की जा रही है, यह गलत है। आईटी जांच चल रही है, रिपोर्ट के बाद सब कुछ सामने आ जाएगा।

सुप्रियो ने कहा कि बाबूलाल जी कहते हैं कि हेमंत सोरेन को इस्तीफा दे देना चाहिए। ऐसे में तो प्रधानमंत्री को भी इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उनके साथ प्रफुल्ल पटेल है। क्या बेतुका बात है। तब तो प्रधानमंत्री को भी इस्तीफा दे देना चाहिए। क्योंकि, उनके साथ प्रफुल्ल पटेल हैं।

मुस्लिम लॉ में 13 दिसंबर को उत्तराधिकारी एवं परिवारिक विवाह पर सेमिनार का आयोजन

झारखंड के सभी जिलों के अधिवक्ता एवं बुद्धिजीवी शामिल होंगे

PHOTON NEWS RANCHI : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वाधान में दिनांक 13 दिसंबर 2023 को 5:30 बजे शाम से गोस्सनर कॉलेज थियोलॉजिकल हाल में एक सेमिनार का आयोजन किया गया है। जिसका विषय है 'मुस्लिम लॉ में उत्तराधिकारी एवं परिवारिक विवाह'। इस सेमिनार के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉक्टर एसएन पाठक होंगे। जिसकी अध्यक्षता ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी करेंगे। एवं विशिष्ट अतिथि एक्स आई एस एस के निदेशक मरियानुस कुजूर होंगे।

मीडिया को जानकारी देते अधिवक्ता मुमताज खान। ● फोटोन न्यूज

उक्त जानकारी आज अंजुमन मीडिया हॉल में प्रोग्राम के कनवीनर अधिवक्ता ए अल्लाम, को कनवीनर मुमताज खान ने दी। वह शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि इस कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉक्टर मजीद आलम, एवं कन्वीनर अधिवक्ता ए आलम होंगे। इस सेमिनार में मुस्लिम लॉ में विरासत कानून पर विचार विमर्श और व्याख्यान होगा। जिसमें झारखंड के वरीय अधिवक्ता, न्यायाधीशगण, न्यायविद एवं काजी साहब भाग लेंगे। और लोगों को जानकारी देंगे। साथ ही यह बताया जाएगा कि लोगों में मोहम्मडन लॉ के बारे में जो फैली भ्रांति है उसे दूर किया जाएगा।

आज के प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय के ए अललाम,को कनवीनर मुमताज अहमद खान, एके रसीदी, रियाज शरीफ सचिव, के अलावा अधिवक्ता अजहर खान, अधिवक्ता हाफीजुद्दीन अंसारी, अधिवक्ता मजहरूल हक, अधिवक्ता अब्दुल रऊफ अंसारी, अधिवक्ता गुफरान खान, अधिवक्ता हिमायू रशीद, अधिवक्ता सलीम इब्राहिम खान, अधिवक्ता नसर इमाम, अधिवक्ता सुल्तान खान, अधिवक्ता शीश आलम, अधिवक्ता अजहर खान, अधिवक्ता हैदर अली, अधिवक्ता विजल रहमान, अधिवक्ता मोहम्मद तबरेज, अधिवक्ता महफूज आलम, समेत कई लोग थे।

बरियातु के अतुल प्रभात को झांसे में लेकर तीस लाख उड़ाने वाला निकला नटवरलाल

कई लोगों को लगा चुका है चूना, करोड़ों की कर चुका है ठगी

PHOTON NEWS RANCHI : बरियातू थाना क्षेत्र में रहने वाले अतुल प्रभात को झांसा में लेकर तीस लाख रुपये उड़ाने वाला ठग मोहन कुमार नटवरलाल निकला। आरोपी मोहन कुमार झारखंड के अलग अलग जिला में रहने वाले लोगों को निशान बना चुका है। पुलिस की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि मोहन कुमार ने हजारीबाग और गोला में रहने वाले बेरोजगार युवकों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर चुका है। पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी मोहन करोड़ों रुपये उड़ा चुका है। हजारीबाग और गोली में रहने वाले कई लोगों ने पुलिस से संपर्क किया है और बताया है कि मोहन कुमार ने कैसे उन्हें झांसा में लेकर उनका पैसा लेकर फरार हो चुका है। इस मामले में रांची पुलिस जल्द ही हजारीबाग और गोला जाएगी। आरोपी हजारीबाग का रहने वाला है। पुलिस आरोपी के घर गई थी लेकिन वह फरार है। आरोपी का मोबाइल भी बंद है इस वजह से पुलिस को उसका लोकेशन नहीं मिल पा रहा है। रांची पुलिस ने आरोपी का डिटेल दूसरे जिला की पुलिस को भेजा है ताकि आरोपी की गिरफ्तारी हो सके।

टेंडर दिलाने के नाम पर ठगे थे तीस लाख रुपये

पुलिस का कहना है कि आरोपी मोहन कुमार ने बरियातू में रहने वाले अतुल को झांसा में लेकर उससे तीस लाख रुपये लेने के बाद फरार हो गया है। आरोपी ने खुद को भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा, कचहरी ब्रांच का कर्मचारी बताया था। लेकिन पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी बैंक का कर्मचारी नहीं था। मोहन ने अतुल को बताया था कि वह भारतीय स्टेट बैंक में टेंडर दिलवाने का भी काम करता है। भारतीय स्टेट बैंक के शाखाओं में कैंटीन खोलने के लिए टेंडर निकलने वाला है वह टेंडर दिला सकता है। कैन्टीन के लिए निकलने वाले टेंडर के बारे में उससे होने वाले फायदा के बारे में बताते हुए बताया कि प्रति शाखा के कैन्टीन में 5 लाख रुपए लगेगा। इसके बात अतुल ने पैसा दे दिया था।

नये-नये तरीकों से लोगों के साथ कर रहे ठगी

शहर में साइबर अपराधी भी सक्रिय हैं। लोगों को अलग अलग तरीकों से ठग रहे हैं। पिछले कुछ माह में कई आइपीएस अधिकारियों का फर्जी फेसबुक एकाउंट बनाकर लोगों को झांसा में लेने का प्रयास कर रहे हैं। ठग फर्जी प्रोफाइल बनाकर अपने दोस्त का फर्निचर लेने का झांसा दे रहे हैं। सभी ठग एक जैस ही एसएमएस करते हैं। इसके अलावा साइबर अपराधी आनलाइन सामान को रिर्टन कराने के नाम पर,बच्चों को पढाने के नाम पर लोगों को झांसा में ले रहे हैं और उनके खाते से पैसा निकाल ले रहे हैं।

उपायुक्त राहुल कुमार ने जिले में बन रहे सड़क, फ्लाईओवर एवं अन्य परियोजनाओं का किया निरीक्षण

संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को नगड़ी स्थित नयासराय रेलवे क्रासिंग (जगरनाथपुर) में बन रहे एप्रोच सड़क, रांची रेलवे स्टेशन दूसरा पहुंच पथ परियोजना और सिरमटोली चौक से राजेंद्र चौक मेकॉन गोल चक्कर फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान चल रही परियोजनाओं के काम में तेजी लाते हुए ससमय कार्य पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजना ससमय पूरा हो यह हमारी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वह लगातार निरीक्षण करते रहेंगे, जब तक सारी परियोजना पूरी नहीं हो जाती है।

परियोजनाओं का निरीक्षण करते उपायुक्त व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

डीसी ने नगड़ी स्थित नया सराय रेलवे क्रॉसिंग जगरनाथपुर रांची में बन रहे एप्रोच सड़क का निरीक्षण करने के दौरान कार्यपालक अभियंता को कहा कि यह सड़क अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। साथ ही यह रेलवे क्रॉसिंग मुख्य लाइन में आता है, यहां से प्रमुख ट्रेनें गुजरती है, जिस कारण यहां एप्रोच सड़क का निर्माण कार्य जल्दी पूरा कराना जरूरी है। यह सड़क महत्वपूर्ण इमारत जैसे-उच्च न्यायालय, विधानसभा, प्रोजेक्ट बिल्डिंग आदि को जोड़ती है। इसलिए इसे मार्च 2024 के अंत तक पूरा कर लें।

डीसी ने रांची रेलवे स्टेशन दूसरा एप्रोच रोड जो नेपाल हाउस के पास शहीद गोरखा चौक से शुरू होकर रांची रेलवे स्टेशन के पीछे तक प्लेटफॉर्म नंबर-5 तक हो रहे सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण कर कार्य जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण क्रम में डीसी ने राजेंद्र चौक से महात्मा गांधी रोड से पंचवटी चौक पुल निर्माण और सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारी को ससमय इसे पूरा करने का निर्देश दिया।

डीसी ने सिरमटोली फ्लाईओवर का निरीक्षण करते हुए यहां की कार्य प्रगति के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि फ्लाईओवर के निर्माण से शहर में जाम की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। इस दौरान कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग ने डीसी से तीनों परियोजना में संरचना हटाने के लिए दंडाधिकारी नियुक्त करने का निवेदन किया, ताकि निर्माण कार्य में और तेजी लायी जा सके।

लोक अदालत में 95 हजार से अधिक वादों का निपटारा, 444 करोड़ से अधिक की हुई वसूली

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस एस. चंद्रशेखर के निर्देश पर शनिवार को रांची सिविल कोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजक किया गया। इसका उद्घाटन प्रधान न्यायायुक्त अरुण कुमार राय समेत अन्य न्यायाधीशों ने बार के पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया।

लोक अदालत में मामलों के निबटारा के लिए जुटे लोग। ● फोटोन न्यूज

राष्ट्रीय लोक अदालत में 95 हजार से अधिक वादों का निष्पादन किया गया। साथ ही 444 करोड़ से अधिक रुपये की समझौता राशि की वसूली हुई, जिसमें प्रीलिटिगेशन एवं लिटिगेशन के वादों का निष्पादन सम्मिलित है। लोक अदालत के आयोजन के पूर्व झालसा के निर्देश पर रांची के सभी प्रखंड के लिगल-एड-क्लिनिक में मेगा इंपावरमेंट कैंप का आयोजन भी किया गया था। मेगा इंपावरमेंट कैंप के दौरान जिला प्रशासन, रांची के सहयोग से 7,97,325.00 लाभुकों के बीच 150,69,94,095 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया।

मझगांव में 16 को होगा योजना आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन, सीएम होंगे शामिल

योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना हेमंत सरकार का मुख्य उद्देश्य

PHOTON NEWS CHAIBASA : मझगांव विधानसभा क्षेत्र के मंझारी हाई स्कूल मैदान में आगामी 16 दिसंबर को जिला स्तरीय आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिरकत करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को कुमारदूंगी प्रखंड के कुमारदूंगी डाक बंगला परिसर में झामुमो नेता व कार्यकर्ताओं की बैठक हुई।

बैठक में मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष सह चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव, सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा, मझगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक निरल पूर्ति समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक में अपने विचार रखते विधायक दीपक बिरुवा व उपस्थित अन्य कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

बैठक में सभी वक्ताओं ने आगामी 16 दिसंबर को मंझारी हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर अपना विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने पर बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ ऑन द स्पॉट ग्रामीणों तक पहुंचाना ही हेमंत सोरेन सरकार का मुख्य उद्देश्य है। यही कारण कि हेमंत सोरेन की सरकार पंचायत स्तर पर गांव में ही सरकारी अधिकारी पहुंच कर आपकी समस्या सुन रहे हैं और ऑन स्पॉट आपकी समस्याओं का निराकरण करने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मिले, जिससे उसका और क्षेत्र का समग्र विकास हो सके।

वक्ताओं ने हेमंत सोरेन सरकार के उद्देश्य को पूरा करने के पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं को संवेदनशील होकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी को निर्देश देते हुए कहा गया कि इसकी प्रचार प्रसार को तेज करते हुए कार्यक्रम अपने भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि अधिक से अधिक योग्य लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। चूंकि हेमंत सोरेन की सरकार अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, सावित्री बाई फुले बालिका समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, मनरेगा, ई श्रम विभाग समेत कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता क्षेत्र के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाएं। ताकि अधिक से अधिक लोग यहां आकर इसका लाभ उठाएं।

इस मौके पर भुवनेश्वर महतो, सोनाराम देवगम, सोमबारी बांदा, सुनील सिरका, सनातन पिंगुआ, इकबाल अहमद, प्रेम गुप्ता, इजहार राही, राहुल आदित्य, प्रदीप महतो, दीपक प्रधान, अर्जुन बानरा, दिनेश प्रधान, प्रियंका हेंब्रम, सरस्वती चातार, चांदमानी हेंब्रम, दिलवर हुसैन, विभूति भूषण गोप, दिनेश महतो, सिकंदर गोप समेत अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 8030 मामलों का किया गया निष्पादन

1.83 करोड़ की राशि का हुआ समायोजन

लोक अदालत में मामलों का निबटारा करते लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में स्थानीय सिविल कोर्ट परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विश्वनाथ शुक्ला की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इस दौरान गठित 9 बैंचों में मामलों की सुनवाई करते हुए कुल 8030 वादों का सफल निष्पादन किया गया तथा 1,83,17,297.00 (एक करोड़ तिरासी लाख सत्रह हजार दो सौ संतानबे रुपए) की राशि का समायोजन किया गया। प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि लोक अदालत विभिन्न प्रकार के वादों को सुलझाने का एक सक्षम और सुलभ मध्यम है जिसमें लोग अपने सुलहनीय मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए अपील कर सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इस लोक अदालत में न्यायिक पदाधिकारियों योगेश्वर मणि, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, ओम प्रकाश जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, सूर्य भूषण ओझा ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय, विनोद कुमार अपर मुख्य नायक दंडाधिकारी, राजश्री अपर्णा कुजुर न्यायिक दंडाधिकारी सीनियर डिवीजन, राजीव कुमार सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, अमिकर परवार रेलवे दंडाधिकारी, ऋषि कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी और राजीव कुमार जिला उपभोक्ता आयोग के द्वारा मामलों का निष्पादन किया गया।

BRIEF NEWS

नुओ-ओ के तहत होगी खेल प्रतियोगिता

ROURKELA : राज्य सरकार की 'नुआ-ओ' पहल के हिस्से के रूप में, राउरकेला नगर निगम नगरपालिका स्तर पर एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। मैचों के लिए लॉटरी निकालने की प्रक्रिया आज हुई, जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कबड्डी और खो-खो के लिए प्रतिभागियों का निर्धारण किया गया। इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग में कुल 42 टीमों ने नामांकन कराया है। हॉकी में 11, कबड्डी में 34, खो-खो में 22, और वॉलीबॉल और क्रिकेट में क्रमशः 16 और 33 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।

कांग्रेस संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

SUNDARGARH : ओडिशा युवा कांग्रेस के सहप्रभारी अभिनव सिद्धार्थ भगत को सुंदरगढ़ कांग्रेस भवन में गर्मजोशी से स्वागत और शिष्टाचार मुलाकात की गई। राउरकेला के पूर्व जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेंद्र दास, जिला कांग्रेस कमेटी निर्वाचन क्षेत्र के अध्यक्ष विश्वजीत पटनायक, सुंदरगढ़ युवा कांग्रेस के महासचिव निरोज दास और विकास राव प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस मुलाकात के दौरान आगामी चुनाव को लेकर संगठन पर चर्चा किया गया।

आजाद समाज पार्टी और पीएसएफ ने शहीद जवान को दी श्रद्धांजली

JAMSHEDPUR : मानगो के आजादनगर में अपराधियों से लोहा लेते हुए शहीद हुए टाइगर मोबाइल के जवान रामदेव महतो को आजाद समाज पार्टी एवं भीम आर्मी ने श्रद्धांजलि दी। शनिवार शाम को साकची के बिरसा चौक पर सभी एकजुट हुए और जवान की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी वीर शहीद की वीरता को सलाम करती है। इस दुख की घड़ी में पूरी पार्टी एवं भीम आर्मी वीर शहीद के परिवार के साथ खड़ी है, हमारी संवेदनाएं उनके साथ है।

सेक्रेड हार्ट कांवेंट स्कूल का 72वां स्पोर्ट्स मीट आयोजित

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर स्थित सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल के 72वां स्पोर्ट्स मीट का आयोजन शनिवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में टाटा स्टील स्पोर्ट्स एक्सीलेंस के चीफ व जमशेदपुर फुटबॉल एंड स्पोर्टिंग प्राइवेट के सीईओ मुकुल कुमार चौधरी उपस्थित थे। स्पोर्ट्स मीट की शुरूआत मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ की गयी। स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर रश्मिता एसी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। नौवीं से 12वीं कक्षा तक की छात्राओं ने मार्च पास्ट किया। छात्राओं ने बीम बैलेंस का फॉर्मेशन किया तथा व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन में संतुलन के साथ ही विद्यार्थी जीवन में संतुलित मानसिकता की अनिवार्यता को दर्शाया।

राउरकेला और सुंदरगढ़ में शराब कारोबारी के आवास पर आयकर विभाग का छापा

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के सिविल टाउनशिप स्थित के. तिवारी के आवास पर शनिवार को आयकर विभाग द्वारा छापेमारी की गई। शराब कारोबारी पर आयकर चोरी की संदेह में छापामारी की गई है। अब तक आयकर विभाग ने जब्ती की कोई जानकारी साझा नहीं की है। वहीं इससे पहले आयकर विभाग ने सुंदरगढ़ के शराब कारोबारी राजकिशोर जायसवाल के घर पर छापेमारी की। 2 दिन पहले पैसों से भरा ट्रंक और कागजात जब्त करने वाली इनकम टैक्स की टीम शनिवार को फिर घर पहुंची और तलाशी जारी है। चूंकि राजकिशोर झारखंड के सांसद धीरज साहू के संपर्क में हैं।

सुंदरगढ़ जिला और पड़ोसी राज्य झारखंड, छत्तीसगढ़ में वाइन के किंग कहे जाने वाले शराब कारोबारी राजकिशोर जायसवाल के घर पर आयकर विभाग ने 6 दिसंबर की सुबह छापेमारी शुरू किया गया था। सफेद रंग की 2 इनोवा में 7 अधिकारी सीआरपीएफ जवानों के साथ जयसवाल के रानीबागीचा स्थित आवास पर पहुंचे। सबसे पहले उस ने राजकिशोर और उस के भाई देवकरन जायसवाल समेत पूरे परिवार के मोबाइल बंद कर दिए। इसके बाद उन्होंने छापा मारी शुरू की। जयसवाल के सरगीपाली के साथ-साथ 10 से अधिक देशी शराब भाटी, थिप्पीबैंड विदेशी शराब दुकानों, बस सेवा कार्यालयों, किरेई के पास एंबियंस बार और होटल, रानीबागिचा में आवास और कार्यालयों में एक साथ छापेमारी की गई। 6 दिसंबर की रात तक तलाश जारी रही। रात में अधिकारी परिवार के शयनकक्ष को छोड़कर सभी कमरों में ताला लगाकर आराम करते रहे। गुरुवार सुबह 9 बजे से निरीक्षण दोबारा शुरू हुआ। अधिकारी ने एक-एक कर सभी ट्रांजेक्शन के बिल बाउचर चेक किए।

के तिवारी का आवास। ● फोटोन न्यूज

गुरुवार की दोपहर उसके घर से रुपयों से भरे 2 बड़े ट्रंक जब्त किये गये। आयकर विभाग के कुछ अधिकारियों ने पुलिस सुरक्षा में ट्रंक ले जाकर एसबीआई शाखा में पैसे जमा करवाए, जबकि दूसरी टीम ने व्यवसायी जायसवाल के घर के बगल स्थित कार्यालय में बिल वाउचर की जांच की।

रेलमंत्री से मिले चैंबर के अधिकारी रेलवे फ्रंट कॉरिडोर की रखी मांग

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील कयाल के नेतृत्व में उपाध्यक्ष गुरमीत सिंह, महासचिव प्रभात टिबरेवाल, ईसी सदस्य नीमू जैन और आमंत्रित पवन अग्रवाल के साथ रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की।

नई दिल्ली स्थित कार्यालय में प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से लाठीकटा कलुंगा रेलवे फ्रंट कॉरिडोर की मांग, तालचेर-बिमलागढ़ रेलवे लाइन के काम में तेजी लाना,राउरकेला से कोलकाता और राउरकेला से रायपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करना 12261/62-दुरंतो एक्सप्रेस का राउरकेला में ठहराव की मांग की। इसके साथ ही 15027/28-मौर्य एक्सप्रेस का राउरकेला तक विस्तार। एक ही दिन चलने वाली 22805 और 20817 दोनों ट्रेनों के समय में बदलाव। भुवनेश्वर से नई दिल्ली तक चलने वाली 22811 और 22823 दोनों ट्रेनों के रूट में बदलाव आदि मुद्दों पर चर्चा की। रेल मंत्री ने सभी बिंदुओं को बहुत धैर्यपूर्वक सुना और मामले को देखने और सर्वोत्तम संभव तरीकों से मुद्दों को हल करने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात करते चैंबर के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

पेयजल संकट से जूझ रहे हैं मुंडारी बस्ती और भूमिक बस्ती के निवासी

PHOTON NEWS BISRA : राज्य सरकार हर गांव को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने का दावा करती है, लेकिन राउरकेला के पास रघुनाथपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के बरकानी बस्ती और मुंडारी बस्ती के लोग पीने के पानी के लिए आज भी परेशानी के सामना कर रहे है। आजादी के 75 साल बाद भी इन दोनों बस्तियों में पेयजल की आपूर्ति संभव नहीं हो सकी है। इन दोनों बस्तियों के करीब 300 लोग पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं।

स्थानीय निवासियों के मुताबिक इस गांव के लोगों की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए सरकार की ओर से कोई योजना नहीं है। राउरकेला स्मार्ट सिटी से महज दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित इन बस्ती के लोग पीने के पानी के लिए हर दिन करीब एक किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर हैं। गर्मी के मौसम में तो स्थिति और भी बदतर हो जाती है। बंडामुंडा रेलवे डीजल शेड से पीने का पानी लेने के लिए निवासी को हर दिन यह दूरी तय करते हैं।

लाईन लगाकर पानी भरते लोग। ● फोटोन न्यूज

नकली गांधी परिवार को पहुंचाने थे 300 करोड़ भनक लगते ही आईटी की छापेमारी : सीपी सिंह

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कांग्रेसी सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बरामद हुए 300 करोड़ रुपये देश के नकली गांधी परिवार सोनिया गांधी और राहुल गांधी के यहां पहुंचाए जाने थे, लेकिन भनक लगते ही आईटी ने रेड किया और उसे बरामद कर लिया। उक्त बातें जमशेदपुर पहुंचे भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कही। उन्होंने बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 300 करोड़ रुपये बैंक की शोभा बढ़ाने के बजाए किसी के आवास या कार्यालय में अलमीरा की शोभा क्यों बढ़ा रहे थे। जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कमान संभाली है, तब से हमारा देश डिजिटल भारत बनने की ओर बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में घर में इतनी बड़ी राशि नकद के रूप में रखना इस ओर इंगित करता है कि यह राशि झारखंड के लूट, खसोट व घोटाले की राशी है। अब इसमें कौन-कौन लोग शामिल है यह जांच का विषय है। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से इसमें हस्तक्षेप कर मामले की जांच करने का आग्रह किया, ताकि यह पता चल सके कि यह राशि कैसे जमा हुई। सीपी सिंह ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ही भ्रष्टाचार और लूट है। इंदिरा गांधी के समय में भी नागरवाला कांड हुआ था लेकिन उसे दबा दिया गया। पंडित नेहरु के काल में भी जीप घोटला कांड हुआ था। कांग्रेस के प्रत्येक शासन काल में इस तहर के घोटाले और लूट होते रहे है।

प्रेस वार्ता में मौजूद सीपी सिंह, सांसद और अन्य भाजपा नेता। ● फोटोन न्यूज

10 को धरना देगी भाजपा

उन्होंने इंडिया एलायंस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचारी एलायंस है। इसमें शामिल सभी दल अपने-अपने क्षेत्रों में महारत हासिल किये हुए है और यह भ्रष्टाचारियों का समूह है। भारतीय जनता पार्टी 300 करोड़ बरामद होने के मामले को लेकर 10 दिसंबर को धरना देगी।

कैंसर मरीज की बीजद सदस्यों ने की सहायता

PHOTON NEWS ROURKELA : बंडामुंडा के मुखीबस्ती अंचल में रहने वाले जयदीप राय जिन्हें तीन महीने पहले माउथ कैंसर हो गया था। इलाज के लिए बीजू स्वास्थ कल्याण योजना के द्वारा भुवनेश्वर में उनका निषुल्क इलाज किया गया था, लेकिन उसका परिवार का आर्थिक स्थिती से कमजोर होने के कारण दुबारा जांच के लिये भुवनेश्वर नही जा पा रहा था। फिर उनके मां ने बंडामुंडा बीजद के लोगों से सम्पर्क कर मदद की गुहार लगाई थी। जिसे देख बंडामुंडा बीजद परिवार के सदस्यों ने मानवता दिखाते हुये उनके परिवार को मदद का पहल किया और उनको आर्थिक रूप से मदद कर एक मानवता का मिसाल पेश किया।

बंडामुंडा बीजद परिवार के पीताम्बर राउत, डी. अवीक कुमार, चंदन तोरई, जॉन भेंगरा, नीतीश मुखी, अभिषेक सिंह, आदित्य राव, बिंकी महाकुंद, मानसी सरकार, रेखा महतो, तृप्तिमई स्वाई, संगीता सीखा, सुप्रिया तांती समेत अन्य ने मदद की और आगामी दिनों में भी मदद करने का भरोसा दिया।

कैंसर मरीज से मुलाकात करते बीजद सदस्य। ● फोटोन न्यूज

फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य हुआ शुरू

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : काफी दिनों से बंद पड़े बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी फिल्टर प्लांट का कार्य आखिरकार शनिवार से शुरू हो गया। काम शुरू होने से लोगों में हर्ष है। बता दें कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के द्वारा एक करोड़ 88 लाख की लागत से फिल्टर प्लांट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। 16 सितंबर से विधायक एवं मंत्री द्वारा इसका शिलान्यास किये जाने के बाद से निर्माण कार्य बंद था। कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार के आदेश पर कार्य को शुभारंभ किया गया। फिल्टर प्लांट का कार्य पूरा हो जाने से बागबेड़ा कॉलोनी के 1140 घरों में रहने वाले 20 हजार लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सकेगा। इस संबंध में बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट के आदेश पर फिल्टर प्लांट निर्माण का कार्य चालू किया गया था। स्वच्छ पेयजल पिलाने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर आंदोलन हुआ। झारखंड हाई कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था। कोर्ट के आदेश के बाद 27 अप्रैल से काम भी चालू था।

नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से झारखंड राज्य स्तरीय युवा महोत्सव आयोजित

महिला कॉलेज चाईबासा को मिला तीसरा स्थान

PHOTON NEWS CHAIBASA : नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से आयोजित झारखंड राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में पश्चिमी सिंहभूम राष्ट्रीय सेवा योजना महिला कॉलेज चाईबासा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला कॉलेज की छात्राओं ने हो पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया था।

जिसमें उन्होंने हो जनजाति के जीवन शैली को प्रस्तुत किया था। उन्होंने हो जनजाति के कृषि कार्य, शिकार, घर की साफ सफाई, त्योहार में गाए जाने वाले गीत और नृत्य प्रस्तुत किया। तृतीय स्थान प्राप्त कर उन्हें 15,000 रुपए, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने सभों को बधाई दी और कहा की राज्य स्तर पर तीसरा स्थान पाना गर्व की बात है।

प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अर्पित सुमन ने बताया कि इस युवा उत्सव में झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से प्रतिभागी शामिल हुए थे। युवा उत्सव राँची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित की गई थी। नेहरू युवा केंद्र के समन्वयक क्षितिज ने भी हर्ष व्यक्त की और शुभकामनाएँ दीं।महिला कॉलेज चाईबासा के सभी प्राध्यापकों ने बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते कॉलेज के छात्र-छात्राएं ● फोटोन न्यूज

सुंदरगढ़ पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

PHOTON NEWS SUNDARGARH : सुंदरगढ़ पब्लिक स्कूल में विद्यालय द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में विद्यालय के आठवीं, नौवीं एवं दसवीं कक्षा के 400 से अधिक विद्यार्थियों की जांच की गई। सर्वप्रथम विद्यालय अध्यक्ष हरिप्रिया पटेल ने डॉक्टर और मेडिकल टीम का फूलों के गुलदस्ता देकर स्वागत किया। डॉक्टरों की टीम में डॉ. गुरुप्रसाद महंथ, त्वचा विशेषज्ञ, डॉ. दीपक प्रधान, कान और गला विशेषज्ञ, डॉ. एलिना चौधरी, दंत चिकित्सक, बैशाली पटेल, नर्सिंग अधिकारी महेंद्र पटेल और सहायक शामिल थे। इन्होंने विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांच किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकिशोर षाड़ंगी की देखरेख में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का अभिभावकों ने स्वागत किया। भविष्य में विद्यालय के और भी छात्र इसमें शामिल होंगे। शिविर की सफल आयोजन मे स्कूल सभी के छात्र और शिक्षक देविशा दास, संतोष महंत, माइकल खलखो, मनीषा कछारिया और अन्य ने योगदान दिया।

बच्चों का स्वास्थ्य जांच करती मेडिकल की टीम। ● फोटोन न्यूज

बीजेपी ने कहा-थेथरलॉजी कर रहे गठबंधन के नेता

कल पटना आ रहे गृहमंत्री अमित शाह

पटना:गृह मंत्री अमित शाह पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शिरकत करने रविवार को पटना आ रहें हैं। बंगाल, झारखंड, ओडिशा और बिहार राज्यों की आंतरिक सुरक्षा पर अहम बैठक मानी जा रही है। सीएम सचिवालय के संवाद में यह बैठक है। कई मायने में यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। बैठक से पहले सियासी बयानबाजी देखने को मिल रही है। कांग्रेस और राजद ने गृहमंत्री से विशेष राज्य के दर्जे की मांग की है। बीजेपी ने इस पर तंज करते हुए कहा है कि महागठबंधन के नेता थेथरलॉजी कर रहे हैं। शाह के दौरे पर कांग्रेस प्रवक्ता आसित नाथ तिवारी ने कहा है गृह मंत्री अमित शाह से मेरी विनती है कि वे दिल्ली का प्रतिशोध छोड़कर बिहार आए। बैठक में शामिल हों। वे बिहार के प्रति दुर्भावना को छोड़कर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के बारे में सोचें। पिछड़े राज्यों का विकास करने की जिम्मेदारी भी केंद्र सरकार की है। बिहार में मेहनतकश लोग हैं। बिहार को सत्यानाश करने के मन से आप मत आइए। सत्यानाश के मन से आप आएंगे तो बिहारी आपको भगाएं। राजद विधायक राकेश रौशन ने कहा है कि बीजेपी को दुर्भावना से निकला चहिए। सीएम नीतीश कुमार ने देश में नया मॉडल पेश किया है। आर्थिक और जातिगत गणना कराया है। इसके बाद जनसंख्या के मुताबिक आरक्षण का दायरा बढ़ाया। राकेश रौशन ने कहा है कि केंद्र सरकार बिहार को विशेष दर्जा दे। आर्थिक पैकेज दे । केंद्र सरकार पूर्वाग्रह से बाहर जाएं। बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार बैठक में शामिल हो रहे हैं। अच्छी बात है, लेकिन सीएम नीतीश कुमार को दुराग्रह से मुक्त होना चाहिए। इस बैठक में शामिल होना चाहिए। सीएम नीतीश जब एनडीए में थे तो बिहार का विकास हुआ। बिहार में एनडीए शासन काम में विकास हुआ। सीएम नीतीश कुमार को पलटी मारते ही सूबे में विकास ठप हो गया। वे अब अपनी असफलता छिपाने के लिए केंद्र पर आरोप मढ़ रहें हैं। सीएम नीतीश कुमार केंद्र पर आरोप लगाते है कि मोदी सरकार राज्य के साथ भेदभाव करती है। विशेष पैकेज पर महागठबंधन के नेता थेथरलोजी करते हैं। केंद्र ने एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपए के विशेष पैकेज दिया। इससे बिहार में दो करोड़ पांच लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे आ सके हैं। बिहार के केंद्रीय करो में इजाफा हुआ है। मनमोहन सरकार और बीजेपी की सरकार में तुलनात्मक आंकड़े बताते हैं कि बिहार को अधिक राशि मोदी सरकार में मिली है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा का तीसरा दिन

पटना: शिक्षक भर्ती परीक्षा के तीसरे दिन करीब 3.50 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। 28 जिले में बनाए गए 555 सेंटरों पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न हुई। पूरे बिहार में एक ही पाली में परीक्षा आयोजित की गई थी। एग्जाम दोपहर 12:00 बजे से शुरू हुई, जो 2:30 बजे तक चली। परीक्षा देने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे मोनू कुमार ने बताया कि मैथ्स थोड़ा आसान था लेकिन साइंस के सवाल कठिन पूछे गए थे। हालांकि पेपर ठीक ही रहा, जैसा सोचा था, उसी तरीके का सवाल पूछा गया। यूपी के गाजियाबाद से आए फयीमुद्दीन ने बताया की परीक्षा ज्यादा अच्छा भी नहीं गया और ना ज्यादा बुरा। जैसा पढ़ाई किया था, ठीक उसी तरह का सवाल भी था। वहीं, यूपी की गीतांजलि यादव का कहना है कि अब रिजल्ट आने के बाद ही पता चलेगा की पेपर कैसा रहा, लेकिन हमने जो पढ़ाई किया था सवाल भी उसी से पूछे गए थे। परीक्षा का आयोजन 7 दिसंबर से शुरू हुआ, जो 15 दिसंबर तक चलेगा। 6 दिन तक चलने वाली परीक्षा में कुल 8.41 लाख शिक्षक अभ्यर्थी शामिल होंगे। 10 दिसंबर को 84,139, 11 दिसंबर को 1,07,263 और 15 दिसंबर को 1,09, 154 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

स्कूल में मिड-डे मील बनाते वक्त फटा कुकर

भागलपुर: भागलपुर के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मसदी पंचायत के प्राथमिक विद्यालय में खाना बनाने के दौरान कुकर ब्लास्ट हो गया। जिससे रसोइया गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आनन फानन में शिक्षकों ने घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर प्राथमिक विद्यालय में खाना बनाने के दौरान या हादसा हुआ है। स्कूल के प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि खाना बनाने के दौरान कुकर ब्लास्ट हो गया। जिससे की रसोइया जख्मी हो गई। हम लोगों ने तुरंत निजी क्लीनिक में भर्ती कराया, जहां पर घायल को इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। घायल की पहचान सरिता देवी के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने स्कूल व्यवस्था पर भी सवाल उठाए, उन्होंने कहा कि ना तो स्कूल का देखभाल सही से हो रहा है, ना तो स्कूल में शौचालय की समुचित व्यवस्था है। हालांकि कुकर कैसे फटी इसकी स्पष्ट जानकारी हम लोगों को नहीं है। लोगों ने आगे बताया कि इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे से झाड़ू मरवाया जाता है। टाइम पर शिक्षक नहीं पहुंचते हैं। इधर ग्रामीणों के आरोप पर प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि आरोप बुनियाद है । मसदी पंचायत के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई के बदले स्कूल में झाड़ू मारते बच्चे दिख रहे हैं। जिसका एक वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि प्रधानाचार्य संजय कुमार ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है उन्होंने कहा है कि ऐसी कोई बात नहीं है।

देवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज

भागलपुर : जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी बीवी मनीषा ने अपने देवर के ऊपर गला दबाकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। देवर के खिलाफ नाथंगर थाने में उन्होंने लिखित शिकायत कर प्राथमिकी की भी दर्ज करवाई है। बीवी मनीषा ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि बीते 5 दिसंबर की देर रात कस्बा स्थित अपने ससुराल में थी। उसी समय मेरी सास और मेरा देवर किसी बात को लेकर नोंकझोंक करने लगा। धीरे-धीरे बात बढ़ गई।।चांद बाल पड़कर घसीटते हुए मुझे कमरे में ले गया और अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। जमीन पर पटक कर दोनों हाथ बांध दिया और जान मारने की नीयत से मेरा गला दबाने का प्रयास करने लगा। घटना में बीवी मनीषा अचेत हो गई। बेहोशी अवस्था देख देवर और सास मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए। जिसके बाद पति व अन्य ने इलाज के लिए भागलपुर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। वहां पर महिला का इलाज जारी है। डॉक्टर के मुताबिक बेहतर इलाज के लिए बीवी मनीषा को दिल्ली एम्स जाने का सलाह दिया है। मायागंज अस्पताल में बीवी मनीषा का स्थिति नाजुक है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घरेलू विवाद को लेकर अक्सर देवर सास और बहू के बीच विवाद होते रहता था। इधर मामले को लेकर पुलिस ने देवर के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस, संबंध में नाथनगर थाना अध्यक्ष राजरतन ने बताया कि महिला के लिखित बयान पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

दबंगों ने महिला को बेरहमी से पीटा

बेगूसराय :बेगूसराय में एक बार फिर दबंगों का क्रूर चेहरा देखने को मिला है। यहां दबंगों ने एक महिला को पकड़ कर बेरहमी से पिटाई की। इस पिटाई से मन नहीं भरा तो दबंगों ने चाकू से गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अवस्था में महिला को उसे जगह उठाकर इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज चल रहा है। घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के मल्हीपुर गांव की है।

घायल महिला की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के मल्हीपुर गांव के रहने वाले कांग्रेस पासवान की पत्नी रीना देवी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि रीना देवी देर शाम अपने डेरा पर जलावन लाने के लिए गई थी। तभी दबंगों ने उसे पकड़ लिया। लाठी डंडे से पहले बेहरमी से पिटाई की। इससे भी मन नहीं भरा तो दबंगों ने चाकू से हमला कर दिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि गांव के ही रहने वाले दबंगों ने पीड़ित महिला रीना देवी की जमीन जबरन कब्जा कर लिया। दबंगो के द्वारा घर बना लिया है। उसने बताया कि रीना देवी के द्वारा अपने जमीन पर घर बनने का विरोध करने पर दबंगों के द्वारा बार-बार मार पीट की घटना को अंजाम देते रहता था। उन्होंने बताया कि जब वह अकेली अपनी डेरा पर जलावन लाने के लिए गए तो दबंगों ने घेर कर इस घटना को अंजाम दिया। फिलहाल परिवार के द्वारा भगवानपुर थाना में दबंगों के खिलाफ आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पुलिस टीम पर हमला करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

किशनगंज :किशनगंज के पोठिया थाना क्षेत्र के चामरानी घाट पर खनन विभाग की टीम के साथ मारपीट करने का मामले में पुलिस ने शुक्रवार शाम उक्त मामले मे कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. सुकुरुदी के बेटे इनामुल हक के रूप में हुई है। जिसे गलगलिया पुल के पास से थानाध्यक्ष निशाकांत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल थाना में आरोपी से पुलिस पूछताछ की जा रही है। बता दें कि घटना को लेकर खान निरीक्षक उमाशंकर सिंह के लिखित आवेदन पर पोठिया थाना कांड संख्या 262/23 दर्ज किया गया है। इस कांड में खनन विभाग द्वारा 22 लोगों को नामजद अभियुक्त भी बनाया गया है। महानंदा नदी के उक्त स्थान से एक लाख दो हजार पांच सौ चौवालीस सीएफटी बालू की चोरी को लेकर अभियुक्तों पर 54 लाख 41 हजार का जुमार्ना भी लगाया गया है। नामजद अभियुक्तों में मनीरुल, बादल, महताब, अजीजुल सूक्खा अली, इनामुल हक, सईदुल, कासिम, कादिर, रिजाउल, सूफियान, अरजाउल, गुलाब, नुतफुल, मंजर, मतीउर, ईजाउल, मनारुल, बबलू, जाहुल, कैसर, अजीजुल, मजबुल रहमान सहित दर्जन भर ओर भी नामजद शामिल है।

दरअसल देवीचौक-सोनापुर मुख्यपथ पर अवस्थित चमरानी घाट में बेखौफ बालू माफियाओं के द्वारा बीते मंगलवार शाम खनन विभाग की टीम कर जानलेवा हमला कर दिया गया था। बालू घाट के पास अवैध रूप से भंडारण की सूचना पर गए खान निरीक्षक उमाशंकर सिंह सहित होमगार्ड जवानों पर अचानक बालू माफियाओं के गुर्गों ने हमला कर दिया। जिसमें कई होमगार्ड के जवान घायल हो गए है। जिनका उपचार सदर अस्तपताल में कराया गया है। पोठिया थाना कि पुलिस गिरफ्तार अभियान में जुटी है।

भतीजे की हत्या कर शव तालाब में फेंका

जमुई: में 11 साल के किशोर की उसके ही चाचा ने हत्या कर दी। शव को सत्सला तालाब में फेंक दिया। शनिवार को लड़के का शव मिला है। वारदात चंद्र मंडी थाना क्षेत्र की कियाजोरी पंचायत अंतर्गत घाघरा गांव की है। मृतक की पहचान चन्द्रमंडीह थाना क्षेत्र के घाघरा गांव निवासी राजू यादव के बेटे अजय कुमार यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि अजय बुधवार की रात अपने चाचा प्रमोद (30) के साथ सोया हुआ था और सुबह में देखा तो दोनों गायब थे। पता चला कि प्रमोद यादव जमुई गया है और जब वह वापस घर लौटा तो उससे अजय के बारे में पूछा गया। उसने जवाब दिया कि हमें कुछ मालूम नहीं है। अजय की खोजबीन के लिए रिश्तेदार के यहां फोन किया गया, लेकिन कहीं उसका पता नहीं चल सका। मृतक किशोर के भाई मिथुन यादव ने आशंका जताते हुए चाचा प्रमोद यादव के खिलाफ चंद्रदीप थाना में भाई अजय को गायब कर देने की लिखित शिकायत की है। चंद्र मंडी थाना की पुलिस ने आवेदन के आधार पर गुरुवार को चाचा को गिरफ्तार किया। सख्ती से पूछताछ की तो उसने पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकारी। पुलिस को बताया कि शव को तालाब में फेंक दिया है। पुलिस ने जानकारी पाकर किशोर की शव को सत्सला तालाब से बरामद किया। इधर, अजय के भाई मिथुन यादव ने बताया कि उसकी जमीन उसके चाचा प्रमोद यादव हड़पना चाहता है। इसी को लेकर अजय की हत्या कर सत्सला तालाब में शव को फेंक दिया है। वह चाचा के साथ सो रहा था, मारकर फेंक दिया। दो दिन पहले पूछा कि अजय कहां गया तो नहीं बताया। आशंका होने पर मामला दर्ज कराया। चंद्रमंडी थानाध्यक्ष ध्रुव कुमार ने बताया कि जमीन हड़पने के लिए घाघरा गांव में चाचा के भतीजे की हत्या करने की सूचना मिली है। पुलिस आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता की हत्या मामले में आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहार

सरेंडर नहीं करने पर होगी कुर्की

बक्सर: बक्सर के राजपुर पुलिस ने डुगडुगी पीटकर आरोपी के दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया है। जिसे लेकर यह सूचना दिया गया कि जल्द से जल्द आरोपी कोर्ट या थाना में आकर आत्मसमर्पण करे। नहीं तो न्यायालय के आदेश पर घर को कुर्की की कार्रवाई की जायेगी। थाना से मिली जानकारी के अनुसार यह करवाई न्यायालय के आदेश पर किया गया है। तीन लोगों पर दहेज के लिए विवाहिता को पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार घटना इसी साल के जून महीने की है। राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा गांव में कोचाढ़ी निवासी मुरारी चौहान ने 2021 में अपनी 24 वर्षीय पुत्री शनिचरी देवी की शादी अंजू चौहान से की थी। जिसकी मौत 22 जून को ससुराल में हो गई थी। मायके वालों ने उसके पति और परिजनों पर पीट-पीटकर हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि वे बिना सूचना के ही बेटी के शव को फेंकने ले जा रहे थे। हालांकि गांव वालों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा मौके से विवाहिता के जेठ और पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। तीन सदस्य जिनपर आरोप है कि वो अभी भी फरार चल रहे है।

राजपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार द्वारा बताया गया की फरार आरोपियों पर 304 और 201 एक्ट में मामला दर्ज है। जिसमें जलहरा गांव के निवासी सत्रुधन चौहान पिता स्व. रामदेव चौहान,चंपा देवी पिता सत्रुधन चौहान,लीलावती देवी पिता संजू चौधरी घटना के बाद से ही फरार चल रहे है।

जिनकी गिरफ्तारी के लिए कई बार छापेमारी की गई, लेकिन वो पुलिस से बचने में सफल रहे।

चुकी मामला न्यायालय के अधीन है जिसके कारण न्यायालय के आदेश पर वारंटी के घर इश्तेहार चिपकाया गया है। अगर तीनों थाना या न्यायालय में हाजिर नहीं होते है तो न्यायालय के आदेश पर आगे कुर्क की करवाई किया जायेगा।

संक्षिप्त डायरी

हर्ष फायरिंग में भाजपा नेता को पेट में लगी गोली

समस्तीपुर : के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र जहां एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में भाजपा नगर अध्यक्ष मनीष वर्णवाल घायल हो गए हैं। उन्हें पेट में एक गोली लगी है। उन्हें पटना के एक बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना को काफी देर तक प्रशासनिक से लेकर दल के लोगों ने छुपाने की कोशिश की। बताया गया है कि दलसिंहसराय शहर के जेल रोड में गुरुवार देर रात शादी समारोह के दौरान कुछ लोग हर्ष फायरिंग कर डीजे की धुन पर थिरक रहे थे। इसी दौरान एक गोली भाजपा नेता को पेट में ला लगी। भाजपा नेता को गोली लगने के बाद वहां पर अफरातफरी मच गई। जुटे लोग भाजपा नेता को रात में बेगूसराय के एक निजी हॉस्पिटल में ले गए। जहां से उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। जहां पटना के एक बड़े निजी हॉस्पिटल में वह जीवन और मौत से जूझ रहे हैं। हालांकि भाजपा और स्थानीय पुलिस कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है। दलसिंहसराय के डीएसपी नजीब अनवर ने कहा कि पुलिस पदाधिकारी को बयान के लिए पटना भेजा गया है। पुलिस की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। शादी समारोह के दौरान गोली लगने की बात सामने आई है।

रजिस्ट्रेशन का पैसा गबन मामले में साइबर संचालक गिरफ्तार

आदापुर: राशन प्राप्त करने के लिए आधार जुड़ना अति अनिवार्य है। बिना आधार राशन कार्ड से नाम कट जाएगा। इसके अलावा नया राशन कार्ड बनवाने के लिए भी आधार कार्ड होना जरूरी है। अगर संयुक्त परिवार में हैं और अलग कराना है, उसके लिए भी अपेक्षित प्रक्रिया के तहत फॉर्म भड़कर देना होगा। ये बातें अनुमंडल पदाधिकारी रविकांत सिन्हा ने गुरुवार को बखरी पंचायत में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपनी समस्याओं को सीधे या उचित माध्यम से सूचित करने की बात कही। पंचायत स्थित झिटकहिया गांव के बहेरवा पोखरा पर आयोजित इस समारोह के दौरान जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी उपस्थित आमजनों से सम्बंधित पदाधिकारियों ने बारी बारी से साझा किया। डीसीएलआर रश्मि सिंह, इसमे बीडीओ सुनील कुमार ने आवास योजना, पेंशन योजना, सीओ संजय कुमार झा ने राजस्व व आपदा से जुड़े जानकारियां साझा की। एमओ विक्रम कुमार ने राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया, राशन प्राप्ति की प्रक्रिया व वन नेशन वन राशन , गैस एवं एजेंसी से सम्बंधित आवश्यक जानकारियां दी गई। वहीं पीओ विनोद प्रभाकर के द्वारा मनरेगा के तहत होने वाले योजनाओं एवं कार्यो, जॉब कार्ड बनाने आदि के बारे में जानकारियां दी। बीसीओ मृत्यंजय कुमार ने धान अधिप्राप्ति व पैक्स से जुड़े जानकारियां दी गई। वहीं जीविका के बीपीएम अभिषेक कुमार के द्वारा जीविका समूहों का गठन, बैंकिंग जानकारियां, ग्राम संगठनों के ढांचा, स्किल डेवलोपमेन्ट आदि के बारे में बताया गया। समारोह में पहुंचे आमजनों में शामिल रामबालक यादव, लालबाबू यादव, ने दाखिल खारिज व पेंशन की समस्या को बताया। वहीं प्रखंड मुख्यालय में स्थापित आधार केंद्र में व्याप्त अनियमितता के अलावा पंचायत के अधिकांश वार्डों में स्थापित नल जल योजना में व्याप्त गड़बड़ी एवं पेयजल उपलब्ध नही होने की शिकायतें ज्यादातर लोगों ने की। मौके पर थानाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद, मुखिया अख्तर शाह, स्वच्छता समन्वयक भारत कुमार, कृषि समन्वयक बीरेंद्र प्रसाद, रामबिनोद ठाकुर, चंदा कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी, संजय यादव, जेआरपी मनोज कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।रक्सौल के कस्तूरबा बालिका विद्यालय के एक हजार छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। साइबर कैफे संचालक के द्वारा परीक्षा फॉर्म और रजिस्ट्रेशन की 11 लाख 15 हजार की राशि गबन के मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। मामला राजकीय कस्तूरबा प्लस टू माध्यमिक विद्यालय का है। विद्यालय के एचएम की लापरवाही से एक हजार छात्राओं का भविष्य दाव पर लगा है। अगर बोर्ड स्कूल की गुहार नहीं सुनी तो 2024 में होने वाली मैट्रिक और इंटर की परीक्षा से करीब 1 हजार छात्राएं वंचित हो जाएंगी। एचएम अजय कुमार श्रीवास्तव ने मनोकामना साइबर के संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया है। इसके बाद रक्सौल पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए साइबर कैफे संचालक राजेश आर्य व उनके पुत्र अभिषेक आर्य को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार श्रीवास्तव ने मनोकामना साइबर कैफे के संचालक पर आरोप लगाया है कि 2023 के 10इँ की 745 छात्राओं के ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए 6 लाख 52 हजार 298 एवं 12वीं की 210 छात्रों के लिए फॉर्म भरने के 2 लाख 57 हजार 500 तथा नवम वर्ग के 643 छात्राओं के पंजीकरण के लिए 2 लाख 5 हजार 760 रुपए यानी कुल 11 लाख 15 हजार 558 रुपए गवन कर लिया है। वहीं इस सब मामले का खुलासा परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बीतने के बाद हुआ। यह सवाल भी उठ रहा है की परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि खत्म होने के बाद लेट फाइन के साथ भी फॉर्म जमा हो सकता था। प्रधानाध्यापक अजय कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि इस मामले की जानकारी के बाद बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के नियंत्रक पटना को पत्र लिखकर परीक्षा की तिथि बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

निश्चितता की ओर

इस महीने साढ़े छह साल पूरा करने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से अक्टूबर और नवंबर महीने के दौरान लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये हासिल हुए हैं। अक्टूबर का मासिक राजस्व संग्रह जहां दूसरा सबसे अधिक रहा, वहीं नवंबर का राजस्व संग्रह तीसरा सबसे अधिक है। राजस्व संग्रह में वृद्धि की धीमी होती रफ्तार के सिलसिले के चलते सितंबर में 27 महीने के निचले स्तर पर लुढ़कते हुए 10.2 फीसदी की गिरावट दर्ज करने के बाद, इन दोनों महीनों में त्वरित राजस्व वृद्धि भी दर्ज की गई। जहां अक्टूबर में जीएसटी से होने वाला राजस्व प्रवाह 13.4 फीसदी और नवंबर में 15.1 फीसदी बढ़ा, वहीं घरेलू लेनदेन की वजह से हासिल होने वाला राजस्व 20 फीसदी बढ़ा जोकि 14 महीनों में सबसे ज्यादा है। त्योहारी उत्साह ने निश्चित रूप से पिछले महीने के लगभग 1.68 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व, जो अक्टूबर में हुई लेनदेन पर आधारित था, को बढ़ावा दिया और यह रूझान इस महीने भी प्रत्याशित रूप से दीपावली के दौरान आखिरी समय के खर्च की वजह से जारी रह सकता है। इन दो महीनों की बढ़ोतरी से पहले, जीएसटी से होने वाले राजस्व संग्रह ने सिर्फ तीन मौकों पर ही 1.65 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया था और ये मौके आम तौर पर साल के अंत में होने वाले अनुपालन से प्रेरित थे। फिलवक्त 2023-24 में अब तक का औसत मासिक संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये है और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि केन्द्रीय जीएसटी से होने वाली प्राप्तियां बजट अनुमान से अधिक हो सकती हैं, भले ही इस साल की अंतिम तिमाही में सापेक्ष मंदी हो। कड़े अनुपालन और कर चोरों पर कड़ी कार्रवाई की वजह से राजस्व में उछाल आने के बाद, सरकार को अपनी महत्वाकांक्षाओं को नए सिरे से तय करने पर विचार करना चाहिए और अपने वादे के अनुरूप जीएसटी को वास्तव में एक अच्छा और सरल कर बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। हाल ही में उद्योग जगत के साथ एक बातचीत के दौरान हाल के महीनों में जीएसटी की मांग नोटिस और जांच की एक श्रृंखला के सामने आने से उपजी चिंताओं का जवाब देते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा कि जीएसटी अभी भी कुछ मामलों में ह्यअनिश्चितता से निश्चितताह्न की ओर बढ़ने के चरण में है और उन पहलुओं को अब सुलझाया जा रहा है। भारत की कर व्यवस्था के स्थिर और सहज होने के संदर्भ में निवेशकों को वास्तविक सुविधा महैया कराने के लिहाज से उस निश्चितता को व्यापक स्तर पर अपनाने की जरुरत है। मसलन, केंद्रीय जीएसटी शुल्क के खिलाफ लंबित करदाताओं की अपीलें इस साल एक चौथाई बढ़कर अक्टूबर तक लगभग 15,000 मामले तक पहुंच गई है। लिहाजा यह जरुरी है कि जीएसटी परिषद द्वारा स्वीकृत अपीलीय न्यायाधिकरण इस लंबितता को कम करने और भविष्य के कर उपचार संबंधी विवाद के वास्ते स्पष्ट मिसाल कायम करने के लिए जल्द से जल्द कामकाज शुरू कर दें। दायरे से बाहर रखे गए पेट्रोलियम और बिजली जैसी वस्तुओं को जीएसटी ढांचे में लाने के साथ-साथ इसकी जटिल विविध दर संरचना में बदलाव के लिए एक रोडमैप तैयार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

जनहित वाली सरकार की जरुरत

अनुमुला रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की जीत के बाद भारत के सबसे नए राज्य तेलंगाना में मुख्यमंत्री के तौर पर उभरने के लिए एक लंबी राजनीतिक यात्रा की है। वैचारिक बंधनों से मुक्त, तीव्र महत्वाकांक्षा से प्रेरित और कड़ी मेहनत करने की क्षमता से लैस श्री रेड्डी और कांग्रेस एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मुफीद साबित हुए हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और तेलुगु देशम पार्टी समेत अतीत की कई संबद्धताओं को पीछे छोड़ते हुए 2017 में कांग्रेस में आए। पार्टी के भीतर उनका उदय उतना ही शानदार रहा है, जितना इस प्रदेश में खुद कांग्रेस का और शायद दोनों के तार आपस में जुड़े हुए हैं। निवर्तमान मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने श्री रेड्डी की ओर से अपनी कुर्सी को मिलने वाली चुनौती को पहले ही भांप लिया था। इससे आंशिक तौर पर पता चलता है कि वोट के लिए रिश्वत के सनसनीखेज मामले में किस तरह उन्होंने कानून का बेजा इस्तेमाल किया था। हालांकि, श्री रेड्डी की रफ्तार पर इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ा। केसीआर के खिलाफ उनके अथक अभियान ने मतदाताओं के एक बड़े तबके में उन्हें काफी मशहूर बना दिया, जिन्हें लगता था कि विपक्ष के ज्यादातर नेता अपनी भूमिका ईमानदारी से नहीं निभा रहे हैं। श्री रेड्डी ने कांग्रेस में केंद्रीय नेतृत्व के साथ अच्छा तालमेल विकसित किया और पार्टी को अपने अंदाज में इस तरह चलाना शुरू किया कि दूसरे नेताओं के पास उनकी बात सुनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा। शिखर पर पहुंचने के बाद, श्री रेड्डी और कांग्रेस के सामने अब नई तरह की चुनौतियां पेश होंगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत-न्याय को अपनी राजनीति के केंद्रीय विषय के रूप में सामने रखा है और तेलंगाना में पार्टी को जीत असल में बहु-जातीय, बहु-धार्मिक सामाजिक गठबंधन के आधार पर हासिल हुई। कांग्रेस के जो नेता बुरे दौर में भी पार्टी के साथ बने रहे, उनके भीतर का यह दुख वाजिब ही है कि जीत मिलने के साथ ही पार्टी के साथ बाद में जुड़ने वाला व्यक्ति शीर्ष पद पर काबिज हो गया। खास तौर पर मल्लू भट्टी विक्रमार्क, जो निवर्तमान विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता थे। वे एक ऐसे दलित नेता हैं, जिन्होंने समूचे राज्य में घूम-घूमकर पार्टी के पक्ष में व्यापक लामबंदी की। अगर कांग्रेस सामाजिक न्याय के अपने दावे को सही साबित करना चाहती है और जनता का भरोसा जीतना चाहती है, तो नई सरकार में श्री विक्रमार्क को सम्मानजनक पद के साथ समायोजित करना होगा।

आतंकी गतिविधियों से ज्यादा जिंदगियां लील जाते हैं सड़कों के गड्ढे

ANALYSIS

✍ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आतंकी घटनाओं को रोकना बहुत कठिन और खचीर्ला है लेकिन दुर्घटना रोकने के लिए सड़कों की हालत ठीक रखना ज्यादा मुश्किल नहीं। इसके बावजूद दुनिया के देशों में आतंकी गतिविधियों की वजह से जितने लोग मारे जाते हैं, उससे कहीं ज्यादा मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हो रही है। वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो 2021 में आतंकवादी गतिविधियों के कारण 5226 लोग मारे गये। वहीं, अकेले अमेरिका में 2021 में सड़कों के गड्ढों के कारण हुई दुर्घटनाओं में 15 हजार से अधिक लोग मारे गए। इसी तरह से इंग्लैंड में 1390, भारत में 3565, रूस में 431 लोग मारे गए। लोगों की मौत की यह संख्या आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों की संख्या से चार गुणा अधिक है। कमोबेश दुनिया के देशों में आज भी सड़कों पर गड्ढों के कारण दुर्घटना से मौत के आंकड़ों में साल दर साल बढ़ोतरी होती जा रही है। केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तमाम सड़क हादसों में सबसे अधिक मौत सड़कों पर बने गड्ढों के कारण हो रही है। अब सड़क में गड्ढों के कारण मौत की जिम्मेदारी सरकार या स्थानीय प्रशासन से इतर किसी और को दी भी नही जा सकती। मौत को अलग कर भी दिया जाए तो सड़कों पर गड्ढों से होने वाले अन्य नुकसान का ही विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यह कोई छोटा राजस्व हानि नहीं अपितु बड़ा नुकसान जुड़ा हुआ है।

दुनिया के देशों में आतंकी गतिविधियों में होने वाली जनहानि की तुलना सड़कों के गड्ढों से होने वाली दुर्घटना व मौत से करना उचित नहीं लेकिन सड़क के गड्ढों के कारण होने वाली मौतों का बढ़ता आंकड़ा सोचने के लिए विवश जरूर करता है। आतंकी घटनाओं को रोकना बहुत कठिन और खचीर्ला है लेकिन दुर्घटना रोकने के लिए सड़कों की हालत ठीक रखना ज्यादा मुश्किल नहीं। इसके बावजूद दुनिया के देशों में आतंकी गतिविधियों की वजह से जितने लोग मारे जाते हैं, उससे कहीं ज्यादा मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हो रही है। वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो 2021 में आतंकवादी गतिविधियों के कारण 5226 लोग मारे गये। वहीं, अकेले अमेरिका में 2021 में सड़कों के गड्ढों के कारण हुई दुर्घटनाओं में 15 हजार से अधिक लोग मारे गए। इसी तरह से इंग्लैंड में 1390, भारत में 3565, रूस में 431 लोग मारे गए। लोगों की मौत की यह संख्या आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों की संख्या से चार गुणा अधिक है। कमोबेश दुनिया के देशों में आज भी सड़कों पर गड्ढों के कारण दुर्घटना से मौत के आंकड़ों में साल दर साल बढ़ोतरी होती जा रही है। केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तमाम सड़क हादसों में सबसे अधिक मौत सड़कों पर बने गड्ढों के कारण हो रही है। अब सड़क में गड्ढों के कारण मौत की जिम्मेदारी सरकार या स्थानीय प्रशासन से इतर किसी और को दी भी नही जा सकती। मौत को अलग कर भी दिया जाए तो सड़कों पर गड्ढों से होने वाले अन्य नुकसान का ही विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यह कोई छोटा राजस्व हानि नहीं अपितु बड़ा नुकसान जुड़ा हुआ है। उदाहरण के तौर पर चेन्नई में कराए गए अध्ययन के अनुसार सड़क के गड्ढों के कारण प्रतिदिन 75 करोड़ के राजस्व का नुकसान होता है। यह बानगी मात्र है और इससे आसानी से कयास लगाया जा सकता है कि सड़क के गड्ढे जनहानि और धन हानि दोनों के प्रमुख कारण हैं। ऐसा नहीं है कि सरकारें या दुनिया के देश इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हैं पर जो नतीजे साल दर साल देखने को मिलते हैं वह अपने आप में गंभीर है। इसे लेकर वैश्विक गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंग्लैंड में गड्ढों होने वाले नुकसान पर नागरिकों को मुआवजा देने का प्रावधान है। दुनिया के देशों द्वारा भी सड़कों के गड्ढों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व मौतों को लेकर बड़े-बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन, सेमिनार, गोष्ठियां, जनचेतना रैलियां होती रहती हैं तो सड़क निर्माण में लगे इंजीनियरों व अन्य कार्मिकों को शिक्षण प्रशिक्षण दिया जाता है। यह भी साफ है कि गड्ढों के जो प्रमुख कारण है वे भी किसी से छिपे हुए नहीं हैं। मोटे रूप से कहा जाए तो सड़कों की खराब डिजाइन, हल्की सड़क निर्माण सामग्री, सड़क निर्माण मानकों की अनदेखी, सड़कों पर पानी भरने, रखरखाव व देखरेख में लापरवाही, ठेकेदारों व अधिकारियों की लालची प्रवृति, सड़कों के मरम्मत कार्य में लापरवाही, गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देने, सड़कों पर पानी की सही निकासी नहीं होने और इसी तरह के कई कारण हैं जिनके कारण सड़कों पर गड्ढे बन जाते हैं। देखा जाए तो थेड़ी से अनदेखी, लापरवाही और छोटे से लालच के कारण यही सड़कें मौत का कारण बन जाती हैं। गड्ढों के कारण दुर्घटना के साथ अन्य नुकसानों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वाहनों के कल-पुर्जों, टायर आदि के नुकसान की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। पिछले दिनों केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क निर्माण में होने वाली लापरवाही के लिए संबंधित इंजीनियर्स व अन्य को जिम्मेदार बनाने, समुचित रखरखाव, ड्रोन से निगरानी और लोगों को टोल नंबर पर शिकायत करने जैसी सुविधाएं या कदम उठाने की पहल की है। इसी तरह से यह प्रावधान भी कई राज्य सरकारों द्वारा किए गए है व किए जा रहे हैं कि निश्चित समय सीमा से पहले सड़क क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी सड़क बनाने वाले ठेकेदार की होगी। पर इसका कितना पालन हो रहा है यह किसी से छिपा नहीं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज एक से एक नई तकनीक आ गई है। इसमें सड़क निर्माण की तकनीक भी शामिल है। पानी भरने वाले स्थानों पर सीमेंट कंक्रीट की सड़कें बनने लगी हैं पर सड़कों की गुणवत्ता पर आए दिन प्रश्न उठते रहते हैं। हालात यहां तक हो गए है कि टोल सड़कों पर भी सड़कों के हालात अब ज्यादा अच्छे देखने को नहीं मिल रहे हैं। आखिर गड्ढों या अन्य कारणों से किसी भी तरह की जनहानि या धनहानि होती है तो वह राष्ट्रीय नुकसान ही है। इसलिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आना होगा और कम से कम कम सड़कों के गड्ढों को तो मौत का कारण नहीं बनने दिया जाना चाहिए। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ ही राज्यों के सड़क परिवहन मंत्रालयों खासतौर से सड़क निर्माण में जुटी संस्थाओं को दुर्घटनामुक्त सड़कों के निर्माण के साथ ही सड़कों के रखरखाव के प्रति ध्यान देना होगा।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

ऋषि परंपरा वाहक अभाविप का सत्तरवां सोपान

यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक परिवार है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का छात्र समूह इस परिवार का युवावर्ग है। इस युवावर्ग के आदर्श स्वामी विवेकानंद हैं। संघ ने अपने परिवार के इस युवा सदस्य को जो सिखाया है, उसका मूल यही है-

काक चेष्टा, बको ध्यानं, स्वान निद्रा तथैव च।
अल्पहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं॥

(कौवे की तरह जानने की चेष्टा वाला, बगुले की तरह ध्यान लगाने वाले, कुत्ते की तरह जागृत अवस्था में सोने वाला व अल्पाहारी होकर आवश्यकतानुसार खाने वाला और गृह-त्यागी यही विद्यार्थी के पंच लक्षण हैं।) निश्चित ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विगत उनहत्तर 69 वर्षों की अनथक यात्रा इन पांच लक्षणों के साथ ही हुई है। इतना यश, कीर्ति, पराक्रम, संयम, गौरव, पुण्य, उपलब्धि, वितान, विस्तार, उड़ान, गहनता, बहाव, उठाव, परिपक्वता, अल्हड़ता और सबसे बड़ी बात किसी सुंदर सी गीतिका जैसा स्वरूप किसी संगठन को यूं ही नहीं मिल जाता है। अभाविप ने यह सब गुण अपने उन पांच मूल गुणों से ही प्राप्त किए हैं जो उसने अपने मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखे हैं। दिसंबर की 8, 9,10 तारीख को अपना 69 वां अधिवेशन आयोजित कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिसे संक्षेप में एबीवीपी या अभाविप के नाम से भी पुकारा जाता है, भारत का ही नहीं अपितु विश्व का सर्वाधिक विशाल विद्यार्थी संगठन है। जिस विद्यार्थी परिषद की स्थापना 9 जुलाई, 1949 को हुई थी, आज वह अद्भुत यौवन व षोडस वय की ऊर्जा के साथ अपना उनहत्तरवां राष्ट्रीय अधिवेशन आहूत करने को तत्पर व उद्धत खड़ा है। इस अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में देश के गृहमंत्री अमित शाह एवं समापन में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूद रहेंगे। ज्ञान, शील और एकता इन शब्दों या मंत्र के साथ आगे बढ़ता हुआ यह विद्यार्थी संगठन अपने जीवन में अनेकानेक उपलब्धियों को प्राप्त कर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। अनेक लक्ष्यों वाले इस संगठन के मूल में एकमेव लक्ष्य है - भारत माता को परम वैभव के शिखर पर आसीन कराना। बांग्लादेशी अवैध घुसपैठ, कश्मीर से अनुच्छेद 370 का उन्मूलन, श्रीराम जन्मभूमि, बांग्लादेश को तीन बीघा भूमि देने के विरुद्ध सत्याग्रह, तुष्टिकरण, शिक्षा का भारतीयकरण, नई शिक्षा पद्धति, आतंकवाद का विरोध, शिक्षण संस्थानों में शुचिता-अनुशासन-गरिमा, शिक्षण संस्थानों के व्यवसायीकरण का विरोध, ग्रामीण क्षेत्र के चप्पे चप्पे में शिक्षा की व्याप्ति, आदि आदि जैसे न जाने कितने ही इस प्रकार के लक्ष्यों व आंदोलनों को करके यहां तक पहुंचा यह संगठन अब एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। अपनी 69 वर्षीय अनथक, अहर्निश, अद्भुत यात्रा में विद्यार्थी परिषद ने जो प्राप्त किया है वह दो ध्रुवों के मध्य सेतु बनने जैसा है। एक ध्रुव पर यह संगठन भारत की मूल ज्ञान परंपरा को अपने विवेक शिखर पर स्थापित कर रहा है तो दूसरी ओर यह संगठन अंतरराष्ट्रीय स्तर व वैश्विक शिक्षा पद्धतियों को अपने में आत्मसात भी कर रहा है। यद्यपि भारतीय ज्ञान परंपरा व वैश्विक आधुनिक शिक्षा के एकात्म हो जाने का कार्य अभी पूर्ण नहीं हो पाया है किंतु नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थी परिषद ने इस कार्य को बहुत आगे तक तो ले ही आया है। भारतीय शिक्षा पद्धति में कई सुधारों की आवश्यकता को लेकर जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चिंतित व मननशील था तो विद्यार्थी परिषद संघ की इस चिंता को अनुकूलता में बदलने का एक बड़ा माध्यम भी सिद्ध हुआ है। संघ के नई शिक्षा नीति के लक्ष्य को विद्यार्थी परिषद ने ही प्राप्त करना प्रारंभ किया है। इस संगठन में केवल विद्यार्थियों का ही नहीं अपितु गुरुओं का भी सतत जुड़े रहना नई शिक्षा नीति को लागू करने के लक्ष्य में सहायक सिद्ध हुआ है। किसी भी राष्ट्र की मूल पहचान उसकी शिक्षा पद्धति से ही निर्धारित होती है। संघ की यह अटल मान्यता रही है व विद्यार्थी परिषद का समूचा संगठन इस मान्यता का वाहक, संवाहक रहा है। स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा के बारे में कहा है कि MANIFESTATION OF PERFECTION ALREADY IN A MAN इसे ही आगे बढ़ाते हुए, नर को नारायण करने की क्षमता शिक्षा में है, यही संघ परिवार की मान्यता रही है। संघ की इस विचार पद्धति को कोठारी आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में प्रतिबिंबित किया है - राष्ट्र का भाग्य कक्षाओं में आकार लेता है। इस राष्ट्र की रक्त कोशिकाओं और धमनियों में भीतर तक घुस और धंस गये अंग्रेज मैकॉले को पिछले एक दशक में यूं ही बाहर नहीं किया गया है। इसके पीछे विद्यार्थी परिषद की, संघ परिवार की, सौ वर्षीय तपस्या का अमूल्य योगदान है। नरेन्द्र मोदी सरकार की जो उपलब्धियां आगामी शताब्दियों तक चमकती व राष्ट्र को चमत्कृत करती रहेंगी उनमें से एक सर्वाधिक प्रमुख नई शिक्षा नीति है। इस नई शिक्षा नीति के निर्धारण में विद्यार्थी परिषद का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। नई शिक्षा पद्धति के प्रारूप को तैयार कर रही के. कस्तूरीरंगन कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में इस योगदान हेतु अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का उल्लेख करते हुए इसके प्रति अपना धन्यवाद ज्ञापित किया है। समूचे भारत के सभी राज्यों में अपने अस्तित्व को विस्तारित करने वाली विद्यार्थी परिषद ने छात्र संगठन के अपने मूल कार्य को वैसे ही सिद्ध किया है जैसे श्रीराम ने आगे बढ़ते हुए अपनी वानर सेना बनाई थी और रावण का वध किया था। आज देश के सभी प्रतिष्ठित, विशाल व गणनीय शिक्षण संस्थानों में छात्र संगठन के पदों पर विद्यार्थी परिषद की ध्वजा विराजित है तो यह इसके पुण्यकार्यों का ही द्योतक है। नई शिक्षा पद्धति में दिये अपने योगदान में अभाविप चंद्रयान अभियान और स्वामी विवेकानंद से लेकर भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय ऋषि परंपरा, गुरुकुल परंपरा, आचार्य चाणक्य, वैदिक तत्व, पौराणिक आख्यानों को व अब आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस तक को समाहित करके उसे समग्र बनाने का प्रयास किया है।

Social Media Corner

सच के हक में...

विकसित भारत संकल्प यात्रा में जिस प्रकार हमारी नारीशक्ति का सामर्थ्य भी देखने को मिल रहा है, वो बहुत उत्साहित करने वाला है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नौकरी, रोजगार, स्वरोजागर से हजारों युवाओं को जोड़ा गया है। अभी सीडीपीओ, एएमओ, शिक्षक, सिपाही आदि की हजारों नियुक्तियां निकलनी है। सरकारी, गैर-सरकारी-दोनों क्षेत्रों में युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ा गया है। युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए हमने ट्रेनिंग सेंटर, जो पहले जिला स्तर पर ही होता था, उसे प्रखंड स्तर पर खोलने का काम किया है। कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर हजारों युवा अपना भविष्य संवार रहे हैं। मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के अंतर्गत अब ग्रामीण क्षेत्रों में आवगमन भी आसान होगा। छात्र-छात्राएं, बुजुर्ग, आंदोलनकारियों, विधवा महिला आदि मुफ्त में इस योजना का लाभ ले पाएंगे। पूरे राज्य में हजारों किलोमीटर की ग्रामीण सड़कों को सुदृढ़ीकरण करने का कार्य भी किया जा रहा है।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

लगाम कसने की तैयारी

इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक ने मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाया है, लेकिन चूंकि यह अपने आप में एक निरपेक्ष माध्यम है, इसलिए इसका इस्तेमाल करने में वैसे लोगों को भी कोई अड़चन नहीं आती, जो इसके जरिए किसी को परेशान करते हैं और यहां तक कि आपराधिक हरकत भी करते हैं। हाल के दिनों में डीपफेक तकनीक के जरिए कुछ जानी-मानी हस्तियों की तस्वीर और वीडियो से छेड़छाड़ कर उनकी छवि बिगाड़ने की कोशिशों ने इस चिंता को बढ़ा दिया है कि इसकी सीमा आखिर कहां है! अच्छा यह है कि कुछ मामलों के सुर्खियों में आने के बाद इसकी गंभीरता के मद्देनजर सरकार ने इस मसले पर जरूरी सक्रियता का संकेत दिया है और अब वह डीपफेक पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाने जा रही है। गौरतलब है कि सरकार ने मंगलवार को डीपफेक तकनीक और भ्रामक सूचना के मुद्दे से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की सोशल मीडिया के मंचों के साथ समीक्षा करते हुए कहा कि अब इस मसले पर सौ फीसद अनुपालन को लेकर परामर्श जारी किया जाएगा। इसके तहत सोशल मीडिया मंचों को नए नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा और आनलाइन उपयोगकताओं के विश्वास और सुरक्षा पर ध्यान दिया जाएगा। दरअसल, फजीर्वाड़े के जरिए साइबर अपराधों के साथ-साथ इंटरनेट पर भ्रामक सूचनाओं का संजाल पहले ही एक जटिल समस्या के रूप में आम लोगों से लेकर सरकार तक के लिए मुश्किल पैदा करता रहा है। उसके अपने जोखिम हैं, जिसमें लोगों को गलत तरीके से प्रभावित करने से लेकर सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं को मनमर्जी से संचालित करने की आशंका जुड़ी है। इससे निपटने के लिए कुछ कदम उठाए गए, मगर उसका कोई ठोस हासिल नहीं दिख रहा था। इसके समांतर पिछले कुछ समय में डीपफेक तकनीक ने जैसे खतरे खड़े किए हैं, उसने सभी स्तर पर एक नई चिंता खड़ी की है। जिस तरह तथ्यों में हेरफेर करके या फिर झूठे ब्योरे परोस कर भ्रामक सूचनाओं के जरिए लोगों को एक अंधेरे में झोंका जाता रहा है। उसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से मीडिया सामग्री, तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ या डिजिटल हेराफेरी करके किसी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश किया जाता है। सिर्फ इतने से ही इसके खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है कि कोई व्यक्ति वीडियो में कुछ करता दिखता है, मगर वास्तव में वह उसमें नहीं होता है। समस्या यह है कि सोशल मीडिया के ज्यादातर मंच कृत्रिम मेधा के उच्चतर स्तर का प्रयोग करने के बावजूद ऐसी तकनीक के जरिए परोसी गई सामग्री की रोकथाम करने का तंत्र अब तक विकसित नहीं कर पाए हैं। कुछ सामग्रियों को लेकर तथ्य-जांच के नाम पर एक सीमा तक लोगों को सावधानी बरतने की सूचना दी जाती है, मगर वह एक आधी-अधूरी व्यवस्था है। कृत्रिम मेधा का विकास जिस स्तर तक हो चुका है, उसमें अलग-अलग स्वरूप वाले सोशल मीडिया मंचों को तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ कर प्रस्तुत की गई सामग्री की पहचान करने और उसे रोकने की व्यवस्था लागू करनी चाहिए। यह एक ओर उसके अपने ही उपयोगकताओं का विश्वास बनाए रखने के लिहाज से जरूरी है और साथ ही इससे असामाजिक या आपराधिक तत्त्वों पर लगाम भी लगाई जा सकेगी। कायदे से सरकारी दिशानिदेर्शों के बिना भी सोशल मीडिया मंचों को यह अपनी ओर से सुनिश्चित करना चाहिए था। अब अगर इस मसले पर सरकार को दखल देने की जरूरत पड़ी है तो यह भी ध्यान रखना चाहिए कि वह केवल चिंता जताती या साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने की बात करती न दिखे, बल्कि जमीनी स्तर पर भी कोई ठोस व्यवस्था लागू हो।

साइबर ठगी से सावधान

इंटरनेट और स्मार्टफोन के विस्तार के साथ साइबर अपराधों में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसा ही एक अपराध है लोगों को ऑनलाइन काम का लोभ दिखाकर उन्हें ठग लेना। घर बैठे कमाने और पार्ट-टाइम काम का लालच देकर लोगों को ठगने का सिलसिला कोरोना महामारी के बाद से तेजी से फैला है। इसे रोकने के क्रम में भारत सरकार ने सूचना तकनीकी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए सौ से अधिक वेबसाइटों पर पाबंदी लगा दी है। उल्लेखनीय है कि डाटा चुराने वाले, कर्ज देकर लोगों को फंसाने वाले, अवैध ऑनलाइन गेमिंग वाले तथा खातों में सेंध लगाने वाले कई एप को सरकार प्रतिबंधित कर चुकी है। धोखाधड़ी करने वाले अधिकतर एप की तरह ताजा आदेश में बंद किये गये वेबसाइटों का संचालन भी दूसरे देशों से किया जा रहा था। लोगों को धोखा देने के लिए ये वेबसाइटें डिजिटल विज्ञापन सेवाओं, चैट करने और संदेश वाले एप तथा भ्रामक विशाल मीडिया खातों का दुरुपयोग धड़ल्ले से कर रही थीं। सरकार की कार्रवाई की सूचना देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने आश्वस्त किया है कि 'साइबर सेफ इंडिया' बनाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की प्राथमिकताओं में है। उल्लेखनीय है कि देश के सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में पुलिस विभाग में अलग से साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए इकाइयां बनायी गयी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट द्वारा निगरानी के जाती है। धोखाधड़ी करने वाले आम तौर पर सेवानिवृत्त लोगों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को आसान ऑनलाइन काम का लालच देकर फंसाते हैं। शुरू में उन्हें कुछ पैसे दिये जाते हैं और उनका भरोसा बढ़ाया जाता है। उसके बाद अधिक कमाई की संभावना बताकर उनसे अधिक निवेश करने को कहा जाता है। उस पैसे को लेकर अपराधी गायब हो जाते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

एयरलाइन कंपनियों ने क्रिसमस और नए साल पर हवाई किराया घटाया

- 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच हवाई किराया पिछले साल की तुलना में 28 फीसदी कम

नई दिल्ली । दिल्ली-मुंबई, मुंबई-बेंगलूरु और मुंबई-चेन्नई जैसे प्रमुख घरेलू मार्गों पर 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच हवाई किराये में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 28 फीसदी तक नरमी दिख रही है। विमानन उद्योग के अधिकारियों के अनुसार हवाई किराये में यह बदलाव दीवाली से पहले हुई गलती का पे रिणाम है। इस साल त्योहारों से एक या दो महीने पहले इन कंपनियों ने किराया ज्यादा ही रखा था ताकि उन्हें प्रति यात्री प्रति किलोमीटर औसत आय बरकरार रखने में मदद मिल सके। मगर उनकी यह रणनीति कारगर साबित नहीं हुई क्योंकि तारीख नजदीक आने के साथ ही यानी विमान में यात्रियों की संख्या घटने लगी। ऐसे में अधिक से अधिक टिकट बुक कराने और खाली सीटें भरने के लिए दीवाली के आसपास उन्हें तुरंत बुकिंग पर किराया कम करना पड़ा। उस गलती से सीख लेकर विमानन कंपनियां सुधरने की कोशिश कर रही हैं। विस्तारा ने इस साल 11 दिसंबर से अगले साल 30 सितंबर के बीच देश के भीतर सफर के लिए तीन दिन की सेल शुरू कर दी। पिछले दो महीनों में विमान ईंधन (एटीएफ) भी सस्ता हुआ है। इससे विमानन कंपनियों को क्रिसमस वाले हफ्ते में किराया कम रखने में मदद मिली है। 1 अक्टूबर को विमान ईंधन की कीमत दिल्ली में 1.18 लाख रुपये प्रति किलोलीटर थी, जो 1 दिसंबर तक घटकर 1.06 लाख रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। दिल्ली-मुंबई मार्ग भारत का सबसे व्यस्त हवाई मार्ग है, जिस पर हर हफ्ते करीब 730 उड़ानें आती-जाती हैं। यात्रा पोर्टल इग्जिगो से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मार्ग पर 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच सफर के लिए यात्रा से एक महीने पहले टिकट बुक कराने पर औसत हवाई किराया साल भर पहले के मुकाबले करीब 2 फीसदी कम था। मुंबई-बेंगलूरु मार्ग भी भारत के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है। इग्जिगो के अनुसार इस मार्ग पर 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच का टिकट महीने भर पहले बुक कराने पर केवल 4,662 रुपये में मिल रहा था, जो पिछले साल की टिकट कीमत से करीब 24 फीसदी कम है। इस साल दीवाली 12 नवंबर को थी और क्रिसमस हर साल 25 दिसंबर को मनाया जाता है।

भारतीय स्टार्टअप को 2023 में फं डिंग में 72 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली ।

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टेक स्टार्टअप 2023 में फंडिंग 72 फीसदी की गिरावट के साथ पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्टअप्स को केवल 7 बिलियन डॉलर ही हासिल हुए, जो पिछले साल के 25 बिलियन डॉलर से काफी कम है। रिपोर्ट में सभी स्टार्टअप स्टेज में फंडिंग में गिरावट देखी गई। लेट-स्टेज फंडिंग में 73 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, शुरुआती स्टेज की फंडिंग में 70 फीसदी की गिरावट आई और सीड-स्टेज फंडिंग में 60 फीसदी की गिरावट आई। नतीजतन भारत 2023 में सबसे ज्यादा फंडेड क्षेत्रों की वैश्विक रैंकिंग में 5वें स्थान पर फिसल गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछली तिमाही में अब तक की सबसे कम फंडिंग थी। यह 2016 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे कम फंडिंग वाली तिमाही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फंडिंग में गिरावट मुख्य रूप से लेट-स्टेज फंडिंग में महत्वपूर्ण गिरावट के कारण हुई है, जो 2022 में 15.6 बिलियन डॉलर से 73 फीसदी से अधिक घटकर 2023 में 4.2 बिलियन डॉलर हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रिकॉर्ड किए गए 100 मिलियन से ज्यादा राउंड की संख्या केवल 17 रही, जो पिछले साल की तुलना में 69 प्रतिशत कम है। स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच और कैशलेस अर्थव्यवस्था की दिशा में सरकार की पहल से प्रेरित फिनटेक को 2023 में अब तक 2.1 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है, जो पिछले साल की समान अवधि से 5.8 बिलियन डॉलर कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लीडिंग पेमेंट कंपनी फोन पे ने कुल 750 मिलियन डॉलर हासिल करके इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा फंडिंग उठाने वाली फर्म के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है।

यह राशि सेक्टर को प्राप्त कुल फंडिंग का 38 फीसदी है। अन्य कुछ कंपनियों जैसे पर्फियोस, इंश्योरेंसदेखो और क्रेडिटबी ने भी फोनपे के बाद ठीक-ठाक फंडिंग हासिल की।

कोका कोला अहमदाबाद में लगाएगी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

- साणंद में प्लांट स्थापित करने 3000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी बेवरेज मैन्युफैक्चरर, कोका-कोला कंपनी (टीसीसीसी) अहमदाबाद से 32 किमी दूर साणंद में एक बेवरेज और कंसन्ट्रेट प्लांट स्थापित करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कोका-कोला अपनी एक सहायक कंपनी इंटरनेशनल रिफेशमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करेगी।` रिपोर्ट के मुतो बिक गुजरात सरकार में अपने सूत्रों के हवाले से कहा कि भूमि का एक टुकड़ा (एसएम-52) जिसका आकार 1,60,000 वर्ग मीटर है, कंपनी द्वारा साणंद औद्योगिक एस्टेट-2 में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए अधिग्रहित किया गया है। रिपोर्ट में राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि कोका-कोला ने पहले ही गुजरात में अपने बॉटलिंग पार्टनर्स के माध्यम से दो बड़े निवेश किए हैं। सरकार ने मंजूरी की प्रक्रिया को तेज कर दिया है और पहले ही कंपनी को भूमि आवंटन कर दिया है। कोका-कोला कंपनी के पास साणंद के अलावा अपने बॉटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज लिमिटेड के माध्यम से गोबलेज में पहले से ही एक प्लांट है, जो अहमदाबाद से लगभग 33 किमी दूर है। टीओसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों प्लांट कुल 18 करोड़ डॉलर के निवेश पर स्थापित किए गए थे।

अखबार ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि साणंद में स्थापित होने वाला प्लांट रोबोटिक टेक्नॉलजी के माध्यम से पूरी तरह से ऑटोमेटिक होगा। प्लांट में आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करेगी। अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि साणंद में स्थापित होने वाला आगामी प्लांट रोबोटिक तकनीक से पूरी तरह ऑटोमेटिक होगा। प्लांट में ऐसे उपकरणों का उपयोग किया जाएगा जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाते हैं। इससे मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस की रियल टाइम पर निगरानी और नियंत्रण हो सकेगा।

गन्ने पर प्रतिबंध से एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य प्रभावित नहीं होगा

नई दिल्ली ।

अधिकारियों का कहना है कि एथनॉल बनाने में गन्ने के रस पर प्रतिबंध लगाने से इसके मिश्रण का लक्ष्य प्रभावित नहीं होगा। एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 में सरकार का एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 20 फीसदी है। सरकार ने हाल ही में सभी चीनी मिलों को इस साल एथनॉल बनाने के लिए गन्ने का रस या शीरे का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था। अक्टूबर में चीनी सत्र 2023-24 शुरू हुआ जबकि एथनॉल आपूर्ति वर्ष नवंबर में आरंभ हुआ था। हालांकि बी हेवी और सी हेवी शीरे से एथनॉल बनाने की इजाजत दे दी गई है।

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि चीनी मिलों को सी हेवी शीरे से उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। हालांकि बी-हेवी शीरे के लिए हालिया आदेश जारी रहेगा। चोपड़ा ने कहा था कि बीते एक डेढ़ महीने में

चीनी का उत्पादन गिर गया है। यह वर्ष 2023-24 सत्र में और नीचे आने की उम्मीद है। उन्होंने स्थिति पर नजर रखने के लिए मासिक समीक्षा प्रणाली बनाने की जरूरत पर बदल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने चंदा कोचर की अंतरिम जमानत जारी रहने पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कथित वीडियोकॉन ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ और एमडी चंदा कोचर को दी गई 11 महीने की अंतरिम जमानत जारी रखने पर नाराजगी जताई। शुरुआत में न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और एस.सी. शर्मा की पीठ के समक्ष कोचर की ओर से स्थगन का अनुरोध किया गया। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से पूछो ` कि क्या अंतरिम जमानत अभी भी जारी है? आप विरोध क्यों नहीं कर रहे? इस पर एएसजी राजू ने कहा कि सीबीआई आपत्ति जता रही है। अंतरिम आदेश को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत देने का आधार अपने आप में गलत है और इसलिए इसे सीबीआई द्वारा शीर्ष अदालत में चुनौती दी जा रही है। शीर्ष अदालत ने आखिरी मौका देते हुए कहा कि वह इस मामले पर 11 दिसंबर को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत के समक्ष एक विशेष अनुमति याचिका में,

सीबीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कोचर और उनके पति दीपक कोचर को इस आधार पर न्यायिक हिरासत से रिहा करने का निर्देश दिया गया था कि की गई गिरफ्तारी कानून के अनुसार नहीं थी। केवल दो सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देने का 9 जनवरी का हाईकोर्ट का आदेश अभी भी जारी है। चंदा कोचर और उनके परिवार पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वीडियोकॉन समूह को दिए गए ऋण के बदले में रिश्वत प्राप्त की थी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जूट पैकेजिंग मानदंडों को मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जूट वर्ष 2023-24 के लिए अनिवार्य पैकेजिंग मानदंडों को मंजूरी दी। इसके तहत 100 प्रतिशत खाद्यान्न और 20 प्रतिशत चीनी की जूट की थैलियों में पैकिंग करना अनिवार्य होगा। इस निर्णय से जूट मिलों और सहायक इकाइयों में कार्यरत चार लाख श्रमिकों को राहत मिलने के साथ ही लगभग 40 लाख किसान परिवारों को समर्थन मिलेगा। जूट वर्ष एक जुलाई से 30 जून तक होता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि इस प्रस्ताव से भारत में कच्चे जूट और जूट पैकेजिंग सामग्री के घरेलू उत्पादन क्षेत्र के हितों की रक्षा होगी। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए विज्ञप्ति में कहा गया` कि जूट वर्ष 2023-24 के लिए अनुमोदित अनिवार्य पैकेजिंग मानदंडों के तहत 100 प्रतिशत खाद्यान्न और 20 प्रतिशत चीनी की जूट की थैलियों में पैकिंग करना होगा। इस निर्णय से पर्यावरण की रक्षा में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार खाद्यान्नों की पैकिंग के लिए हर साल लगभग 12,000 करोड़ रुपये के जूट बोरे खरीदती है।

इंडीग्रिड ने आईपी के जरिए 670 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । बिजली क्षेत्र की बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट इंडीग्रिड ने संस्थागत नियोजन (आईपी) के जरिये 670 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि भारत के पहले सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध बिजली क्षेत्र के बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) ने सेबी द्वारा निर्धारित संस्थागत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से सफलतापूर्वक 670 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बयान के अनुसार पांच दिसंबर को शुरू हुई आईपी में मौजूदा और नए भारतीय और वैश्विक संस्थागत निवेशकों, दोनों की ओर से मजबूत मांग देखी गई। इंडीग्रिड ने सितंबर, 2023 में तरजीही निर्गम के जरिए 400 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। हाल ही में संपन्न संस्थागत नियोजन के साथ कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में सफलतापूर्वक 1,070 करोड़ रुपये का इक्विटी कोष जुटाया है। इंडीग्रिड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा` कि धन जुटाने की इस प्रक्रिया में हमें अपने यूनिट धारक आधार का विस्तार करने में मदद की है, जिसमें बीमा कंपनियों, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड और घरेलू संस्थानों के दीर्घकालिक निवेशकों से लेकर इंडीग्रिड के निवेशक आधार तक 90 प्रतिशत से अधिक की मांग शामिल है। हाल ही में संपन्न संस्थागत नियोजन और तरजीही आवंटन से प्राप्त आय का उपयोग ऋण को कम करने के लिए किया जाएगा।

प्याज के लिए निर्यात नीति 31 मार्च 2024 तक प्रतिबंधितः डीजीटीएफ

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि कीमतें नियंत्रण से बाहर न हो। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीटीएफ) ने एक अधिसूचना में कहा कि प्याज के लिए निर्यात नीति को 31 मार्च 2024 तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि, डीजीएफटी ने कहा कि अन्य देशों को उनके अनुरोध के आधार पर सरकार द्वारा दी गई अनुमति के तहत प्याज के निर्यात की अनुमति दी जाएगी। प्याज के शिपमेंट, जिनकी लोडिंग इस अधिसूचना से पहले शुरू हो गई थी, को निर्यात करने की अनुमति है। इसके अलावा ऐसे मामलों में जहां शिपिंग बिल दाखिल किया गया है और जहाजों ने प्याज की लोडिंग के लिए पहले से ही भारतीय बंदरगाहों पर रखा है। इस अधिसूचना से पहले उनकी रोटेशन संख्या आवंटित की गई है कि निर्यात के लिए शिपमेंट की भी अनुमति है। सरकार ने पहले बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के प्रयास में निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए 31 दिसंबर 2023 तक 800 डॉलर प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया था।

बीते सप्ताह सेंसेक्स में रही तेजी, बैंक निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

मुंबई ।

बीता सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा। विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद जोरदार तेजी के साथ शुरू हुए बाजार सप्ताह के ओ खिरी दिन शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुए। ऐतिहासिक सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन भी एक नया रिकॉर्ड दर्ज हुआ और यह कीर्तिमान बनाया बैंक निफ्टी इंडेक्स ने बनाया। शुक्रवार के कारोबार के दौरान बैंक निफ्टी इंडेक्स 0.7 फीसदी उछलकर 47,170.25 अंक के स्तर तक पहुंच गया। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को सेंसेक्स 1,248.89 अंकों की बढ़त के साथ 68,745.67 के रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 1,383.93 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 68,865.12 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 386.70 अंक उछलकर पहली बार 20,654.60 के पार खुला और 418.90 अंक मजबूत होकर 20,686.80 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 297.70 अंकों तेजी के साथ 69,190.86 के स्तर पर खुला और 431.02 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 69,296.14 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 101.11 अंक मजबूत होकर 20,787.90 के लेवल पर खुला और 168.30 अंक मजबूत होकर 20,855.10 के नए रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ। बाजार के प्रमुख इंडेक्स बुधवार के कारोबारी दिन भी नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 303 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 69,599 पर खुला और 357.59

अंक की मजबूती के साथ 69,653.73 अंक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 100 अंकों की बढ़त के साथ 20,955 के स्तर पर खुला और 82.60 अंक चढ़कर 20,937.70 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 69,444 पर खुला और 117 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ 69,536 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 56 अंक फिसलकर 20,881 पर खुला और 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 20,911 पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 120 अंक मजबूत होकर 69,600 पर खुला और 303.91 अंक की बढ़त के साथ 69,825.60 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 45 अंक की बढ़त के साथ 20,950 पर खुला और 68.25 अंक की बढ़त के साथ 20969.40 के स्तर पर बंद हुआ।

उच्च आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखने निजी निवेश जरूरीः सीईए

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अगर निजी पूंजी निर्माण में तेजी आती है, तो भारत की आर्थिक वृद्धि तेज हो सकती है। नागेश्वरन ने कहा कि कोविड महामारी के बाद कंपनियों की वित्तीय बैलेंस शीट सकारात्मक रही है। उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा` कि आर्थिक वृद्धि के लिए हमें निवेश व्यय की जरूरत है। अगर बहुप्रतीक्षित निजी पूंजी निर्माण बढ़ जाए तो भारत की आर्थिक वृद्धि तेज हो सकती है। सीईए ने बताया कि निजी कॉरपोरेट क्षेत्र में विश्वास पैदा करने के लिए सरकार ने 2019 में कॉरपोरेट कर की दर कम कर दी थी। नागेश्वरन ने निजी क्षेत्र से अनिश्चितता को स्वीकार करने और सक्रिय रूप से निवेश करने का आग्रह किया।

जीक्यूजी पार्टनर्स जीएमआर एयरपोर्ट्स में 4.7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । जीक्यूजी पार्टनर्स जीएमआर एयरपोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर में 4.7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी कर रही है। इस खबर से जीएमआर समूह की कंपनी का शेयर 12 फीसदी चढ़कर 69 रुपये पर पहुंच गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार अदाणी समूह में दांव लगाकर सुर्खियों में आई अमेरिकी निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने जीएमआर एयरपोर्ट्स में 59.1 रुपये प्रति शेयर पर 1,672 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जीक्यूजी ने इस साल कई भारतीय कंपनियों में अपना निवेश बढ़ाया है। उसने सबसे बड़ा दांव अदाणी समूह के शेयरों पर लगाया है। मार्च के बाद अदाणी समूह की विभिन्न कंपनियों में जीक्यूजी के निवेश को अच्छा प्रतिफल मिला है। इस निवेश फर्म ने अदाणी समूह की पांच कंपनियों में करीब 4.2 अरब डॉलर का निवेश किया है। अदाणी समूह के शेयरों में हालिया तेजी के बाद उसके निवेश का मूल्य करीब 75 फीसदी बढ़कर 7.5 अरब डॉलर हो चुका है। जीक्यूजी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 1,527 करोड़ रुपये के निवेश से 2.6 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। इसके अलावा उसने पतंजलि फूड्स में 2,400 करोड़ रुपये के निवेश से करीब 6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है।

म्युचुअल फंडों के पास मौजूद संपत्तियां पहली बार 20 लाख करोड़ के पार

- बीते महीने इसमें रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ का इजाफा हुआ

नई दिल्ली । म्युचुअल फंडों (एमएफ) के पास मौजूद संपत्तियां (एयूएम) नवंबर में पहली बार 20 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गईं। शेयर बाजार में लगातार तेजी के कारण बीते महीने इसमें रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। नवंबर में निफ्टी 500 में आई तेजी से एयूएम में 8 फीसदी का उछाल आई है। म्युचुअल फंडों के संगठन एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च ओ खिर की एयूएम के मुकाबले एक्टिव इक्विटी योजनाओं की संपत्तियां 34 फीसदी या 5.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ी हैं। शेयर बाजार में मार्च के बाद आई तेजी और फंडों में निवेश बढ़ने से एयूएम में जोरदार इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में 30 नवंबर तक निफ्टी 15.7 फीसदी और सेंसेक्स 13.4 फीसदी बढ़ा है। इन 8 महीनों में म्युचुअल फंडों ने एक्टिव इक्विटी योजनाओं में 95,800 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया है, जो वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि में 90,680 करोड़ रुपये था। नवंबर में एक्टिव इक्विटी योजनाओं में 15,536 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो अक्टूबर की तुलना में 22 फीसदी कम है मगर चालू वित्त वर्ष के औसत से ज्यादा है।

नवंबर में सकल निवेश 11 फीसदी कम होकर 38,885 करोड़ रुपये रहा। इन योजनाओं से निकासी लगभग 23,350 करोड़ रुपये रही, जो अक्टूबर में भी करीब इतनी ही थी। बाजार के जानकारों के मुतो बिक दीवाली और बैंक में छुट्टियों के कारण संभवत- नवंबर में इक्विटी योजनाओं में निवेश प्रभावित हुआ है। कई संपत्तियों में आवंटन श्रेणी वाली योजनाओं में निवेश जारी रहा। एसआईपी ने भी नए निवेशक आकर्षित किए। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेशकों ने जमकर पैसे लगाए और नवंबर में इसमें कुल 17,073 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ।

अदालत ने एसडीबी से 100 करोड़ की बैंक गारंटी देने को कहा

सूरत । सूरत डायमंड बुअस (एसडीबी) को एक अदालत ने कथित रूप से 631.32 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान नहीं करने पर एक निर्माण फर्म को 100 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी देने को कहा है। एसडीबी के खिलाफ पीएसपी प्रोजेक्ट्स ने अदालत में अपील की थी, जिसने सूरत शहर के पास एसडीबी भवन का निर्माण किया था। इसे दुनिया की सबसे बड़ी कार्यालय इमारत के रूप में जाना जाता है। सूरत के विशेष वाणिज्यिक न्यायाधीश ने छह दिसंबर के आदेश में एसडीबी को सात कार्य दिवसों में 100 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी देने का निर्देश दिया है। कंपनी ने अदालत के सामने आरोप लगाया कि एक साल पहले निर्माण पूरा करने और एसडीबी को इमारत का कब्जा सौंपने के बाद भी उसके प्रबंधन ने 538.59 करोड़ रुपये का अंतिम भुगतान नहीं किया।

बचपन

बायां कान छू लिया तो हो गया एडमिशन

बहुत साल पहले की बात है। उस समय में जन्मदिन तिथियों के तौर पर याद रखे जाते थे। तिथियां बदलती थीं तो बच्चे की ठीक-ठीक आयु बता पाना मुश्किल होता था। अब स्कूल कब भेजें, किस उम्र में, यह सवाल उठा, तो हमारे ज्ञानी गुरुजनों ने इसका एक तरीका निकाला। स्कूल में दाखिले के समय बच्चे से कहा जाता कि अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बायां कान छुओ। अगर बच्चा ऐसा कर पाता तो उसे दाखिला मिल जाता। यह मामूली टेस्ट नहीं है। समझदारी का बिलकुल सरल परीक्षण है।

बच्चे की समझ और उसके शरीर व मस्तिष्क की परिपक्वता को देखते हुए ही उसका किसी स्कूल में दाखिला कराया जाता था। समझ को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग क्लासेस होती हैं। केजी 1, केजी 2, फिर पहली कक्षा और इसी तरह दूसरी, तीसरी और आगे की तमाम कक्षाएं।

दरअसल, कक्षाओं पर आधारित शिक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी जो भी सीखें उसे एक सिलसिलेवार तरीके से सीखें। अलग-अलग कक्षा के होने से हमें उसी के अनुरूप या फिर यूं कहें कि समकक्ष संगी-साथी मिलते हैं। सोचो, अगर आपको पहली कक्षा में न बैठाकर सीधे आठवीं या दसवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ बैठा दिया जाए तो कैसा लगेगा? विभिन्न कक्षाओं के होने से कोई भी बच्चा क्रमश धीरे-धीरे चीजों को सीखता है। कक्षाएं होने से विद्यार्थी की समझने की क्षमता के अनुरूप ही विषय सामग्री बनाई जाती है, ताकि उस विषय सामग्री यानी किताबें, कोर्स आदि उस दरे के बच्चे को समझने में दिक्कत न करें। कक्षाओं के होने से आपको एक फायदा भी है। आपके पड़ोस में रह रहे राहुल को भी वहीं चीजो पढ़नी होती हैं। भले ही वो आपसे पढ़ने में कितना ही तेजी से क्यों न हो। इस तरह आप अपनी ही आयु के अन्य बच्चों से काफी कुछ सीख भी सकते हैं। अपनी ही आयु के बच्चों के साथ एक क्लास में बैठने से खुद को सहज भी महसूस करते हैं। यानि क्लास रूम वो स्थान है जहां सभी एक आयु के, एक-सा कोर्स पढ़ने वाले और एक सी ही परीक्षा देने वाले, कोई बड़ा-छोटा नहीं, कोई भेदभाव नहीं।

पेड़ पौधे भी देते हैं सीख

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारें सब शामिल हैं। ये सभी हमें जीवन देते हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। बिना कुछ कहे ही ये हमें सब कुछ बताते हैं बस जरूरत है तो उन्हें समझने की।

धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं।

पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ के फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं। इस तरह से ये हमें सुरक्षा और परोपकार की सीख देते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी इन्हें खुद पर और अपनी काबलियत पर नाज होता है। यानि आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं। पेड़ो से आप ये चार चीजें और भी सीख सकते हैं। ऑक्सीजन आपको जीवन देती हैं परन्तु यदि आपमें आत्मनिर्भता, सुरक्षा जैसे गुण आ जाएं तो आप अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

पहेलियां

1. मूझमें भार सदा ही रहता
   जगह घेरना मुझको आता
   हर वस्तु से गहरा रिश्ता
   हर जगह मैं पाया जाता।
2. ऊपर से नीचे बहता हूं
   हर बर्तन को अपनाता हूं
   देखो मुझको गिरा न देना
   वरना कठिन हो जाएगा
   भरना।
3. लोहा खींचू ऐसी ताकत है
   पर रबड़ मुझे हराता है
   खोई सूई में पा लेता हूं
   मेरा खेल निराला है।

उत्तर
1. गैस, 2. द्रव्य, 3. कांच

जैरी भाग, टॉम आया, टॉम बच, जैरी आया

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। दोनों किसी का कुछ बिगाड़ना नहीं चाहते, बस, छीनना चाहते हैं, तो एक-दूजे का सुकून। यानि बस तंग करना ही मकसद है। इनके खेल बड़े मज़ेदार होते हैं। आपको भी पंसद हैं न। तो चलिए, कुछ जानते हैं इनके बारे में -

गर्मी के दिन थे। जैरी अपने घर में चादर ओढ़े आराम से सो रहा था। तभी उसके नाक में पनीर की खुशबू ने प्रवेश किया। पनीर उसे बहुत पसंद था, वह पलंग से उछल पड़ा और उस दिशा में चल पड़ा, जहां से खुशबू आ रही थी। अपने घर के छोटे-से दरवाजे से निकलते ही उसे सामने पनीर का एक बड़ा टुकड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से उछल पड़ा, हुरर्र्..। उसके मुंह से लार टपकने लगी। जैसे ही उसने टुकड़े की ओर हाथ बढ़ाया, वैसे ही पीछे से टॉम ने उसे पकड़ लिया। जैरी समझ गया था कि टॉम ने ही उसे पनीर का लालच देकर फंसाया है। टॉम ने जैसे ही जैरी को खाने के लिए अपना मुंह खोला, जैरी ने उसके मूंछों के बालों को ज़ोर से खींच दिया। दर्द के कारण जैरी के हाथों से टॉम छूट गया। जैरी भागा और टॉम भी उसके पीछ-पीछे भागा। इस तरह फिर से शुरू हो गया चूहे-बिल्ली का वह खेल, जिसके करोड़ो बच्चे दीवाने हैं।

टॉम एंड जैरी का जन्म

जोसफ बारबेरा बैंकिंग हमेशा कागज़ों पर आड़ी-तिरछी लकीरें खींचकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया करते थे। हालांकि, उनका मकसद बैंकिंग के क्षेत्र में काम करने का था लेकिन उनको काटरून बनाने का भी काफी शौक था। उनके काटरून जल्द ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने भी लगे। 1930 के दशक के आखिरी में मैट्रो गोल्डवेन मेयर फिल्म स्टूडियो में उनकी मुलाकात हाना से हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने एक ऐसा कार्टून सीरियल बनाने का सोचा, जो एक घरेलू बिल्ली और एक चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केन्द्रित हो। इसी सोच के साथ उन्होंने टॉम एंड जैरी काटरून पात्रों को छोटे पर्दे पर साकार किया।

जोसेफ-हाना की जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

मज़ेदार है चूहे-बिल्ली की यह खेल

एक शरारती चूहा और एक खुराफाती बिल्ली, अगर एक ही घर में हों, तो दिलचस्प घटनाओं की भरमार हो जाती है। टॉम एंड जैरी के द्वारा एक दूसरे का पीछा करने और आपसी लड़ाई में हास्यास्पद भिड़ंत शामिल है। इसी कारण 70 सालों से लेकर आज तक यह दुनियाभर में न केवल बच्चों द्वारा बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी पसंद किया जाता है। भारत में इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि टॉम एंड जैरी के कार्यम हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी प्रसारित किए जाते हैं।

आखिर यह भाग-दौड़ क्यों?

प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। इनको देखकर यह समझना मुश्किल है कि आखिर ?यों टॉम, जैरी का इतना अधिक पीछा करता है। काटरून को देखकर जो अंदाज़ा लगाया जा सकता है, उसके हिसाब से कुछ कारणों में एक बिल्ली का एक चूहे के साथ बैर, अपने मालिक के आदेश का पालन, टॉम को सौंपे गए कार्यों को जैरी द्वारा बिगाड़ने की कोशिश, जैरी द्वारा टॉम के मालिक का भोजन खा जाना, जिसकी निगरानी का जिम्मा टॉम को सौंपा गया है, दूसरे को चिढ़ाने की भावना, जेरी द्वारा टॉम के अन्य संभावित शिकारों (जैसे कि बतख, चिड़िया या मछली) को खाए जाने से बचाना, दूसरी बिल्ली से प्रतिस्पर्धा आदि शामिल हैं।

थोड़ी तकरार-थोड़ा प्यार

ऐसा नहीं है कि यह जोड़ी हमेशा लड़ाई ही करती रहती है, कभी-कभी ये दोनों वास्तव में एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह व्यवहार करते भी दिखाई देते हैं। 'जैरी एंड द लॉयन' में जब जेरी को एक शरारत सूझती है और वह मरने का नाटक करने लगता है, जिससे कि टॉम यह सोचे कि उसने जैरी को गोली मार दी है। जैरी को लेटा देखकर टॉम प्राथमिक चिकित्सा किट लेकर दौड़ता हुआ आता है। इससे पता चलता है कि टॉम और जैरी में तकरार के बाद भी प्यार छिपा हुआ है। साथ ही दिलचस्प बात यह है कि कई सारे चित्रों में भी टॉम तथा जैरी एक दूसरे पर मुस्कुराते हुए दिखाए गए हैं, जो प्रत्येक काटरून में दूसरे पर प्रदर्शित अत्यधिक झुंझलाहट के बजाय प्यार-तकरार का रिश्ता अंकित करता है।

जैरी की चालाकी और किस्मत की वजह से टॉम शायद ही कभी जैरी को पकड़ने में सफल हो पाएगा, लेकिन इतना तो अवश्य है कि इन दोनों के दौड़-भाग का यह खेल हमेशा लोगों को गुदगुदाता रहेगा।

टॉम एंड जेरी कौन हैं?

टॉम का असली नाम थॉमस है, जो कि नीली-स्लेटी आंखों वाला ब्रिटिश घरेलू बिल्ला है। जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। शुरुआती कहानियों में टॉम का नाम जैस्पर और जैरी का जिंक्स था। टॉम को गुस्सा जल्दी आता है, जबकि जैरी अवसरवादी और खुशदिल है। वैसे तो कहा जाता है कि बिल्लियां बड़ी चालाक होती हैं, लेकिन टॉम और जैरी की कहानी में टॉम की हर फुर्ती को जैरी का दिमाग बड़ी आसानी से हरा देता है। हालांकि, हर कहानी में जीत जैरी की होती है लेकिन कहीं अगर जैरी अपनी सीमाएं तोड़ देता है, या कहीं किसी बुराई का साथ दे बैठता है, तो टॉम की विजय भी होती दिखाई देती है।

मनोविज्ञानी कहीं-कहीं इस चूहे-बिल्ली की कहानी को महज़ शरारत नहीं मानते। यह दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कहानी भी बन जाती है। उनका कहना है कि बच्चों को सिर्फ शो का मज़ा लेना चाहिए। किसी भी तरह से ऐसे खेलों को अपने दोस्तों या बच्चों के साथ नहीं खेलना चाहिए। टॉम एंड जैरी के खेल काल्पनिक हैं, इनकी नकल करना घातक हो सकता है।

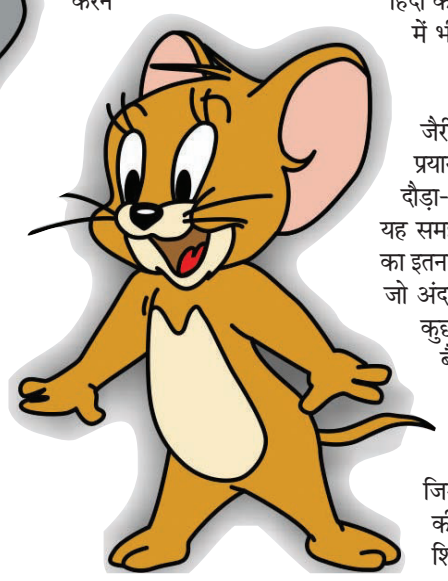

जाने डॉल्फिन के बारे में

डॉल्फिन को हम अक्सर मछली कहते है परन्तु वास्तव में डॉल्फिन एक मछली नहीं है। वह तो एक स्तनधारी प्राणी है। जिस तरह व्हेल एक स्तनधारी प्राणी है वैसे ही डॉल्फिन भी इसी कैटेगरी में आती है। यह एक छोटी व्हेल की ही तरह है। डॉल्फिन का रहने का ठिकाना संसार के समुद्र और नदियां हैं।

डॉल्फिन को अकेले रहना पसंद नहीं है यह सामान्यतः समूह में रहना पसंद करती है। इनके एक समूह में 10 से 12 सदस्य होते हैं। हमारे भारत में डॉल्फिन गंगा नदी में पाई जाती है लेकिन गंगा नदी में मौजूद डॉल्फिन अब विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की एक बड़ी खासियत यह है कि यह कंपन वाली आवाज निकालती है जो किसी भी चीज से टकराकर वापस डॉल्फिन के पास आ जाती है।

इससे डॉल्फिन को पता चल जाता है कि शिकार कितना बड़ा और कितने करीब है। डॉल्फिन आवाज और सीटियों के द्वारा एक दूसरे से बात करती हैं। यह 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तैर सकती है। डॉल्फिन 10-15 मिनट तक पानी के अंदर रह सकती है लेकिन वह पानी के अंदर सांस नहीं ले सकती। उसे सांस लेने के लिए पानी की सतह पर आना पड़ता है।

थाईलैंड, श्रीलंका और मलेशिया के बाद अब इंडोनेशिया भी भारत के लोगों को बिना वीजा देगा एंट्री

नई दिल्ली। दुनिया के फलक पर बढ़ती भारत की धाक का ही परिणाम है कि कई देश भारत के लोगों को बिना वीसा के प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं। थाईलैंड,श्रीलंका,मलेशिया के बाद अब इंडोनेशिया भी भारत के लोगों को बिना वीसा के एंट्री देने जा रहा है। इंडोनेशियाई पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, एक महीने के अंदर इस फैसले पर मुहर लग सकती है। इंडोनेशिया ने यह फैसला भारतीय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडोनेशिया के पर्यटन मंत्री सैंडियागा यूनो ने गुरुवार को कहा कि उन्हें सरकार से कुछ देशों के पर्यटकों के लिए वीजा फ्री एंट्री देने पर विचार करने के निर्देश मिले हैं। इंडोनेशिया अपने पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस सहित 20 देशों के नागरिकों को वीजा फ्री एंट्री देने पर विचार कर रहा है। इंडोनेशिया के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोविड महामारी से पहले 2019 में लगभग एक करोड़ 60 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक इंडोनेशिया आए। वहीं, इस साल जनवरी से अक्टूबर तक लगभग एक करोड़ विदेशी पर्यटक इंडोनेशिया आए। अगर इसकी तुलना पिछले साल की इसी अवधि से की जाए तो पर्यटकों की संख्या में लगभग 124 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया का यह फैसला इसलिए भी मायने रखता है, क्योंकि हाल ही में मुस्लिम बहुल देश मलेशिया ने भी चीन और भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा फ्री एंट्री देने की घोषणा की है। इससे पहले सितंबर में इंडोनेशिया ने विदेशी व्यक्तियों और कॉरपोरेट निवेशकों को लुभाने के लिए गोल्डन वीजा की घोषणा की थी। मलेशिया से पहले उसके पड़ोसी देश थाईलैंड ने भी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा ही एक कदम उठाया था। थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का बड़ा योगदान है लेकिन कोविड के कारण उसके पर्यटन सेक्टर को बड़ा धक्का लगा है। पर्यटन सेक्टर को पुनर्जीवित करने के लिए थाईलैंड ने भारत, चीन समेत कई देशों के नागरिकों को वीजा फ्री एंट्री देना शुरू किया है।

घाटी में शीत लहर जारी, कश्मीर के तापमान में आई गिरावट

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में इन दिनों शीत लहर जारी है। यहां तापमान काफी कम हो गया है। आईएमडी से मिली जानकारी के अनुसार केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जिससे पूरी घाटी में शीत लहर जारी है। मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दक्षिण कश्मीर का शोपियां कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, यहां तापमान शून्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में रात का तापमान शून्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग से जारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि कुपवाड़ा में रात का तापमान शून्य से 3.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में 11 दिसंबर को मौसम शुष्क रहने और आगामी दिनों में तापमान में गिरावट आने के आसार हैं और अगले सप्ताह, जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ आने के अनुमान हैं। जिससे अलग-अलग ऊंचे क्षेत्रों में हल्की बारिश और हिमपात होने के आसार हैं।

दिल्ली के वसंत कुंज में फायरिंग लॉरेंस बिश्नोई के 2 शूटर पकड़े गए

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली का वीवीआईपी एरिया वसंत कुंज में जमकर फायरिंग हुई है। पुलिस और बदमाशों के बीच चली इस मुठभेड़ में लॉरेंस बिश्नोई के दो शूटरों को पकड़ा गया है। दोनों आरोपियों में एक नाबालिग है। इन शूटर्स के पर कई पुराने कई मुकदमें दर्ज हैं। आपको बता दें कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को ही गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार किया था। ये वही शूटर हैं जो 3 दिसंबर 2023 को पंजाब के एक पूर्व विधायक के पंजाबी बाग स्थित घर पर फायरिंग की घटना में शामिल थे। दोनों शूटर्स के नाम आकाश और अखिल हैं जो हरियाणा के सोनीपत और चरखी दादरी के रहने वाले हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों शूटर्स पंजाब के पूर्व विधायक दीप मल्होत्रा के घर फायरिंग में शामिल थे और गोल्डी बराड़ के कहने पर इस काम को अंजाम दिया गया था। गोल्डी ने एक्स एमएलए को धमकी के वॉइस नोट भेजे थे और बाद में वसूली के लिए भी फोन किए थे। इतना ही नहीं हाल में गोल्डी के कहने पर उसके गुर्गों ने पंजाब में पूर्व विधायक के शराब के ठेके भी जलाए गए थे।

योगी सरकार ने 42 एडिशनल एसपी के ट्रांसफर किए

नई दिल्ली। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगा। सीजेआई डी रने में कुछ समय लगेगा, जबकि यह दोहराते हुए कि इसकी केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति अस्थायी है सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि संविधान पीठ का फैसला चाहे जो भी हो, ऐतिहासिक होगा और कश्मीर घाटी के निवासियों के मन में मौजूद मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को खत्म कर देगा उन्होंने कहा था कि यह मनोवैज्ञानिक द्वंद्व अनुच्छेद 370 की प्रकृति से उत्पन्न भ्रम के कारण उत्पन्न हुआ कि क्या विशेष प्रावधान अस्थायी हैं या स्थायी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन शुरू किया

जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिये चुनाव में उतारे जाने वाले संभावित उम्मीदवारों के चयन शुरू कर दिया है। वह यह जानकारी जुटा रहे हैं कि किस सीट पर कौन मजबूत होगा। लोकसभा चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं हैं और केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा मार्च में लोकसभा के आम चुनावों का ऐलान कर दिया जाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री अपने स्तर पर राज्य की 13 लोकसभा सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों का पता लगाने में जुटे हैं। वह इंटेलीजैंस विभाग से भी मजबूत उम्मीदवारों को लेकर सलाह-मशविरा करेंगे। आम आदमी पार्टी आम तौर पर उम्मीदवारों का चयन करने से पहले सर्वे करवाती है। सर्वे में जो उम्मीदवार पास होता है उसे टिकट दी जाती है। लोकसभा चुनाव इस बार सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान इस कार्य में अभी से जुट गए हैं। कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर भी अभी तस्वीर साफ नहीं हो रही है। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से अभी तक आम आदमी पार्टी को पंजाब में गठबंधन करने के संबंध में कोई भी स्पष्ट संदेश नहीं भेजा गया है न ही अभी तक दोनों में गठबंधन को लेकर औपचारिक तौर पर कोई बातचीत या बैठक शुरू हुई है। इसीलिए मुख्यमंत्री भगवंत मान यही प्रयास कर रहे हैं कि पार्टी को फिलहाल अपना पूरा ध्यान सभी 13 सीटों पर केंद्रित करना चाहिए। बताया जा रहा है कि आने वाले 2 महीनों में पंजाब की सभी 13 सीटों पर मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के दौरे भी होंगे। आप नेताओं का मानना है कि शहरी क्षेत्रों में केजरीवाल के दौरे करने से शहरियों को पार्टी के साथ जोड़ने में मदद मिलेगी। विधानसभा के चुनावी नतीजों में भाजपा को मिली एकतरफा जीत के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार अब शहरों की ओर भी पूरा ध्यान केंद्रित करेगी। जहां भाजपा का जनाधार ज्यादा है।

पुलिस छावनी में बदला लुधियाना रेलवे स्टेशन

लुधियाना। शुक्रवार देर रात रेलवे स्टेशन देखते ही देखते पुलिस छावनी में तबदील हो गया। रेलवे स्टेशन पहुंची पुलिस टीमों ने चैकिंग शुरू कर दी। इस तलाशी अभियान के दौरान टीमों ने प्लेटफार्म नंबर 1 से लेकर 7 तक चैकिंग की। इस तलाशी अभियान में एसीपी सुमित सूद, थाना सलेम टाबरी के इंस्पैक्टर हरजीत सिंह, थाना कोतवाली के इंचार्ज गगनदीप सिंह, थाना दरेसी के इंस्पैक्टर बलविंदर सिंह, थाना डिवीजन 2 के इंस्पैक्टर अमृतपाल शर्मा समेत करीब 70 पुलिस मुलाजिम और जीआरपी के मुलाजिम शामिल थे। इससे पहले दोपहर को भी साइबर क्राइम राजकुमार की अगुवाई में भी तलाशी अभियान चलाकर रेलवे स्टेशन पर चैकिंग की गई थी, लेकिन देर रात एक बार फिर अधिकारियों ने सघन चैकिंग की। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को कोई विशेष सूचना मिली थी। इधर पुलिस का कहना है कि यह रूटीन चैकिंग थी। एडीसीपी ने बताया कि कोरडोन एंड सर्च ऑपरेशन के चलते रेलवे स्टेशन पर सर्च अभियान चलाया था। इस दौरान पुलिस टीमों ने रेलवे प्लेटफार्म के अलावा रेलवे परिसर व माल गोदाम में भी चैकिंग की है।

फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम मोदी

–76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूची में पीएम मोदी की बादशाहत अभी भी कायम है। अमेरिकी एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट के अनुसार पीएम मोदी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता हैं। सर्वे में दूसरे पायदान पर मैक्सिको के प्रेसिडेंट ओब्राडोर रहे हैं, जिन्हें 66 प्रतिशत रेटिंग मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 37 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ 8वें पायदान पर हैं, जबकि इसी सर्वे में इटली की पीएम जॉर्जिया मैलोनी 41 प्रतिशत रेटिंग के साथ छठें पायदान पर हैं।

कई सालों से शीर्ष पर काबिज हैं पीएम मोदी

पीएम मोदी पिछले कई सालों से इस सूची में टॉप पर बने हुए हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 40 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं, जो मार्च के बाद से उनकी सबसे ज्यादा अप्रूवल रेटिंग है। राजनीतिक खुफिया अनुसंधान फर्म द्वारा एकत्र किया गया डेटा 22 वैश्विक नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। 6 से 12 सितंबर, 2023 तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस ग्लोबल सूची में सबसे कम डिस्प्रूवल रेटिंग भी पीएम मोदी की केवल 18 प्रतिशत है। जहां तक ??डिस्प्रूवल रेटिंग का सवाल है, सूची में शीर्ष 10 नेताओं में से, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की डिस्प्रूवल रेटिंग सबसे अधिक 58 प्रतिशत है और ऐसा माना जाता है कि यह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत के साथ कनाडा के कूटनीतिक मतभेद की वजह से हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है। 'मॉर्निंग कंसल्ट' के सितंबर सर्वेक्षण में भी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता थे। अप्रैल के सर्वेक्षण में भी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ पीएम मोदी को अपने अमेरिकी और ब्रिटेन समकक्षों जो बाइडेन और ऋषि सुनक को पीछे छोड़ते हुए 'सबसे लोकप्रिय' नेता करार दिया गया था। फरवरी में भी, पीएम मोदी को 78 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में आंका गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने की सोनिया गांधी के दीर्घायु होने की कामना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईश्वर से कामना की है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दीर्घायु रहें। श्रीमती गांधी के 77वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीघार्यु और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करे।' वहीं कांग्रेस ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'उस व्यक्ति को जन्मदिन की शुभकामनाएं जो सत्यनिष्ठा, करुणा और साहस के उच्चतम गुणों का प्रतीक है। वह शक्ति का एक स्तंभ हैं, जिन्होंने बड़ा त्याग करते हुए अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया है।'इसके अलावा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करता हूं।' वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने भी पोस्ट करते हुए लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।' सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर, 1946 को इटली में हुआ था। वह सबसे लंबे समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। उन्होंने पिछले कुछ साल से स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली है और उनके बेटे राहुल गांधी एवं बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

संसद में हमास से जुड़े जवाब पर विवाद, मीनाक्षी लेखी के दावे के बीच एमईए ने कहा- तकनीकी सुधार की आवश्यकता है

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि राज्य मंत्री वी मुरलीधरन को एक संसदीय प्रश्न का उत्तर देने वाले अधिकारी के रूप में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए था, क्योंकि राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा था कि उन्होंने प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है, जैसा कि आधिकारिक वेबसाइटों पर पोस्ट किए गए दस्तावेजों में दिखाया गया है। दस्तावेजों से पता चला कि लेखी ने इस सवाल का जवाब दिया था कि क्या सरकार के पास हमास समूह को गैरकानूनी घोषित करने का कोई प्रस्ताव है।

लेकिन लेखी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने 'इस प्रश्न और इस उत्तर के साथ किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं'। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कई घंटों के बाद स्पष्ट किया कि दस्तावेजों में 'तकनीकी सुधार' की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमने नोट किया है कि 8 दिसंबर 2023 को उत्तर दिए गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 980 में वी मुरलीधरन को संसद प्रश्न का उत्तर देने वाले राज्य मंत्री के रूप में प्रतिबिंबित करने के संदर्भ में तकनीकी सुधार की आवश्यकता है। त्रुटि कैसे हुई इसका ब्योरा दिए बिना उन्होंने कहा, 'यह उचित तरीके से किया जा रहा है।'

मीनाक्षी लेखी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि मैंने उस प्रश्न से संबंधित ऐसे किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। मैंने इस उल्लंघन की सूचना पीएमओ और एस जयशंकर को दी है और विदेश सचिव को फोन किया है और उनसे कहा है कि इसकी जांच की जाए और जिन लोगों ने ऐसा किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। विपक्ष ने इस मामले में जांच की मांग की है।

विदेश राज्य मंत्री ने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने से संबंधित लोकसभा में पूछे गए लिखित प्रश्न एवं उसके उत्तर को लेकर 'एक्स' पर कहा, ''आपको गलत जानकारी दी गई है क्योंकि मैंने इस प्रश्न और इस उत्तर वाले किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।'' अतारांकित प्रश्न क्रमांक 980 कांग्रेस सांसद कुंभकुडी सुधाकरन द्वारा पूछा गया था।

इस प्रश्न के लिखित उत्तर में लेखी के हवाले से कहा गया था, ''किसी संगठन को आतंकवादी घोषित करना गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत आता है और किसी भी संगठन को आतंकवादी घोषित करने के बारे में संबंधित सरकारी विभागों द्वारा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाता है।'' शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मामले को लेकर एक्स पर पोस्ट किया, ''क्या वह (लेखी) यह दावा कर रही हैं कि यह एक जाली जवाब है, यदि हां तो यह एक गंभीर मामला और तय नियमों का उल्लंघन है। स्पष्टीकरण मिलता है तो विदेश मंत्रालय की आभारी रहूंगी।''

बसपा की बैठक में मायावती ले सकती हैं बड़े फैसले, मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बसपा की कल अहम बैठक होने जा रही है। यह बैठक बसपा प्रमुख मायावती की अध्यक्षता में कल लखनऊ में होगी। जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। आगामी चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान का खाका भी पेश किया जा सकता है। सूत्रों की माने तो इस बैठक के बाद आकाश आनंद की जिम्मेदारियों को और बढ़ाया जा सकता है। साथ ही पार्टी आगामी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों को धार की रणनीति बनाएगी। पार्टी चुनाव के लिए अपने प्लान पर भी बैठक के दौरान चर्चा करेगी। लखनऊ में रविवार को होने वाली बैठक के दौरान बीएसपी के चुनाव प्रचार और अभियान का खाका तैयार किया जा सकता है। सूत्रों का दावा है कि पार्टी ने करीब तीन चौथाई लोकसभा सीटों पर अपने प्रभारियों का एलान कर दिया है। हालांकि अभी तक औपचारिक एलान होना बाकी है लेकिन प्रभारियों को चुनाव की तैयारी करने के लिए कह दिया गया है। कल कि बैठक के बाद कुछ प्रभारियों का अधिकारिक एलान करने की भी संभावना जताई जा रही है। दरअलस बसपा हर लोकसभा सीट पर पहले प्रभारी का एलान करती है, फिर उन्हीं प्रभारियों को पार्टी चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाती है। बीते चुनावों के दौरान बीएसपी का यही चलन सामने आता रहा है।

इस बैठक में 15 जनवरी को मायावती के जन्मदिन की तैयारियों पर भी चर्चा होगी। बता दें कि मायावती के जन्मदिन पर पार्टी के ओर से सभाएं की जाएंगी। इसके अलावा बीएसपी आगामी चुनाव के लिहाज से गांव-गांव और घर-घर तक संपर्क अभियान से लोगों तक पहुंचेगी। बैठक के दौरान पार्टी के स्टार प्रचारकों के नाम पर भी विचार होगा। यहां गौरतलब है कि इससे पहले इसी सप्ताह पार्टी के लिए एक बैठक हुई थी। ये बैठक विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आने के अगले दिन ही बुलाई गई थी। बैठक के दौरान विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन और चुनाव रिजल्ट पर भी आपस में चर्चा हुआ हुई थी।

हार के नतीजों पर कांग्रेस ने किया मंथन, अंदरूनी खींचतान बनी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में अपनी हार की वजह ढूंढने के लिए कांग्रेस ने समीक्षा बैठक बुलाई। इसमें अहम कारण यही निकलकर सामने आया है कि पार्टी अपनी अंदरूनी खींचतान की वजह से हारी है। इसके साथ ही हार का दूसरा कारण भूपेश बघेल सरकार के ग्रामीण इलाकों पर बहुत ज्यादा फोकस करना और भाजपा की 'सांप्रदायिक लामबंदी' सामने आई है। कांग्रेस पार्टी की टॉप लीडरशिप ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के नेताओं के साथ हार पर लंबा विचार-मंथन किया। जिसमें ये राय उभरकर सामने आई। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश चुनावों में हार की समीक्षा भी हुई। इस बैठक में राहुल गांधी, कमल नाथ, दिग्विजय सिंह और रणदीप सुरजेवाला सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस की इस बैठक में ईवीएम की भूमिका पर सवाल उठाए गए। कुछ नेताओं ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस का ध्यान महज एक व्यक्ति कमलनाथ पर था, जिसके कारण पार्टी ने भाजपा के खिलाफ समुदायों के सामूहिक नेताओं को खड़ा करने का काम नहीं किया। भाजपा के ओबीसी वर्चस्व को भी रेखांकित किया गया, इसमें ओबीसी वाली लगभग 80 फीसदी सीटें जीतीं और शहरी इलाकों में लोगों ने भाजपा को वोट दिया।

कांग्रेस की बैठक में यह कहा गया कि यह काफी हद तक एससी/एसटी और अल्पसंख्यकों का मजबूत समर्थन था, जिसके कारण कांग्रेस ने अपना 2018 के चुनावों का वोट शेयर बरकरार रखा। छत्तीसगढ़ के बारे में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कांग्रेस ने 2018 का 42 फीसदी का अपना वोट शेयर लगभग बरकरार रखा था। मगर भाजपा ने अपने वोटों में पिछली बार से लगभग 13 फीसदी की बढ़ोतरी की। जो कि जोगी कांग्रेस जैसी पार्टियों को दर?किनार कर छोटे वोटर समूहों को अपने पाले में करने का नतीजा था। यह भी बताया गया कि पूरी तरह से द्विध्रुवीय मुकाबला इस तथ्य से साफ था कि भाजपा और कांग्रेस कुल वोटों का 76 फीसदी हासिल करते थे, लेकिन इन चुनावों में उनके बीच 88।5 फीसदी वोट बंट गए।

कांग्रेस की इस बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन इस बात पर ध्यान केन्द्रित किया था कि कांग्रेस 18 शहरी सीटों में से दो को छोड़कर बाकी सभी सीटें हार गई। खासकर रायपुर इलाके में उसकी करारी हार हुई, जिसे मुख्यमंत्री बघेल का गढ़ माना जाता है। चुनाव के बाद स्थानीय विश्लेषकों ने शहरी इलाकों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के लिए हिंदुत्व अभियान और जाति जनगणना पर पार्टी के जोर को जिम्मेदार ठहराया है।

बाबा बालकनाथ के अचानक बदले सुर, बोले- अभी तो पीएम मोदी के नेतृत्व में बहुत कुछ सीखना है

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में प्रचंड सीटों से जीती भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री की तलाश कर रही है। ये तलाश पूरी होती इससे पहले ही बाबा बालकनाथ का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए चर्चा में आ गया है। बाबा को भी लगने लगा कि बस कुर्सी उनके काफी नजदीक आ गई है। लेकिन अचानक बाबा की ग्रहदशा बदली और उन्होने अपने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर कह दिया है कि अभी तो हमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारे अनुभव लेना है। बता दें कि बाबा बालकनाथ 2019 में बीजेपी के टिकट पर अलवर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। पार्टी ने उन्हें इस बार जिले की तिजारा सीट से विधानसभा चुनाव का टिकट दिया था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी इमरान खान को हराकर विधायकी का चुनाव भी जीत लिया। इसके बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

राजस्थान के तिजारा से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक बाबा बालकनाथ ने मेन स्ट्रीम मीडिया और सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की चर्चाओं के बीच एक बयान जारी किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इन अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। बाबा बालकनाथ ने अपने इस पोस्ट में लिखा है, पार्टी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता-जनार्धन ने पहली बार सांसद व विधायक बना कर राष्ट्रसेवा का अवसर दिया।

चुनाव परिणाम आने के बाद से मीडिया व सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को नजर अंदाज करें। मुझे अभी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में अनुभव प्राप्त करना है। बता दें कि बाबा बालकनाथ 2019 में बीजेपी के टिकट पर अलवर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। पार्टी ने उन्हें इस बार जिले की तिजारा सीट से विधानसभा चुनाव का टिकट दिया था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी इमरान खान को हराकर विधायकी का चुनाव भी जीत लिया। इसके बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इन घटनाक्रमों के बीच मीडिया और सोशल मीडिया पर राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम की चर्चा जोर शोर से चल रही है। कल तक उन्हें मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदारों में माना जा रहा था, लेकिन आज उनके इस पोस्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा ने उनके लिए कुछ और सोच रखा है। बालकनाथ के अलावा राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री के रूप में जिन नामों की सर्वाधिक चर्चा है उनमें वसुंधरा राजे सिंधिया, किरोड़ी लाल मीणा, राज्यवर्धन सिंह राठौर और दीया कुमारी शामिल हैं।

बाबा बालकनाथ भी उसी नाथ संप्रदाय से आते हैं, जिसके यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वर्तमान प्रमुख हैं। बाबा बालकनाथ रोहतक के मस्तनाथ मठ के महंत हैं। 29 जुलाई 2016 को, महंत चांदनाथ ने एक समारोह में बालकनाथ योगी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, जिसमें उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बाबा रामदेव भी शामिल हुए थे। उनके समर्थक उन्हें राजस्थान का योग कहकर भी संबोधित करते हैं। वह बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। उनका जन्म बहरोड़ तहसील के कोहराना गांव में एक यदुवंशी हिंदू परिवार में हुआ था, बालकनाथ योगी की जड़ें अलवर में गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने साढ़े छह साल की उम्र में संन्यास लेने का फैसला किया और अपना घर छोड़कर आश्रम में चले गए थे। महंत बालकनाथ योगी की राजनीतिक पारी को उनके गुरु महंत चांदनाथ, जो अलवर से पूर्व सांसद थे, ने आकार दिया। उनकी छवि राजस्थान के एक फायरब्रांड नेता की है, जो हिंदू और हिंदुत्व की बात करते हैं।

केजरीवाल सरकार की कैबिनेट में फेरबदल

नई दिल्ली । दिल्ली में केजरीवाल सरकार की कैबिनेट में फेरबदल हुआ है। दिल्ली की मंत्री आतिशी को कानून एवं न्याय विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जबकि मंत्री कैलाश गहलोत को उनके वर्तमान विभागों के अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग आवंटित किया गया है। इससे पहले कानून एवं न्याय विभाग की जिम्मेदारी कैलाश गहलोत निभा रहे थे। वहीं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का जिम्मा आतिशी के पास था। दिल्ली सरकार ने एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार सीएम दफ्तर ने उपराज्यपाल (एलजी) कार्यालय को पत्र लिखकर विभागों की अदला-बदली की सिफारिश की थी, जिसे एलजी की मंजूरी भी मिल गई है। इस बदलाव के साथ आतिशी के पास अब कानून एवं न्याय विभाग समेत 14 विभाग हैं, जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी असुरक्षित होता जा रहा है महाराष्ट्र

– वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों की संख्या में दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश

मुंबई (एजेंसी)। वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी महाराष्ट्र असुरक्षित होता जा रहा है और देश में वरिष्ठ नागरिकों को लेकर सबसे ज्यादा अपराध महाराष्ट्र में हो रहे हैं. जब शहरों की बात आती है, तो देश में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराध की सबसे अधिक संख्या मुंबई में है, उसके बाद नागपुर है। 2022 में देशभर में 28 हजार 454 मामले दर्ज किये गये. इनमें सबसे ज्यादा 5 हजार 110 मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए. देश में दर्ज अपराधों की संख्या में मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों की संख्या में दूसरे स्थान पर है. मध्य प्रदेश में 6 हजार 187 अपराध दर्ज किए गए। शहरों की बात करें तो पहले नंबर पर दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ 1 हजार 131 अपराध दर्ज किए गए हैं। जबकि मुंबई में 575 मामले दर्ज किए गए हैं और नागपुर सातवें स्थान पर है। नागपुर में 170 मामले दर्ज किये गये हैं. वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अपराधों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष 19 शहरों में महाराष्ट्र के तीन शहर शामिल हैं। इसमें मुंबई के बाद नागपुर और पुणे शहर शामिल हैं. नागपुर में 170 मामले दर्ज किये गये. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों के घरों में चोरी, हत्या, मारपीट और धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए हैं. अगर हम वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों के प्रकार पर विचार करें तो मुंबई, नागपुर और पुणे में 17 वरिष्ठ नागरिकों की हत्या की गई है। इनमें से पांच हत्याएं मुंबई में, चार नागपुर में और आठ हत्याएं पुणे में हुई हैं. इन तीनों शहरों में वरिष्ठ नागरिकों के घरों में चोरी की 199 वारदातें हुई हैं, जबकि 60 वरिष्ठ नागरिकों के यहां डकैती हुई है. मुंबई में 33 तरह की, नागपुर में 17 तरह की और पुणे में 8 तरह की लूट हुई. वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध दर्ज अधिकांश अपराध धोखाधड़ी के हैं। धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले मुंबई में हैं और 189 मामले सामने आए हैं। इस मामले में नागपुर दूसरे स्थान पर है और यहां 57 अपराध दर्ज किये गये हैं. तीसरे स्थान पर पुणे में 18 अपराध दर्ज किये गये हैं. वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अपराध हर साल बढ़ रहे हैं और नागपुर में यह दर सबसे अधिक 73.7 प्रतिशत है। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं और उनकी सुरक्षा के लिए प्रयास करने की जरूरत महसूस की जा रही है।

चीन ने बनाई 2.5 किमी गहरी अंडरग्राउंड प्रयोगशाला, कई रहस्य उजागर करने का दावा

शंघाई। चीन अपनी हरकतों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। वो कब क्या कर दे कोई नहीं जानता है। ऐसे में दुनिया के तमाम देश उसके एक एक कदम पर नजर भी रख रहे हैं। हाल ही में चीन ने ढाई किलोमीटर गहरी एक प्रयोगशाला बनाई है। इसमें कौन सा प्रयोग होगा ये कोई नहीं जानता है। चीनी वैज्ञानिकों ने इस लैब में काम करना भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के दक्षिणी-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में 2400 मीटर गहरी लैब तैयार की गई है। दावा किया गया है कि यह लैब कई ऐसे राज खोलेगी जो अभी भी वैज्ञानिकों की नजर में रहस्य बने हुए हैं। चीन की नजर चांद पर भी है। रूस और चीन पहले ही चांद पर अपना बेस बनाने की बात कह चुके हैं। ऐसे में सवाल है कि नई लैब से चीन क्या-क्या नए काम करने की तैयारी में है और इतनी गहराई में लैब बनाने की नौबत क्यों आई। कितनी खास है नई लैब और क्यों बनाई गई? रिपोर्ट के मुताबिक, गहरी होने के साथ लैब में अल्ट्रा लो रेडिएशन बैकग्राउंड की भी सविधा है। चीनी वैज्ञानिकों का मानना है कि डार्क मैटर लम्बे समय से रहस्य बना हुआ है। इसकी बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। नई लैब डार्क मैटर से जुड़े सवालों के जवाब देने में मदद करेगी। इसे जिनपिंग लैब नाम दिया गया है। डार्क मैटर क्या है, अब इसे भी समझ लेते हैं। दरअसल, इसे देखा नहीं जा सकता। डार्क मैटर वाले हिस्से में न तो किसी तरह की एनर्जी है और न ही प्रकाश। इसलिए इसका पता लगाना मुश्किल है। अब चीनी वैज्ञानिक इससे जुड़ सवालों के जवाब ढूंढकर इतिहास रचना चाहते हैं। हालांकि, यह इतना आसान नहीं है। लेकिन उनका दावा है कि चीन में इसकी खोज करना दुनिया के दूसरे हिस्से के मुकाबले थोड़ा ज्यादा आसान है। चीन की इस अंडरग्राउंड लैब के पहले चरण का काम 2010 में पूरा हो गया था, लेकिन इसे अब पूरी तरह से काम करने लायक बनाया जा सका है। ऐसे में सवाल उठता है कि डार्क मैटर से जुड़े सवालों के जवाब जानने के लिए इतनी गहरी लैब क्यों खोदी गई है। चीनी वैज्ञानिकों ने इसका जवाब दिया है। लैब के वैज्ञानिकों का कहना है कि हम जितनी गहराई में जाएंगे वहां उतनी ही कॉस्मिक किरणों को रोक सकेंगे. इस तरह वैज्ञानिकों ने गहराई में बनी लैब को डार्क मैटर पता लगने के लिए सबसे बेहतर माना गया है। वैज्ञानिकों ने इसे आदर्श अल्ट्रा क्लीन जगह बताया है। चीनी मीडिया में यह भी कहा गया है डार्क मैटर में नई तरह की खोज करने के लिए पूरी दुनिया में चीन से बेहतर जगह नहीं है। इसलिए इससे जुड़े नए जवाबों के मिलने की उम्मीद ज्यादा है। वहीं, वैज्ञानिकों का कहना है, डार्क का पता लगाने के लिए जो सुविधाएं इस लैब में दी गई हैं, वो और कहीं नहीं हैं।

इराक की सोरन यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में आग, 14 छात्रों की मौत

नॉर्दन। इराक के सोरन विश्वविद्यालय में बड़ा हादसा हो गया है। यहां के होस्टल में लगी भीषड़ आग में झुलस कर 14 छात्रों की मौत हो गई है। जबकि 18 के घायल होने की खबर है। यह हादसा कैसे और क्यों हुआ? इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। मामले की जांच की जा रही है। नॉर्दन इराक के सोरन में एक बड़ा हादसा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा शुक्रवार की रात 8 बजकर 15 मिनट पर हुआ। हालांकि, घटना के कुछ घंटे के बाद ही आग पर काबू पा लिया गया लेकिन हादसा कैसे हुआ इसका खुलासा नहीं हो पाया है। इराक के प्रधानमंत्री मसरूर बरजानी ने इस दर्दनाक घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। हमने इस घटना की व्यापक जांच का आदेश दिया है. मामले की जांच शुरू हो गई है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एजेंसियां काम कर रहीं हैं। इस हादसे में 18 छात्रों के घायल होने की खबर है। सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनलोगों का इलाज चल रहा है। इस हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। सोरन विश्वविद्यालय के टीचर और छात्र सभी इस घटना से आहत हैं।

गुयाना के 20 हजार से अधिक हिंदुओं पर मंडरा रहा पड़ोसी द्वारा जमीन हड़पने का खतरा

वेनेजुएला । गुयाना के 20 हजार से अधिक हिंदुओं पर पड़ोसी द्वारा जमीन हड़पने का खतरा मंडरा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार वेनेजुएला के ताकतवर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने देश की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को गुयाना के एस्सेकिबो क्षेत्र में तेल, गैस और खदानों की खोज और दोहन तुरंत शुरू करने का आदेश दिया। यह निर्देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो द्वारा 61,600 वर्ग-मील (159,500-वर्ग-किलोमीटर) क्षेत्र को पुन: प्राप्त करने के लिए जनमत संग्रह आयोजित करने के एक दिन बाद आया। यह गुयाना का दो-तिहाई हिस्सा है और ब्राजील की सीमा भी है और लगभग ग्रीस के आकार का है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्यू रिसर्च सेंटर और के अनुसार, गुयाना 200,000-250,000 से अधिक हिंदुओं का भी घर है, जो पश्चिमी गोलार्ध में बड़ी हिंदू आबादी वाला एकमात्र देश है। साल 2012 के आंकड़ों के अनुसार, एस्सेकिबो की लगभग 37 प्रतिशत आबादी हिंदू धर्म का पालन करती है। गुयाना की रिपोर्टों में दिखाया गया है कि समुदाय धार्मिक त्योहारों के दौरान यज्ञ, सामुदायिक कार्यक्रम और समारोह आयोजित करता है और एस्सेक्विबो के हिंदू समुदाय ने इस साल गुयाना की राजधानी जॉर्जटाउन में आयोजित वार्षिक दिवाली मोटरसाइकिल प्रतियोगिता में कई पुरस्कार भी जीते हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस क्षेत्र पर कब्जा करने की वेनेजुएला की कोशिश का क्षेत्र में रहने वाले हिंदुओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि दक्षिण अमेरिकी स्वयं अपने निरंकुश राष्ट्रपति मादुरो के विरोधियों की राजनीतिक अधीनता के प्रतिबंधों और आरोपों से पीड़ित है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के एक ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, गुयाना के हिंदू भी कई चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी परंपराओं को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन इस सप्ताहांत की शुरुआत में वेनेजुएला की राजधानी काराकस में हुए जनमत संग्रह के बाद, मादुरो ने वेनेजुएला की सार्वजनिक कंपनियों की स्थानीय सहायक कंपनियों के निर्माण का आदेश फिर चिंताएं बढ़ गई हैं।

चीन ने तीन उपग्रहों के लिए जुके-2 वाहक रॉकेट किया प्रक्षेपित

बीजिंग । चीन ने शनिवार को जिउक्वान सैटेलाइट प्रक्षेपण केन्द्र से जुके-2 वाई-3 वाहक रॉकेट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। वाहक रॉकेट बीजिंग समयानुसार सुबह 7 : 39 बजे प्रक्षेपित हुआ और तीन उपग्रहों, होंगहु, होंगहु-2 और टीवाई-33 को नियोजित कक्षा में भेजा। यह जुके-2 वाहक रॉकेट का तीसरा उड़ान मिशन था।

झील पर जमी बर्फ की मोटाई नाप रहे व्यक्ति की हुई मौत

वाशिंगटन । एक व्यक्ति उस समय मौत के मुंह में समा गया जब वह झील में जमी बर्फ की मोटाई नाप रहा था। उस दौरान उसकी बर्फीले पानी में गिर कर डूबने से मौत हो गई। यह जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मिलफोर्ड के रहने वाले वाल्टर डेमन्स (62) क्रैकिश झील में मछली पकड़ने की तैयारी के तहत बर्फ की मोटाई पता करने के लिए अपने एक मित्र के साथ छेद कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान बर्फ टूटने की आवाज आई और दोनों बर्फीले पानी में गिर गए। यह हादसा टी3 इंडियन टाउनशिप परचेज में झील के किनारे से लगभग 66 मीटर दूर ठंडे पानी में हुआ। यह मिलिनोकेट से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। उन्होंने बताया कि डेमन्स का दोस्त सतह पर आ गया और उसने 911 पर फोन करके सूचना दी। हालांकि डेमन्स का शव एक घंटे बाद ब्राउनविले अग्निशमन विभाग ने निकाला, बाद में उसका उपचार भी किया गया लेकिन उसे बचाना नहीं जा सका।

आपराधिक गिरोह व ग्रामीणों के बीच हुए संघर्ष में 11 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी । मध्य मेक्सिको में बंदूकधारियों व ग्रामीणों के बीच हुए संघर्ष में 11 लोगों की जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार एक छोटे कृषक समुदाय के लोगों और एक आपराधिक गिरोह के बंदूकधारियों के बीच शुक्रवार को संघर्ष में 11 लोगों की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में गांव के लोग राइफल लिए गिरोह के सदस्यों का पीछा करते नजर आ रहे हैं और इस बीच गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दे रही है। इस संबन्ध में मेक्सिको पुलिस ने बताया कि यह संघर्ष राजधानी मेक्सिको सिटी से लगभग 130 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में टेक्सकल्टिटलन गांव में हुआ। पुलिस ने बताया कि मृतकों में से आठ आपराधिक गिरोह के सदस्य थे, जबकि तीन गांव के निवासी थे।

दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इज़राइल और फिलिस्तीनी इस्लामी समूह हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच, इजरायली हमलों के बाद नासिर अस्पताल में फर्श पर बैठे घायल फिलिस्तीनी।

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में भारत को एक अंक का उछाल

दुबई। भारत जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में साल 2023 में पिछली बार की तुलना में एक पायदान ऊपर, सातवें स्थान पर पहुंच गया और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शुमार रहा। वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन सीओपी 28 के दौरान जारी की गई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक तैयार करने के लिए 63 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु शमन प्रयासों की निगरानी की गई, जो दुनियाभर में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करते हैं। सूचकांक में भारत को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और ऊर्जा उपयोग श्रेणियों में उच्च रैंकिंग प्राप्त हुई है, लेकिन जलवायु नीति और नवीकरणीय ऊर्जा में पिछले वर्ष की तरह मध्यम रैंकिंग मिली है। सूचकांक में कहा गया है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है। सूचकांक पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा डेटा दिखाता है कि प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस श्रेणी में, देश दो डिग्री सेल्सियस से नीचे के मानक को पूरा करने की राह पर है। हालांकि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में थोड़ा सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, लेकिन यह रुझान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) विशेषज्ञों ने बताया कि भारत स्पष्ट दीर्घकालिक नीतियों के साथ अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करने की कोशिश कर रहा है, जो नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और नवीकरणीय ऊर्जा घटकों के घरेलू विनिर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है।

इजरायली हमलों में गाजा में 10, दक्षिणी सीरिया में 3 हिजबुल्लाह आतंकवादी मारे गए

तेल अवीव (एजेंसी)। इज़राइल-हमास युद्ध अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर गया है, जिसके कारण सैकड़ों और हजारों फिलिस्तीनी दक्षिण से भाग गए हैं। एक सप्ताह पहले इज़राइल ने मध्य और दक्षिण गाजा में अपने जमीनी हमले का विस्तार किया, जहां क्षेत्र की लगभग 2.3 मिलियन फिलिस्तीनियों की पूरी आबादी भीड़ में है, उनमें से कई मानवीय आपूर्ति से कटे हुए हैं।

जैसा कि युद्ध जारी है, इज़राइल ने कहा है कि सेना उत्तरी गाजा में पूछताछ के लिए फिलिस्तीनी पुरुषों को घेर रही है, हमास आतंकवादियों की तलाश कर रही है। हमास के भारी प्रतिरोध को रेखांकित करते हुए, उत्तर में उग्र शहरी लड़ाई जारी है, और माना जाता है कि सैनिकों और टैंकों के आने के छह सप्ताह बाद भी हजारों निवासी इस क्षेत्र में बने हुए हैं।

इज़राइल-हमास युद्ध

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में एक परिवार के घर पर इजरायली बलों द्वारा बमबारी के बाद कम से कम 10 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इज़राइल की सेना ने यह भी कहा कि गाजा में उसकी सेना पहली बार ÷खान यूनिस के दिल में÷ काम कर रही थी।

शुक्रवार तड़के, इजरायली सैनिकों ने गाजा में एक स्थान पर इजरायली बंधकों को मुक्त कराने का असफल प्रयास किया। सेना ने कहा कि आतंकवादियों के साथ आगामी संघर्ष में दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए और किसी भी बंधक को मुक्त नहीं कराया गया। हमास ने कहा कि उसके लड़ाकों ने प्रयास को विफल कर दिया। सीरिया के

दक्षिण में कथित इज़रायली ड्रोन हमले में तीन हिज्बुल्लाह आतंकवादी और एक सीरियाई मारे गए।

निगरानी और मिसाइल-प्रक्षेपण इकाई के एक सीरियाई और तीन लेबनानी हिजबुल्लाह लड़ाके उनकी किराए की कार पर इजरायली ड्रोन हमले में मारे गए÷ क्यूनेइत्रा प्रांत के मदीनात अल-बाथ शहर में, इजरायल-कब्जे वाले गोलान हाइट्स के करीब, एक ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया। एक अलग घटना में, दक्षिणी लेबनान में इज़रायली गोलाबारी में शुक्रवार को तीन लेबनानी सैनिक घायल हो गए। लेबनानी सेना ने अस्पताल पर दूसरे हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी। हिजबुल्लाह ने भी अपने चार लड़ाकों की मौत की घोषणा की। संयुक्त राज्य अमेरिका ने गाजा में हमास आतंकवादियों के खिलाफ एक भीषण हमले के दौरान फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए इजरायल पर दबाव बनाए रखा, यहां तक कि वाशिंगटन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल युद्धविराम की मांग को वीटो कर दिया। शुक्रवार को लड़ाई बढ़ गई और फिलीस्तीन में मरने वालों की संख्या बढ़ गई, साथ ही इजराइल ने इस्लामवादी समूह हमास के खिलाफ दो महीने पुराने युद्ध के विस्तारित चरण में उत्तर से दक्षिण तक क्षेत्र पर हमला किया।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान आए साथ, उत्तर कोरिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया

सियोल (एजेंसी)। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने उत्तर कोरिया द्वारा रूस को कथित तौर पर हथियार भेजे जाने को लेकर चिंता जतायी और उसके द्वारा परमाणु हथियारों तथा मिसाइलों का विकास किए जाने तथा अन्य देशों के साथ सैन्य सहयोग पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार को मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। कोरिया प्रायद्वीप में हाल के वर्षों में सर्वाधिक तनाव के बीच सियोल में यह बैठक हुई।

बैठक के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय के निदेशक चो ताइ-योंग ने कहा कि तीनों सुरक्षा सलाहकारों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के तहत उत्तर कोरिया के दायित्वों की पुष्टि की, जिसमें उसके परमाणु निरस्त्रीकरण और अन्य देशों के साथ हथियारों के व्यापार पर प्रतिबंध का आह्वान किया गया है। चो ने कहा कि तीनों अधिकारियों ने उत्तर कोरिया द्वारा पिछले महीने एक जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण को लेकर उस पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के लिए दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की प्रशंसा की। इस बैठक के बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान ने कहा कि वाशिंगटन रक्षा सहयोग मजबूत करने के लिए सियोल और तोक्यो के साथ मिलकर काम कर रहा है।

सुलिवान ने शुक्रवार को चो और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिवालय के महासचिव ताइको अकीबा के साथ अलग से द्विपक्षीय वार्ता भी की। उन्होंने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यियोल से भी मुलाकात की। शुक्रवार को अकीबा और सुलिवान के लिए आयोजित रात्रि भोज में यून ने कहा कि तीनों देशों के लिए कैम्प डेविड में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के बीच अगस्त में हुई उनकी शिखर वार्ता पर प्रगति जारी रखें, जहां उन्होंने सुरक्षा और आर्थिक सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया था।

सीओपी28: नये जीएसटी मसौदे में स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए चार विकल्प दिये गये

दुबई (एजेंसी)। दुबई सीओपी28 में शुक्रवार को जारी 'ग्लोबल स्टॉकटेक' के एक नए मसौदे में स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने के लिए चार विकल्प दिये गये हैं। 'ग्लोबल स्टॉकटेक' (जीएसटी) 2015 के पेरिस समझौते का एक मूलभूत घटक है जिसका इस्तेमाल इसके कार्यान्वयन की निगरानी करने और पूर्व-औद्योगिक युग की तुलना में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने के लिए उत्सर्जन को प्रतिबंधित करने के सहमत लक्ष्यों को प्राप्त करने में की गई सामूहिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

सताइस पृष्ठों के नवीनतम मसौदे में स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए चार विकल्प स्पष्ट रूप से बताए गए हैं। मसौदे के अनुसार पहला विकल्प सर्वोत्तम उपलब्ध विज्ञान के अनुरूप

जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है, जबकि दूसरा विकल्प पेरिस समझौते के सिद्धांतों के अनुरूप जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है। इसके अनुसार तीसरा विकल्प 2050 से पहले ऊर्जा क्षेत्र को मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन से मुक्त करने के महत्व को रेखांकित करते हुए, बेरोकटोक जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है। मसौदे के अनुसार चौथा विकल्प बेरोकटोक जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।

'कारगिल युद्ध का विरोध करने पर पीएम पद से हटा दिया', भारत के साथ संबंधों पर नवाज शरीफ का बड़ा बयान

मेलबर्न (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि कारगिल का विरोध करने के कारण जनरल परवेज मुशर्रफ ने उन्हें 1999 में सरकार से बाहर कर दिया था क्योंकि उन्हें लगता था कि भारत के साथ अच्छे संबंध रखना महत्वपूर्ण है। नवाज़ शरीफ़ ने आगामी चुनावों के लिए अपनी पार्टी के टिकट के दावेदारों से बात करते हुए कहा कि मुझे बताया जाना चाहिए कि 1993 और 1999 में मुझे क्यों बाहर कर दिया गया था। जब मैंने कारगिल योजना का विरोध करते हुए कहा था कि ऐसा नहीं होना चाहिए... तो मुझे (जनरल परवेज़ मुशर्रफ द्वारा) बाहर कर दिया गया था। और बाद में मेरी बात सही साबित हुई।

नवाज ने आगे कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि मुझे हर बार क्यों बाहर कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'हमने हर मोर्चे पर काम किया है। पीएम के रूप में मेरे

कार्यकाल के दौरान, दो भारतीय प्रधानमंत्रियों ने पाकिस्तान का दौरा किया। मोदी साहब और वाजपेयी साहब लाहौर आए थे।' इस बात पर जोर देते हुए कि पाकिस्तान को भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारने की जरूरत है, उन्होंने कहा, 'हमें भारत, अफगानिस्तान और ईरान के साथ अपने संबंध सुधारने होंगे। हमें चीन के साथ और अधिक मजबूत संबंध बनाने की जरूरत है।'

नवाज शरीफ ने इस बात पर अफसोस जताया कि पाकिस्तान आर्थिक वृद्धि के मामले में अपने पड़ोसियों से पिछड़ गया। उन्होंने कहा, 'इमरान खान की सरकार (2018-2202) के दौरान अर्थव्यवस्था में गिरावट देखी गई। फिर शहबाज शरीफ सरकार ने अप्रैल 2022 में सत्ता संभाली और देश को डिफॉल्ट से बचाया।' उन्होंने 2017 में अपनी सरकार को हटाकर देश को बर्बाद करने के लिए पूर्व सैन्य जनरलों और न्यायाधीशों की जवाबदेही की मांग दोहराते हुए कहा, 'जो लोग इस देश को इस स्तर पर लाए, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए क्योंकि देशभक्त लोग अपने देश के साथ ऐसा नहीं कर सकते।'

लो... फिर आ गई! आतंक को लेकर अमेरिका की डराने वाली रिपोर्ट

-आतंकवाद की जड़ें अफगानिस्तान में हुईं मजबूत

काबुल (एजेंसी)। इस वक्त अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। यहां उसी की हुकूमत चल रही है। इसी बीच अमेरिका से आई एक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है। और इसकी जड़ें अफगानिस्तान में मजबूत हुई हैं। जिससे उसके पड़ोसी देशों में लगातार आतंकवाद का खतरा मंडरा रहा है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर अफगानिस्तान सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। आतंकवाद पर 2022 की अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट ने अफगानिस्तान और आतंकवाद को लेकर यह खुलासा किया है। आतंकवाद पर साल 2022 की अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगानिस्तान में चल रहे हालातो पर गंभीर और चिंताजनक टिप्पणी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान के नियंत्रण में अफगानिस्तान में कई आतंकवादी संगठन लगातार फल-फूल रहे हैं। इनमें इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के अलावा अलकायदा भी शामिल है। रिपोर्ट के बाद यह माना जा रहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को लेकर आने वाले दिनों में अमेरिका कुछ कड़े फैसले कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2022 में अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा मारे गए अलकायदा के लीडर अयमान अल जवाहरी का वहां पाया जाना यह साबित करता है कि तालिबान के संरक्षण में अफगानिस्तान में आतंकवादी संगठनों का बढ़ना लगातार जारी है। आपको बता दें कि अलकायदा के इस बड़े नेता को 30 जुलाई 2022 को अमेरिका सेना ने एक एयर स्ट्राइक में मार गिराया था. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अफगानिस्तान में जो आतंकवादी संगठन बढ़ रहे हैं, उनसे अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों पर आतंक का खतरा लगातार मंडरा रहा है। साल 2022 में अफगानिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों ने ईरान, कजाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और पाकिस्तान में कई हमले किए। यहां तक की इस्लामिक स्टेट खुरासन ने तो अफगानिस्तान में स्थानीय लोगों पर हमले किए।

इस संगठन ने रूसी दूतावास और पाकिस्तानी दूतावास पर भी हमले किए। अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान को अफगानिस्तान का शासन देते समय दोहा समझौते की तहत, जो शर्तें रखी गई थीं वह पूरी नहीं की जा रही हैं। जबकि उन शर्तों में तालिबान ने पड़ोसी देशों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान धरती का उपयोग रोकने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी। लेकिन वर्तमान हालातों में वह प्रतिबद्धता कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। अमेरिकी संस्थान की रिपोर्ट अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। क्योंकि

इस रिपोर्ट से अफगानिस्तान की एक ऐसी तस्वीर पेश हो रही है, जहां से आतंकवाद पड़ोसी देशों में फैलता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता नजर आता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि पिछले दिनों अफगानिस्तान और चीन के बीच लगातार दूरियां कम हुई हैं और अफगानिस्तान ने चीन में अपना राजदूत भी नियुक्त कर दिया है, जिसे चीन ने मान्यता भी दे दी है।

आईपीएल के धुरंधर टी20 विश्व कप में बनेंगे टीम इंडिया के फिनिशर

-रिंकू सिंह या जितेश में से कोई एक लेगा जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में धमाकेदार बल्लेबाजी करने वाले दो खूंखार बैटर टी20 में टीम इंडिया के फिनिशर बनने वाले हैं। हालांकि रिंकू सिंह और जितेश शर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी ने चयनकर्ताओं की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं। अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में अब महज 6 महीने का ही वक्त बचा है। वेस्टइंडीज और अमेरिका को मिलकर जून 2024 में इस मेगा टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। रोहित शर्मा टीम के कप्तान के तौर पर वापसी कर सकते हैं लेकिन चयनकर्ता विराट कोहली को बाहर बिठाकर बड़ा फैसला लेने का इशारा दे रहे हैं। इस वक्त टीम इंडिया की असली कमजोरी यानी मैच फिनिशर को तैयार करने को लेकर हो रही है। महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास के बाद से उनकी तरह मैच खत्म करने का हुनर लगातार कोई नहीं दिखा पाया। चयनकर्ताओं को अब रिंकू सिंह और जितेश शर्मा में वो काबिलियत नजर आ रही है। दोनों ने अब तक मिले मौके का भरपूर फायदा उठाया है। आईपीएल में अपने छक्के जमाने की काबिलियत से मैच पलट देने वाले रिंकू सिंह ने इंटरनेशनल क्रिकेट में भी वही कमाल करके दिखाया है।

वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए आखिरी ओवर में 5 लगातार छक्के जमाकर मैच खत्म करने वाले बाएं हाथ के बैटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया सीरीज में अपने नाम के मुताबिक धुंआधार बल्लेबाजी की। हालांकि जितेश को चयनकर्ताओं ने रिंकू से कम मौके दिए लेकिन फिर भी इस बैटर ने घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को दोहराते हुए दावेदारी पेश की। रिंकू ने 10 मैच में 187 की स्ट्राइक रेट और 60 की औसत से बल्लेबाजी की है। जितेश ने 5 टी20 इंटरनेशनल में 64 रन 160 से उपर की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। जानकार बता रहे हैं कि तीन मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम जब साउथ अफ्रीका के खिलाफ उतरेगी तो रिंकू सिंह और जितेश शर्मा पर नजर होगी।

हालांकि 30 की औसत और 150 से उपर की स्ट्राइक रेट से इन दोनों ही खूंखार बैटर की बल्लेबाजी इनको खतरनाक मैच फिनिशर बनाती है। आईपीएल में दोनों ने अपनी टीम के लिए कई मैच जिताऊ पारी खेली है। अब ले?किन एनरिक नॉर्खिया (चोटिल) और कगिसो रबादा (आराम) की गैर मौजूदगी में रिंकू और जितेश को अपना हुनर दिखाने का भरपूर मौका मिलने की उम्मीद है। हालां?कि चयनकर्ता आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए बतौर विकेटकीपर जितेश शर्मा को देख रहे हैं।

तीन साल से मंदी झेल रहा दक्षिण अफ्रीका इस साल हो जाएगा मालामाल

-साउथ उफ्रीका सीरीज पर जमीं नजरें, नुकसान से भरपाई की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट में पिछले तीन साल से मंदी झेल रहे दक्षिण अफ्रीका को इस साल मालामाल होने की उम्मीद है। यही वजह है कि साउथ अफ्रीका सीरीज पर उसकी निगाहें टिकी हुई हैं। जानकारी के अनुसार क्रिकेट में साउथ अफ्रीका (सीएसए) पिछले 3 साल में हुए 6.3 मिलियन डॉलर के घाटे की भरपाई के लिए भारत बनाम साऊथ अफ्रीका सीरीज पर नजरें बनाए हुए है। हालांकि दिसंबर 2021 में कोविड-19 महामारी के बाद से भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका नहीं गई थी। बड़े मुकाबले न होने के कारण दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड लगातार नुकसान झेल रहा था। लेकिन अब अफ्रीकी बोर्ड को भारत के खिलाफ होने वाले 3 टी20ई, 3 वनडे और 2 टेस्ट मैचों से 6817 मिलियन डॉलर की भारी कमाई होने की उम्मीद है। यह 3 साल तक घाटे को कवर करने के लिए पर्याप्त होगा। बता दें कि टीम इंडिया के युवा प्लेयर्स इस दौरान भारत ए टीम की ओर से दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो 4 दिवसीय प्रथम श्रेणी मैच भी खेलेंगे। इससे भी आय की उम्मीद है और क्रिकेट बोर्ड अपने नुकसान की भरपाई करने की कोशिश करेगा।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका का आय विवरण देखें तो कुल 68.7 मिलियन डॉलर हैं इसमें प्रति मैच 8.6 मिलियन और 2.29 मिलियन प्रति दिन की आय है। बताया जा रहा है कि क्रिकेट साउथ अफ्रीका को पिछले 3 सालों में क्रमशः 6.3 मिलियन डॉलर, 10.5 मिलियन डॉलर और 11.7 मिलियन डॉलर का घाटा हुआ है। भारतीय क्रिकेट टीम बड़े क्रिकेट मुल्क जैसे इंगलैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के लिए पैसे कमाने वाली टीम रही है। वहीं टीम इंडिया के लिए दक्षिण अफ्रीकी दौरा और भी महत्वपूर्ण है। हालांकि पिछली बार भारतीय क्रिकेट टीम दौरे पर वनडे और टेस्ट सीरीज हार गई थी। इसके बाद विराट कोहली ने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था।

ब्रायन लारा को लगाता हैं, हफीज कोहली से ईर्ष्या करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आईसीसी विश्व कप 2023 में उपविजेता रहा लेकिन निजी तौर पर विराट कोहली के लिए विश्वकप अद्भुत रहा। विराट ने टूर्नामेंट में 11 पारियों में 765 रन बनाए। इसकारण कोहली प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। विश्व कप के दौरान उन्होंने तीन शतक भी जड़े। विराट ने इस दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 49 एकदिवसीय शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों ने विराट के फॉर्म की सराहना की थी लेकिन कुछेक ने उनकी निंदा भी की थी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज इनमें से एक थे। हफीज ने विराट से जान बूझकर मैच में धीमा खेलने का आरोप लगाया था। हफीज का कहना था कि विराट सिर्फ शतक पूरा करना चाहते थे इसलिए कोई रिस्क न हो इसकारण वह धीमा खेल रहे थे। जिससे टीम के स्कोर भी प्रभावित हुए।

इस बीच वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा ने कोहली के आलोचकों पर पलटवार किया है। उन्होंने आईसीसी विश्व कप 2023 के दौरान विराट की शैली का बचाव किया। लारा ने कहा कि जो लोग कोहली को स्वार्थी कहते थे, वे उनसे ईर्ष्या करते हैं। लारा ने कहा कि वे (मोहम्मद हफीज) जो ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं कि वह स्वार्थी हैं, संभवतः उनसे ईर्ष्या करते हैं। वे उसके बनाए रनों की संख्या से ईर्ष्या करते हैं। मैंने अपने करियर के दौरान ऐसी ही चीजों का अनुभव किया है। लारा ने यह भी कहा कि केवल विराट ही सचिन के 100 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच सकते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं टीम इंडिया की अगुआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के जांबाज प्लेयर सूर्यकुमार यादव टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की अगुआई कर सकते हैं। बता दें कि सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया को उनकी ही पिच पर 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। अब वह साउथ अफ्रीका में टीम को लेकर पहुंच चुके हैं जहां भारतीय टीम मेजबानों के साथ 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। सूर्या ने अपने घर में जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया में कप्तानी की है उससे बीसीसीआई को इस फॉर्मेट में कप्तान बनने का एक नया विकल्प मिल गया है। हालांकि सूर्या के लिए कप्तानी करना कोई नई बात नहीं है क्योंकि वह पहले भी टीम की अगुआई कर चुके हैं। सूर्या पिछले कुछ वर्षों में लगातार आगे बढ़े हैं। अब जबकि 33 साल के सूर्यकुमार यादव को 6 महीने बाद टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की कमान सौंपी जा सकती है। वैसे टी20 में पिछले कुछ समय से टीम इंडिया की कप्तानी हार्दिक पंड्या कर रहे हैं लेकिन भारत का यह ऑलराउंडर इस समय चोटिल है। उनकी चोट कब तक ठीक होगी, इसपर कुछ नहीं कहा जा सकता।

सत्रों की मानें तो बीसीसीआई विश्व कप में रोहित को कमान देने की फिराक में है। लेकिन रोहित 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद से इस फॉर्मेट से दूर हैं। ऐसे में शायद ही वह टी20 में कप्तानी के लिए दोबारा हामी भरें। इससे संकेत मिल रहे हैं कि बीसीसीआई के पास सूर्या ही एक विकल्प बचेंगे। भारतीय बोर्ड लगातार दूसरी टी20 सीरीज में सूर्या को मौका देकर शायद उन्हें विश्व कप के लिए तैयार कर रही है। सूर्या का टी20 में बतौर बल्लेबाज रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह बतौर कप्तान भी अपने इंटरनेशनल डेब्यू सीरीज में सफल हुए हैं। उन्होंने इससे पहले साल 2013 में एसीसी अंडर-23 इमर्जिंग टीम का कप्तान बनाया गया था, रणजी ट्रॉफी में भी मुंबई की कप्तानी की है। साल 2015 में सूर्या ने मुंबई की कप्तानी छोड़ दी थी। सूर्या बतौर कप्तान काफी अनुभवी हैं, यदि वह साउथ अफ्रीका में टीम को टी20 सीरीज जिताने में सफल हो जाते हैं तो फिर बीसीसीआई पंड्या की गैर मौजूदगी में सूर्या को कप्तानी देगी।

अश्विनी और तनीषा की जोड़ी गुवाहाटी मास्टर्स के फाइनल में

गुवाहाटी। भारत की तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई। पिछले सप्ताह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में उप विजेता रही अश्विनी और तनीषा की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 36 मिनट तक चले सेमीफाइनल मैच में नीदरलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त डेबोरा जिल और चेरिल सेनेन को 21-12, 21-12 से हराया। महिला एकल में मालविका बांसोड़ हालांकि सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई और थाईलैंड की लालिनराट चाइवान से 12-21, 14-21 से हार गईं। मिश्रित युगल में तनीषा और ध्रुव कपिला की जोड़ी को सिंगापुर की ही योंग काई टेरी और तान वेई हान जेसिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 18-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। हरिहरन अम्सकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासाबापति की पुरुष युगल जोड़ी भी फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही तथा चीनी ताइपे के लिन बिंग वेई और सु चिंग हेंग से 10-21 से 19-21 से हार गई।

प्रीमियम विंडीज़ के गेल, तो श्रीसंत बने प्रीमियम इंडियंस के कप्तान

ह्यूस्टन। आगामी 19 से 31 दिसंबर तक यहां मूसा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन के लिए क्रिस गेल को प्रीमियम विंडीज टीम का कप्तान घोषित किया गया है। वहीं टूर्नामेंट में खेलने वाली छह अन्य टीमों में से, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत प्रीमियम इंडियंस के कप्तान होंगे। इसी तरह सोहेल तनवीर प्रीमियम पाक्स की कप्तानी करेंगे, अफगानिस्तान टीम के वर्तमान कप्तान मोहम्मद नबी प्रीमियम अफगानों का मार्गदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर बेन कटिंग प्रीमियम ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी संभालेंगे। अपनी जवाबदारी पर गेल ने कहा ?कि मैं एक बार फिर विंडीज टीम का कप्तानी बैंड पहनने के लिए उत्साहित हूं। अमेरिका में खेलना घरेलू मैदान पर खेलने जैसा है। एक खेल के रूप में क्रिकेट को एक दिन अमेरिका में जगह बनानी ही थी और इस तरह की लीग आयोजित करने का यह सबसे अच्छा समय है। इंग्लैंड के उभरते सितारे डैन लॉरेंस, जिन्होंने 2021 की शुरुआत में श्रीलंका में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, को प्रीमियम अमेरिकियों के लिए कप्तान के रूप में नामित किया गया है। जानकारी के अनुसार पंजाब में जन्मे कनाडाई नवनीत धालीवाल, जो हाल ही में विश्व टी20 क्वालीफायर में कनाडा का नेतृत्व करने और टी20 विश्व कप 2024 में अपना पक्ष रखने के बाद सुर्खियों में आए, अपने पड़ोसी देश में प्रीमियम कैनेडियन की कप्तानी करेंगे। गेल कुछ महीने पहले लीग मालिकों और फवाद आलम (पाकिस्तान) और रवि बोपारा (इंग्लैंड) जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ न्यूयॉर्क में एपीएल लॉन्च करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे।

दिल्ली ने अपने 18 खिलाड़ियों का स्क्वॉड किया पूरा, सदरलैंड पर खर्च किए 2 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग 2024 के लिए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने कुछ खिलाड़ियों को खरीदकर अपना 18 खिलाड़ियों का स्क्वॉड पूरा कर लिया है। डब्ल्यूपीएल ऑक्शन 2024 में दिल्ली ने तीन खिलाड़ियों को खरीदा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड पर उसने 2 करोड़ की रकम खर्च कर सबको चौंका दिया। इसके साथ ही सदरलैंड ऑक्शन में संयुक्त रूप से सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं।

सदरलैंड के अलावा डीसी ने 40 लाख के बेस प्राइस वाली सदरलैंड के लिए मोटी रकम खर्च की। सदरलैंड के लिए दिल्ली और मुंबई के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। हालांकि, मुंबई ने 1.9 करोड़ की बोली लगाने के बाद अपने हाथ खींच लिए।

बता दें कि, दिल्ली नीलामी में 2.25 करोड़ के साथ आई और उसके खाते में अब सिर्फ 5 लाख रुपये बचे हैं। डीसी ने सदरलैंड के अलावा दो अनकैप्ड प्लेयर अपर्णा मंडल और अश्विनी कुमारी को अपनी टीम में शामिल किया है।

गौरतलब है कि, पिछले सीजन में मैग लैनिंग की कप्तानी में डब्ल्यूपीएल के पहले सीजन में फाइनल में पहुंची थी। दिल्ली को डब्ल्यूपीएल 2023 के फाइनल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 7 विकेट से हार का मुंह देखना पड़ा था।

दिल्ली कैपिटल्स का फुल स्क्वॉड

मेग लैनिंग, ऐलिस कैप्सी, अरुंधती रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स, एनाबेल सदरलैंड, जेस जोनासेन, लौरा हैरिस, मारिजैन कप्प, मिन्नू मणि, पूनम यादव, राधा यादव, शैफाली वर्मा, अपर्णा मंडल, शिखा पांडे, तीतस साधु, अश्विनी कुमारी, स्नेहा दीप्ति, तान्या भाटिया।

आलेफ़ सुपर स्टार्स शतरंज – यू यांगयी बने विजेता निहाल उपविजेता

शारजाह। आलेफ़ सुपर स्टार्स शतरंज में तीसरे वरीय भारत के निहाल सरीन ने क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज़ के मुक़ाबलो के बाद उपविजेता का स्थान हासिल किया है जबकि चीन के टॉप सीड यू यांगयी विजेता बनने में कामयाब रहे। क्लासिकल में निहाल ने 6 राउंड के बाद 3.5 अंको के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था फिर उसके बाद रैपिड में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा और 6 राउंड में वह सिर्फ 2 अंक ही बना सके और तीसरे स्थान पर रहे पर ब्लिट्ज़ में निहाल ने शानदार खेल दिखाया और 12 राउंड के ब्लिट्ज़ के बाद 8 अंक बनाकर कुल 13.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहे, चीन के यू यांगयी क्लासिकल में 4, रैपिड में 4 और ब्लिट्ज़ में 6 अंक बनाकर 14 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे। मेजबान यूएई के सलेम सालेह क्लासिकल में 1.5, रैपिड में 4.5 और ब्लिट्ज़ में 5.5 अंक बनाने में सफल रहे और 11.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

रिंकू सिंह ने साउथ अफ्रीका सीरीज से पहले अतिरिक्त अभ्यास की जरुरत बताई

डरबन (एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाड़ी रिंकू सिंह ने साउथ अफ्रीका सीरीज जीतने से पहले अतिरिक्त अभ्यास की जरुरत बताई। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के बाद पहले विदेशी दौरे पर मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार है। टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के साथ रविवार 10 दिसंबर से तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेलने उतरेगी। भारत के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रिंकू सिंह का कहना है कि दक्षिण अफ्रीकी पिचों की अतिरिक्त रफ्तार और उछाल को देखते हुए अतिरिक्त प्रयास और अभ्यास की जरूरत होगी। टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों ही फॉर्मेट में सीरीज खेलेगी। टी20 मैच से दौरे की शुरुआत होगी फिर मैचों की वनडे सीरीज होगी। इस दौरे का अंत टीम इंडिया 2 टेस्ट मैच के साथ करेगी। भारतीय टीम के पहले प्रैक्टिस सेशन के बाद दक्षिण अफ्रीका की पिच के बारे में रिंकू ने कहा कि मैंने जब यहां बल्लेबाजी की तो भारतीय विकेटों की तुलना में अधिक उछाल लगा। रफ्तार अधिक है लिहाजा तेज गेंदबाजी के खिलाफ अधिक अभ्यास करना होगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 मैच रविवार को खेलेगी। रिंकू पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें स्वाभाविक खेल दिखाने के लिए कहा है।

उन्होंने मीडिया से कहा कि पहले सत्र का मैने बहुत मजा लिया चूंकि मौसम अच्छा था। राहुल द्रविड़ सर के साथ खेलने का मौका मिलना सुखद अहसास था। उन्होंने मुझे कहा कि अपने अंदाज में बल्लेबाजी करता रहूं और खुद पर भरोसा बनाये रखूं। रिंकू ने कहा कि 2013 से पांचवें छठे नंबर पर खेलते रहने से उन्हें भारत के लिये भी यही जिम्मेदारी निभाने का भरोसा मिला है।

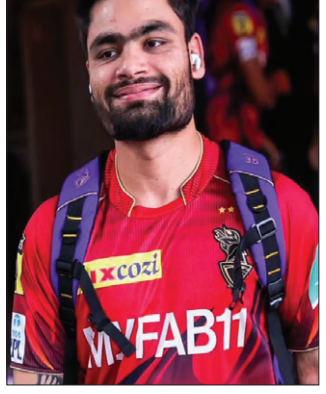

टी20 विश्व कप के लिए रोडमैप तैयार

-बोर्ड मध्यक्रम में वैकल्पिक विकल्प पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। बीते दिनों कप्तान रोहित शर्मा, राहुल द्रविड़, चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और अन्य बोर्ड अधिकारियों के बीच बैठक में वेस्ट इंडीज और यूएसए में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। इसमें कई बड़े खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट की मानें तो ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला से चूकने के बावजूद रोहित और जसप्रीत बुमराह का टूर्नामेंट के लिए टीम में होना तय है, लेकिन कोहली चूक सकते हैं। टी20ई और आईपीएल में अच्छा रिकॉर्ड होने के बावजूद, बोर्ड शायद मध्यक्रम में एक वैकल्पिक विकल्प पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम न छापने की सूरत में बताया कि विराट कोहली की जगह इशान किशन को मध्य क्रम में चुना जा सकता है क्योंकि वे एक ऐसे खिलाड़ी की तलाश में हैं जो शुरू से ही आक्रमण कर सके। अधिकारी ने यह भी कहा कि कोहली के लिए आईपीएल 2024 के प्रदर्शन पर भी विचार किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले कोहली से उनके भविष्य के बारे में सलाह ली जाएगी। कोहली का बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। अगर वह आगे बढ़ना चाहते हैं तो उनके फैसले का सम्मान किया जाएगा। लेकिन भविष्य की योजनाओं के तहत अभी से प्लानिंग जरूरी है ऐसे में विराट का बैकअप तैयार किया जा रहा है। बता दें कि क्रिकेट विश्व कप 2023 के नाकाम सफर के बाद क्रिकेट प्रशंसक इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि भारतीय टीम के सितारा बल्लेबाज विराट कोहली अब आगामी टी20 विश्व कप 2024 में अपने देश को खिताब दिला सकते हैं। वहीं, टी20 क्रिकेट से विराट कोहली की दूरी अभी भी सवाल खड़े कर रही है।

भारत अवसरों का देश, यहां जन्म लेना सौभाग्य की बात: हरभजन सिंह

सूरत (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि भारत अवसरों का देश हैं, यहां पर जन्म लेना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भारत में क्रिकेटर इतने भाग्यशाली हैं कि उन्हें देश में कई अवसर मिलते हैं। अन्य देशों के खिलाड़ियों के पास रेगुलर जॉब नहीं हैं, उनके लिए लीजेंड्स लीग क्रिकेट जैसा एक मंच है जहां उन्हें अपनी आजीविका कमाने का एक अवसर मिलता है। यहां गौरतलब है कि हरभजन सिंह (मणिपाल टाइगर्स) और सुरेश रैना (अर्बनराइजर्स हैदराबाद) शनिवार को सूरत में एलएलसी 2023 के फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए हरभजन ने क्रिकेट खेलने और संन्यास के बाद के बारे में विस्तार से बात की। हरभजन ने कहा कि खेलना हमेशा से मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। जब मैंने संन्यास लिया, तो मैंने सोचा कि मैं काफी खेल चुका हूं और अब युवाओं को मौका देने का समय आ गया है। और जब संन्यास के बाद ऐसा मौका मिलता है, तो यह बहुत शानदार है। स्पिनर ने बताया, कि कोई भी हमें आंकता नहीं है लेकिन हां हमसे अपेक्षाएं समान हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हम भारत में पैदा हुए हैं, जहां हमारे पास बहुत सारे अवसर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे खिलाड़ी जिनके पास नौकरी नहीं है जैसे कि न्यूजीलैंड और वेस्ट इंडीज के कुछ खिलाड़ी, लीजेंड्स लीग क्रिकेट उनके लिए बड़ी बात है।

हरभजन ने मणिपाल टाइगर्स के एक खिलाड़ी के बारे में एक छोटा सा किस्सा साझा करते हुए कहा कि कैसे कुछ खिलाड़ियों को क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद काफी संघर्ष करना पड़ता है। हरभजन ने कहा कि एक अच्छी बात जो हुई है वह यह है कि जिन खिलाड़ियों का करियर जल्दी खत्म हो जाता है और उन्हें अधिक खेलने का मौका नहीं मिलता है, उन्हें अब अपने करियर को आगे बढ़ाने का मौका मिल रहा है। हमारी टीम में न्यूजीलैंड से ऐसा ही एक खिलाड़ी है, जिसका काम गोल्फक्लब में घास काटना है।

इसी तरह की भावना व्यक्त दिग्गज खिलाड़ी सुरेश रैना ने भी कहा कि हर किसी को आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं मिलता है। इसलिए यह एक ऐसा मंच है जहां खिलाड़ी अपने कौशल को अपने प्रशंसकों के सामने प्रदर्शित कर सकते हैं। दोनों कप्तानों ने इस बारे में बात की कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट के पहले सीज़न का हिस्सा बनना और फाइनल में पहुंचना टीम के लिए क्या मायने रखता है। बता दें कि फाइनल शनिवार को सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स और अर्बनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। इनमें हरभजन सिंह, सुरेश रैना, मार्टिन गुप्टिल, एमडी कैफ़ प्रवीण कुमार सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे।

लकी हूं जो दीपिका जैसी वाइफ मिलीं, वो मेरी टीचर हैं

सऊदी अरब के जेद्दा शहर में आयोजित हुए रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के संवाद से हुई। उद्घाटन समारोह में हॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शैरोन स्टोन और फेस्टिवल प्रमुख मोहम्मद अल तुर्की ने रणवीर सिंह को सम्मानित किया। शैरोन स्टोन ने उनके बारे में वक्तव्य पढ़ते हुए कहा कि वे एक ऐसे ऑलराउंडर कलाकार है जिन्होंने अपनी एक्टिंग से सिनेमा में नए-नए प्रयोग किए है।

दीपिका मेरी टीचर हैं

कार्यक्रम में दर्शकों से रुबरु होते हुए रणवीर सिंह ने कहा, 'मेरी पत्नी दीपिका पादुकोण मेरी टीचर हैं। वो मुझसे बड़ी कलाकार हैं पर घर में वो अपना स्टारडम नहीं लातीं। मैं आज भी उससे एक्टिंग की बारीकियां सीखता हूं। मैं बहुत लकी हूं जो मुझे दीपिका जैसी वाइफ मिली हैं।'

बैंड बाजा बारात के बाद 72 घंटों में मेरी दुनिया बदल गई थी

अपनी लाइफ जर्नी पर बात करते हुए रणवीर ने कहा- 'जीवन एक सफर है और इसमें उतार-चढ़ाव तो लगा ही रहता है। एक फिल्म के हिट या फ्लॉप होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। जब 2010 में मेरी पहली फिल्म 'बैंड बाजा बारात' रिलीज हुई और हिट हो गई तो रातोंरात मैं स्टार बन चुका था। 72 घंटों में मेरी दुनिया बदल चुकी थी। मुझे लगने लगा कि मुझसे ज्यादा अभिनय के बारे में और कोई नहीं जानता। पर जल्दी ही मेरा भ्रम टूट गया, जब मैं अपने सीनियर एक्टर्स से मिला। मुझे अहसास हुआ कि मैं अभी कुछ भी नहीं जानता।'

रॉकी जैसे किरदार निभाना मुश्किल होते हैं

वहीं करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में रॉकी रंधावा की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर रणवीर ने कहा कि इस किरदार को लोगों ने खूब प्यार दिया। ऐसे किरदारों की चुनौती यह होती है कि डायरेक्टर ने कागज पर जैसा लिखा है और मन में जैसा सोचा है वैसा ही अभिनय में उतरना पड़ता है।

भंसाली का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा

अपने सबसे पसंदीदा निर्देशक की बात करते हुए रणवीर ने संजय लीला भंसाली का नाम लिया। वे बोले- 'मैं भंसाली का शुक्रगुजार हूं। उनकी फिल्म 'रामलीला' के दौरान ही मैं पहली बार दीपिका पादुकोण से मिला, जो आज मेरी वाइफ हैं।

आज भी अपने सीनियर एक्टर्स से सीखता हूं

अपनी लाइफ के टर्निंग पॉइंट के बारे में बात करते हुए रणवीर ने कहा- 'हिंदी सिनेमा में साल 2000 और 2010 टर्निंग प्वाइंट रहे हैं। हीरो और अभिनेता की परिभाषा बदल रही थी। अब एक ही अभिनेता को रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और ट्रेजेडी, सबकुछ करना था। सिनेमा में हमारे लिए यह नई चुनौती थी जिसका सामना हमें करना पड़ा। हिंदी सिनेमा को अब एक संपूर्ण अभिनेता चाहिए था। हालांकि मुझसे पहले गोविंदा, अक्षय कुमार और अजय देवगन ने इसकी शुरुआत कर दी थी।

रोहित के साथ काम करने का मजा ही अलग है

वहीं सिंबा के बारे में बात करते हुए रणवीर ने कहा, 'सिंबा फिर से वापस आ रहा है। अभी-अभी रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम 3' की शूटिंग करके लौटा हूं। अजय देवगन और रोहित शेट्टी के साथ शूटिंग में इंप्रोवाइज डायलॉग का मजा ही कुछ और है। रोहित शेट्टी अलग किस्म के डायरेक्टर हैं।'

बॉबी देओल ने घरवालों से छुपा कर की आश्रम वेब सीरीज

1 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म एनिमल आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म कर रही है। रणबीर कपूर स्टारर इस फिल्म में बॉबी देओल भी नजर आए थे। हालांकि बॉबी का फिल्म में कोई डायलॉग नहीं था, लेकिन फिर भी उनकी परफॉर्मेंस की हर जगह चर्चा हो रही है। ऐसे में एक इंटरव्यू के दौरान बॉबी ने बताया कि उन्होंने वेब सीरीज आश्रम में निभाए गए किरदार के बारे में अपने घरवालों को नहीं बताया था। बॉबी ने यह भी कहा कि रेस 3 और हाउसफुल जैसी फिल्मों से उन्हें संतुष्टि नहीं मिली। बॉबी देओल ने वेब सीरीज आश्रम में निराला बाबा का किरदार निभाया था। हालांकि यह एक नेगेटिव रोल था, लेकिन बॉबी को इस किरदार के लिए अच्छे रिस्पॉन्स मिले थे। बॉबी देओल ने बताया कि शुरू में वे बाबा के किरदार को निभाने के लिए श्योर नहीं थे। वे असमंजस में पड़ गए थे के कि क्या करना चाहिए। बॉबी इस हद तक शंकित थे कि उन्होंने अपने परिवार वालों को भी इस किरदार के बारे में नहीं बताया था।

डरता था लोग मुझे गलत ना समझ लें

बॉबी ने कहा- आश्रम वेब सीरीज के वक्त मैं बहुत डरा हुआ था। इस बात से नहीं कि मैं इस तरह का किरदार निभा पाऊंगा या नहीं बल्कि इसलिए कि कहीं लोग मेरे इस किरदार को गलत तरीके से ना ले लें। उन्होंने आगे कहा- जब मैं यह किरदार निभा रहा था, तो मैंने अपने पिता, भाई या मां को इस बारे में नहीं बताया था। मैंने उन्हें इसलिए नहीं बताया था क्योंकि मुझे लगा कि कहीं वे मुझे ऐसा रोल करने से मना ना कर दें।

रेड सी इंटरनेशनल अवॉर्ड में बोलेकरण जौहर- जो बेस्ट होगा, उसे काम मिलेगा

जेद्दा (सऊदी अरब) में आयोजित तीसरे रेड सी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में करण जौहर ने स्वीकार किया कि उनके जीवन में कभी कोई प्रेम कहानी नहीं रही, पर उन्होंने अपनी अधिकांश फिल्मों में दर्शकों को प्रेम कहानियां ही सुनाई हैं। उन्हें सुनने के लिए जेद्दा के रेड सी माल के वोक्स सिनेमा में बड़ी संख्या में बॉलीवुड से बेइंतहा प्यार करने वाले दर्शक मौजूद थे, जिनमें सबसे ज्यादा पाकिस्तानी महिलाएं थीं, जिन्होंने करण जौहर की सभी फिल्में देख रखी थीं। मिडिल ईस्ट के देशों में करण जौहर की फिल्मों की काफी लोकप्रियता है।

हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे हिंसक फिल्म है किल

करण ने कहा कि वे दो जुड़वां बच्चों के पिता हैं और अपनी 81 वर्षीय मां के साथ मिलकर उनका पालन पोषण कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म किल के बारे में कहा कि यह हिंदी सिनेमा के इतिहास में संभवत सबसे हिंसक फिल्म है जिसे एक साथ देखने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा हूं। इसे खाली पेट मत देखिएगा नहीं तो फिल्म देखने के बाद खाना नहीं खा पाएंगे। इसी साल टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था और कहा जाता है कि वहां इसे बहुत पसंद किया गया।

नेपोटिज्म को सिरे से नकारते हैं करण जौहर

करण जौहर ने हिंदी सिनेमा में नेपोटिज्म (परिवारवाद) के सवाल पर हिंदी में जवाब देते हुए कहा कि इससे बड़ा झूठ कुछ हो ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में जब उन्होंने आलिया भट्ट का ऑडिशन देखा तो पाया कि रानी की भूमिका के लिए वे सबसे बेस्ट थीं। उनके लिए यह बात मायने नहीं रखती कि वे किसकी बेटी (महेश भट्ट) है और किस परिवार से आई हैं। उन्होंने कहा कि अब तक वे करीब तीस से भी अधिक लोगों को फिल्मों में मौका दे चुके हैं। यह किस्मत की बात है कि किसी को चांस मिल जाता है और कोई इंतजार करता रहता है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हॉलीवुड में भी नेपोटिज्म रहा है। भारत में तो बहुत बाद में आया। दरअसल सिनेमा में कास्टिंग के समय आप अपनी अंतरात्मा की आवाज को ही सुनते हैं। सबसे पहले तो आप अपने विश्वास और भरोसे पर फिल्म बनाते हैं। उन्होंने अपने पिता यश जौहर को याद करते हुए कहा कि वे कहते थे कि लोगों को लोगों की जरूरत होती है। हमें कामयाबी नाकामी की चिंता छोड़ लोगों को जोड़ने की कोशिश करनी चाहिए। मैं सिनेमा में यहीं कर रहा हूं।

प्रोड्यूसर का समय एक्टर और डायरेक्टर का ईगो झेलने में निकल जाता है

करण जौहर ने अपने पिता यश जौहर को याद करते हुए कहा कि वे सत्तर के दशक में एक फिल्म प्रोड्यूसर थे। सबसे थैंकलेस काम प्रोड्यूसर का होता है। उनका अधिकांश समय एक्टर, डायरेक्टर और दूसरे लोगों के अहम (ईगो) को संतुष्ट करने में बीतता था। वे हमेशा कहते थे कि काम करने वाले के लिए असफलता कोई मायने नहीं रखती। आप बाहर का शोर मत सुनिए, अपने अंदर की आवाज़ सुनिए।

मैं सिर्फ हिंदी फिल्में बना सकता हूं

मुंबई से बाहर हॉलीवुड में फिल्म बनाने के सवाल पर करण जौहर ने साफ कहा कि यह उनके बस की बात नहीं है। वे केवल हिन्दी में ही फिल्में बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा दिल मेरे देश भारत मे बसता है। हिंदी ही मेरी भाषा है। मैं हिंदी में ही फिल्म बना सकता हूं। उसी को लेकर सारी दुनिया में जाऊंगा। उन्होंने कहा कि जब मैंने माय नेम इज खान (2010) बनाई थी तो लॉस एंजिल्स की यात्रा की थी। फॉक्स स्टार स्टूडियो के साथ कई बिजनेस मीटिंग हुई पर बात नहीं बनी।

धर्म के नाम पर ब्रेकअप करने पर ट्रोल हुईं हिमांशी

आसिम रियाज से ब्रेकअप के बाद हिमांशी खुराना सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो रही हैं। रियलिटी शो 'बिग-बॉस' 13 के दौरान दोनों रिलेशनशिप में आए थे। बता दें एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर ब्रेकअप की खबर दी और उनके ब्रेकअप का कारण धर्म बताया। इसके बाद से आसिम के फैंस उन्हें ट्रेल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा जब आप 4 साल तक उनके साथ थी तब आपको अलग धर्म की जानकारी नहीं थी। यूजर का मानना है कि उन्होंने ये सब फेम और पैसे के लिए किया है। इस पूरे मामले के बाद एक्ट्रेस ने एक्स (ट्विटर) अकाउंट डिलीट कर दिया है। शो के बाद आसिम और हिमांशी ने एक दूसरे को लगभग 4 साल तक को डेट किया। एक्ट्रेस का कहना है कि दोनों के अलग-अलग धर्म होने की वजह से ऐसा फैसला लेना पड़ा। उनके इस पोस्ट के बाद आसिम के फैंस उन्हें ट्रोल करने में लगे हैं।

हिमांशी ने रिवेल कर दी थी चैट

हिमांशी खुराना खुद को सही साबित करने के लिए सोशल मीडिया पर आसिम के साथ हुई पर्सनल चैट शेयर कर दी। लेकिन इसकी वजह से उन्हें और ज्यादा ट्रोल होना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पर्सनल चैट कौन दिखाता है। फिलहाल हिमांशी खुराना ने अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिया है।

आसिम रियाज ने नहीं दिया कोई बयान

ब्रेकअप के बाद आसिम के फैंस हिमांशी खुराना को बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस को कमेंट कर लिखा- जब आपने 4 साल पहले प्यार किया तब नहीं लगा था आपको कि धर्म अलग है... अब आपको फेम मिल गया है तो धर्म अलग है नाम का टैग लगा दिया। इसके अलावा भी यूजर्स अलग-अलग तरह की बातें कर रहे हैं। कपल के फैंस ब्रेकअप की खबर से शॉक्ड हैं। इसपर आसिम रियाज की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया। हिमांशी ने लिखा- हां, अब हम एक साथ नहीं हैं। हमने जो भी समय एक साथ बिताया था, वो बहुत अच्छा था, मगर अब हम दोनों अलग हो गए हैं। हमारी रिलेशनशिप की जर्नी शानदार थी, लेकिन अब हम दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं। हम अपने- अपने धर्म का सम्मान करते हुए, अपनी अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं की वजह से प्यार की कुर्बानी दे रहे हैं। हमारे मन में एक-दूसरे के खिलाफ कुछ भी नहीं है। हम आपसे रिक्वेस्ट करते हैं कि हमारी प्राइवसी की रेस्पेक्ट की जाए.. हिमांशी।

एनिमल की सफलता पर रश्मिका बोलीं

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड फिल्म एनिमल में गीतांजलि की भूमिका निभाई है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी ताकत उनका सबसे प्रशंसनीय गुण है और उन्हें इस किरदार को निभाने का हर पहलू पसंद आया। रश्मिका मंदाना ने कहा, माय लव! पिछले कुछ दिनों में मुझे एनिमल के लिए जो प्यार मिल रहा है, वह इतना अद्भुत है कि यह समझ से परे है। धन्यवाद। एक कलाकार के तौर पर गीतांजलि मेरे लिए बहुत प्रिय किरदार है। उनकी ताकत उनका सबसे प्रशंसनीय गुण है। मुझे किरदार निभाना बहुत पसंद आया। मैं एनिमल की पूरी टीम के साथ सेट पर बिताए पलों को हमेशा याद रखूंगी।

एनिमल के एक विवादित डायलॉग पर बोलीं तृप्ति

फिल्म 'एनिमल' में जोया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों काफी चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें नेशनल क्रश का नाम दिया जा रहा है। वहीं फिल्म के कुछ सीन को लेकर आलोचना भी की जा रही है। फिल्म में दिखाए गए एक सीन में रणबीर तृप्ति को लिक माइ शूज (अपना शूज लिक करने के लिए) कहते हैं, कुछ लोग फिल्म के इस सीन पर सवाल उठा रहे हैं। इस सीन के बारे में बात करते हुए तृप्ति ने बताया कि यह सीन बहुत सोचने और समझने के बाद ही डायरेक्टर ने रखा था। उन्होंने आगे कहा कि मेरे एक्टिंग कोच ने यही सिखाया है कि एक एक्टर को हर तरह के रोल के लिए तैयार रहना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए एक्ट्रेस ने रोल का हेर-फेर करने की बात की। उन्होंने कहा- एक औरत जो आपकी पत्नी, बच्चे और पिता सबको मारने की बात कर रही है। अगर मैं उनकी जगह होती तो मैं शायद उस लड़की को मार देती। जबकि रणबीर वहां से चले जाते हैं। जब उनके भाई उनसे पूछते हैं कि इस लड़की का क्या करना है? तो रणबीर कहते हैं कि वो जहां जाना चाहे उसे जाने दो।

'एनिमल' में क्या था जोया का किरदार

फिल्म में रणबीर हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए डोनर की तलाश में रहते हैं। अचानक रणबीर को हार्ट डोनर मिल जाता है। जोया का इंट्रोडक्शन रणबीर से यह कहकर कराया जाता है, कि वह उस इंसान की मंगेतर हैं जिसका हार्ट रणबीर को लगाया गया है। जोया एक बार रणबीर को देखना चाहती हैं। दरअसल जोया को विलेन का किरदार निभा रहे बॉबी देओल ने एक मकसद से रणबीर के पास भेजा था। जोया की मदद से वह रणबीर की पत्नी, बच्चे और पिता को मारना चाहता है। जोया को रणबीर से सच्चा प्यार हो जाता है इसलिए वह उनको सबकुछ सच बता देती हैं। रणबीर सबकुछ पहले से जानते रहते हैं। जोया रणबीर से प्यार का इजहार करती हैं, तभी एक्टर 'लिक माइ शूज' कहते नजर आए हैं। इसके बाद फिल्म में जोया का सीन नहीं दिखाया गया है। फिल्म के इसी सीन को लेकर लोग आलोचना कर रहे हैं। तृप्ति ने इसके पहले भी कई फिल्मों में काम किया था। एनिमल से पहले उन्होंने फिल्म 'कला' में लीड एक्ट्रेस के रुप में काम किया था। इसमें भी उनकी एक्टिंग के लिए काफी सराहना मिली थी।